दैनिक

प्रतिदिन राजधानी

सुप्रभात रायपुर

आम आदमी का खास अखबार

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 26 | अंक : 84 रायपुर, बुधवार, 8 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ₹ 2.00

RNI NO. CHH HIN/2001/05596

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

3 छात्रा संसद में बेटियों ने ...

आज भी 'खल्लास गर्ल'... 8

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

धर्म के लिए लड़ने वाला कभी नहीं मरता : मोहन भागवत

एजेंसी, मथुरा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने धर्म के लिए लड़ने वाला कभी मरता नहीं है। अधर्मी को मार देता है और अपनी सत्ता वापस लेता है। अब समय आ गया है कि भारत विश्व गुरु बनेगा और विश्व को नई सुखी और सुंदर दुनिया के बनाएगा। इसके लिए संतों से संतत्व से सीख लेकर उनकी प्रेरणा और अध्यात्म के आधार पर भारत विश्व गुरु बनेगा। इसके लिए संघ संतों के साथ मिलकर प्रयास करेगा। हम अपने अंदर का भाव बदलें, देश खुद ही बदल जाएगा।

संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत मंगलवार को वृंदावन स्थित मलूकपीठ आश्रम में संत मलूकदास महाराज के 452वें जयंती महोत्सव का योग गुरु बाबा रामदेव के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात... मानसून बाद छत्तीसगढ़ दौरे का दिया न्योता

बस्तर 2.0 की शुरुआत: मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री को सौंपा विकास का ब्लूप्रिंट

बस्तर के लिए 360ए प्लान-टूरिज्म, स्टार्टअप, इंफ्रा और इनोवेशन पर फोकस

पीएम का बस्तर दौरा बनेगा टर्निंग पॉइंट, बड़े प्रोजेक्ट्स की सौगात

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात कर बस्तर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए एक महत्वाकांक्षी और दूरदर्शी ब्लूप्रिंट प्रस्तुत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नक्सलवाद के अंत के बाद प्रदेश में स्थापित शांति के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया और उन्हें मानसून के बाद बस्तर दौरे के लिए औपचारिक आमंत्रण भी दिया। प्रस्तावित दौरे में कई बड़ी विकास परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण की योजना है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए यह जानकारी दी।

मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर समेत पूरे राज्य में नक्सलवाद समाप्त हो चुका है और अब क्षेत्र में शांति का माहौल है। इस बदलते परिदृश्य में सरकार का फोकस अब तीव्र विकास, रोजगार सृजन और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर है। उन्होंने प्रधानमंत्री को सौंपे गए दस्तावेज़ में शिक्षा, स्वास्थ्य, कनेक्टिविटी, ऊर्जा, कृषि और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में व्यापक योजनाओं का खाका प्रस्तुत किया।

उन्होंने बताया कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में एजुकेशन सिटी, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं। वहीं, इंद्रावती नदी पर बैराज निर्माण, रेल लाइन विस्तार और एयरपोर्ट अपग्रेडेशन के जरिए कनेक्टिविटी को मजबूत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि इन पहलों से बस्तर विकास के नए युग में प्रवेश करेगा।

विकास ब्लूप्रिंट 'सैचुरेशन, कनेक्ट, फैसिलिटेट, एम्पावर और एंगेज' रणनीति पर आधारित है। इसके तहत दूरस्थ गांवों तक सड़क नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लंबित कार्यों को 2027 तक पूरा करने के साथ 228 नई सड़कों और 267 पुलों के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया है। इसके अलावा 61 नई परियोजनाओं के लिए विशेष केंद्रीय सहायता की मांग की गई है।

ऊर्जा क्षेत्र में हर घर तक बिजली पहुंचाने का लक्ष्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में 45 पोटा केबिन स्कूलों को स्थायी भवनों में परिवर्तित किया जाएगा। युवाओं के लिए 15 स्टेडियम और 2 मल्टीपर्पज हॉल के निर्माण की योजना है। स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का विस्तार और डॉक्टरों के लिए ट्रांजिट हॉस्टल बनाए जा रहे हैं।

कृषि और सिंचाई के क्षेत्र में इंद्रावती नदी पर देउरगांव और मटनार परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है, जिनसे 31,840 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। इससे क्षेत्र की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है। सरकार ने आजीविका बढ़ाने के लिए तीन वर्षीय योजना भी तैयार की है, जिसके तहत 2029 तक 85 प्रतिशत परिवारों की मासिक आय 15,000 रुपये से बढ़ाकर 30,000 रुपये करने का लक्ष्य रखा गया है। 'नियद नेल्ला नार 2.0' योजना का विस्तार कर अधिक जिलों को जोड़ा जा रहा है ताकि विकास का लाभ व्यापक स्तर तक पहुंच सके।

स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 'अंजोर विजन 2047' और 'विकसित भारत@2047' के तहत 2030 तक 5,000 स्टार्टअप तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है।

पांच किलो वाले एलपीजी सिलेंडर का सप्लाई कोटा हुआ दोगुना

प्रवासी मजदूरों और छात्रों को मिलेगी राहत

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण देश में रसोई गैस की सप्लाई में हो रही परेशानी के बीच केंद्र सरकार ने 5 किलोग्राम वाले छोटे एलपीजी गैस सिलेंडर (फ्री ट्रेड एलपीजी–एफ्टीएल) के सप्लाई कोटे को दोगुना करने का ऐलान किया है। 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर के कोटा को बढ़ाए जाने का फायदा उन लोगों को मिलेगा, जो गांव से रोजी–रोटी की तलाश में या पढ़ने के लिए शहरों में आते हैं और खाना बनाने के लिए बिना कनेक्शन वाले इन छोटे सिलेंडर का उपयोग करते हैं।

पेट्रोलियम मंत्रालय की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार 5 किलोग्राम वाले छोटे गैस सिलेंडर के कोटे को दोगुना करने के लिए पिछले महीने दो और तीन तारीख यानी दो और तीन मार्च को ओपन मार्केट में सप्लाई किए गए छोटे सिलेंडर की संख्या को आधार माना जाएगा। मंत्रालय की ओर से स्पष्ट किया गया है कि 5 किलोग्राम वाले छोटे एफ्टीएल सिलेंडर राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभागों को उपलब्ध कराए जाएंगे और इनकी सप्लाई सिर्फ प्रवासियों के लिए होगी।

इन छोटे सिलेंडर के लिए स्थाई गैस कनेक्शन लेने की जरूरत नहीं होती है। दूर दराज के गांव से शहरों में पढ़ने के लिए या काम करने के लिए आए छात्र और प्रवासी मजदूर अपने स्थाई पता का प्रमाण देने की जगह सिर्फ मान्य पहचान पत्र दिखाकर सिलेंडर ले सकते हैं। इसके अलावा अस्थाई तौर शहर में रहने के वाले लोग यानी जिनके पास स्थाई पता नहीं होता है, वे भी इस सिलेंडर को मान्य पहचान पत्र दिखा कर ले सकते हैं। इसीलिए शहर में रहने वाले प्रवासी मजदूर या प्रवासी छात्रों के लिए 5 किलोग्राम का यह गैस सिलेंडर काफी उपयोगी साबित होता है।

दुर्ग जिले में अफ्रीकन स्वाइन फीवर का कहर

300 से ज्यादा सूअरों की मौत, फार्म मालिक को 1 करोड़ का नुकसान

दुर्ग (प्रतिदिन राजधानी)

दुर्ग जिले के नारधा मुडपार इलाके में अफ्रीकन स्वाइन फीवर ने दस्तक दी है. इस खतरनाक वायरस के कारण अब तक 300 से ज्यादा सुअरों की मौत हो गई है. संक्रमण की पुष्टि होने के बाद पशुपालन विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 150 संक्रमित सुअरों को इंजेक्शन देकर मार दिया.इसके बाद सभी सुअरों के शवों को साइंटिफिक तरीके से दफनाया गया.

इस घटना से मालिक को लगभग 1 करोड़ 20 लाख रुपए का नुकसान हुआ है. अफ्रीकन स्वाइन फीवर एक अत्यंत घातक वायरल बीमारी है, जिसमें सुअरों की मृत्यु दर लगभग 100 प्रतिशत होती है. इसकी कोई वैक्सीन या इलाज उपलब्ध नहीं है. हालांकि यह इंसानों के लिए खतरनाक नहीं है, लेकिन संक्रमित मांस के सेवन से बचने की सलाह दी गई है. यह फार्म मालिक पीओ जॉय के मुताबिक 29 मार्च को सैंपल लिया गया था. 1 अप्रैल से सुअरों की मौत शुरू होनी शुरू हुई थी. 6 अप्रैल तक अधिकांश सूअर मर चुके थे. इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट पॉजिटिव आई.लिहाजा हेल्थ टीम ने पीपीई किट पहनकर मौके का मुआयना किया और पूरे फॉर्म को खाली करवाया.फॉर्म खाली करवाने के बाद इसे सील कर दिया गया है।

टेस्ट सैंपल पॉजिटिव आने के बाद फॉर्म सील

ईरान के परमाणु ईंधन चक्रण केंद्र पर हमला

होर्मुज न खुलने पर अमेरिका की तबाही मचाने की धमकी

एजेंसी, तेहरान/वाशिंगटन

अमेरिका–इजराइल और ईरान के बीच पिछले 38 दिन से जारी युद्ध के बीच ईरान ने स्वीकार किया है कि अमेरिका–इजराइल ने उसके परमाणु ईंधन चक्रण केंद्र पर हमला किया है। इस बीच अमेरिका की उस चेतावनी को लेकर ईरान में घबराहट का माहौल व्याप्त है जिसमें उसने कहा है कि अगर ईरान ने मंगलवार को तय समय सीमा पर होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोला तो तबाही मचा दी जाएगी।

ईरानी परमाणु ऊर्जा संगठन ने मध्य ईरान में स्थित इस केंद्र (येलोकेक उत्पादन सुविधा) पर हमले की निंदा की है और इसे शांतिपूर्ण परमाणु स्थलों की सुरक्षा का उल्लंघन बताया है। इस केंद्र को शाहिद रजाई नेजाद सुविधा के नाम से भी जाना जाता है। यह ईरान के यज्द प्रांत के अर्दाकान शहर में स्थित है। यह केंद्र ईरान के परमाणु कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह एक यूरेनियम उत्पादन संयंत्र है। यहां यूरेनियम अयस्क को येलो केक में बदला जाता है। इसकी वार्षिक क्षमता लगभग 60 टन यूरेनियम ऑक्साइड उत्पादन की है। इसका उद्घाटन अप्रैल 2013 में ईरान के 'राष्ट्रीय परमाणु प्रौद्योगिकी दिवस' पर किया गया था। इसका नाम शहीद दारायुश रजाई नेजाद के सम्मान में रखा गया है। वह एक ईरानी परमाणु वैज्ञानिक थे।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी परमाणु ऊर्जा संगठन ने एक्स पर कहा कि यह हमला शांतिपूर्ण परमाणु सुविधाओं की सुरक्षा का स्पष्ट उल्लंघन है। यह ईरान की रिएक्टर फ्यूल सप्लाई चेन पर सीधा हमला है। बयान में कहा गया, ईरान की परमाणु तकनीक शांति और मानवता के स्वास्थ्य की सेवा के लिए है। देश का परमाणु अभियान भारी बम गिराने से भी नहीं रुकेगा। हालांकि संगठन ने यह नहीं बताया कि हमला कब हुआ और इससे केंद्र को क्या नुकसान हुआ। मार्च के आखिर में भी इस केंद्र में हमले की बात कही गई थी।

महत्वपूर्ण यह है कि अमेरिका–इजराइल का ईरान के खिलाफ 28 फरवरी को शुरू किया एकीकृत सैन्य अभियान दिन गुजरने के साथ–साथ डरावना होता जा रहा है। ईरान ने दुश्मन देशों और उनके सहयोगियों पर हमले शुरू कर दिए हैं। इजराइल ने मंगलवार को सवेरा होने से पहले ईरान के कई शहरों पर भीषण हमले किए

छत्तीसगढ़ में वाहन बिक्री में हल्की बढ़ोतरी, FY 26 में 7.44 लाख वाहन बिके

जतिन नचरानी

नई दिल्ली (प्रतिदिन राजधानी)

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (FADA) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में वित्तीय वर्ष 2025–26 में वाहन बिक्री में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस दौरान राज्य में कुल 7,44,242 वाहनों की बिक्री हुई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3.43 प्रतिशत अधिक है।

FADA छत्तीसगढ़ के चेयरपर्सन श्री विवेक गर्ग ने बताया कि राज्य में वाहन बाजार में बढ़त तो हुई है, लेकिन यह राष्ट्रीय औसत से काफी कम रही। इससे यह साफ है कि राज्य में बाजार की रफ्तार अभी धीमी बनी हुई है।

उन्होंने बताया कि यात्री वाहनों, तीन पहिया वाहनों और ट्रैक्टरों की बिक्री में अच्छी बढ़ोतरी हुई है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में मांग और व्यक्तिगत उपयोग के वाहनों की जरूरत बढ़ने का संकेत मिलता है। वहीं दोपहिया वाहनों की बिक्री में मामूली बढ़त रही और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री लगभग स्थिर रही।

रिपोर्ट के अनुसार निर्माण कार्यों में उपयोग होने वाले उपकरणों की बिक्री में बड़ी गिरावट देखी गई है, जिससे यह संकेत मिलता है कि इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कामों की गति कुछ धीमी हुई है।

महीनेवार आंकड़ों में जनवरी और फरवरी में अच्छी बिक्री हुई, लेकिन मार्च में बिक्री की रफ्तार कम हो गई।

FADA ने कहा है कि आने वाले समय में ग्रामीण आय में सुधार और विकास कार्यों में तेजी से वाहन बाजार में बेहतर वृद्धि देखने को मिल सकती है।

कुल मिलाकर, छत्तीसगढ़ में वाहन बाजार अब तेज वृद्धि के दौर से निकलकर स्थिर लेकिन धीमी बढ़त के चरण में पहुंच गया है।

Chhattisgarh Vehicle Retail Data for FY'26

CHHATTISGARH			
CATEGORY	FY'26	FY'25	YoY %
2W	5,67,853	5,51,110	3.04%
3W	16,503	14,915	10.65%
CV	28,986	28,897	0.31%
CE	2,687	3,646	-26.30%
PV	81,089	75,845	6.91%
TRAC	47,124	45,166	4.34%
Total	**7,44,242**	**7,19,579**	3.43%

Source: FADA Research

All India Vehicle Retail Data for FY'26

CATEGORY	FY'26	FY'25	YoY %
2W	2,14,20,386	1,88,89,595	13.40%
3W	13,63,412	12,20,834	11.68%
CV	10,60,906	9,49,406	11.74%
CE	71,227	80,668	-11.70%
PV	47,05,056	41,63,927	13.00%
TRAC	10,50,077	8,82,825	18.95%
Total	**2,96,71,064**	**2,61,87,255**	13.30%

Chhattisgarh Vehicle Retail Data for Mar'26

CHHATTISGARH			
CATEGORY	Mar'26	Mar'25	YoY %
2W	49,749	46,976	5.90%
3W	1,428	1,173	21.74%
CV	2,583	2,283	13.14%
CE	135	254	-46.85%
PV	4,498	4,364	3.07%
TRAC	3,302	3,750	-11.95%
Total	**61,695**	**58,800**	4.92%

Source: FADA Research

All India Vehicle Retail Data for Mar'26

CATEGORY	Mar'26	Mar'25	YoY %
2W	19,51,006	15,16,150	28.68%
3W	1,09,777	99,325	10.52%
CV	1,02,536	89,067	15.12%
CE	6,906	8,238	-16.17%
PV	4,40,144	3,62,304	21.48%
TRAC	82,080	74,032	10.87%
Total	**26,92,449**	**21,49,116**	25.28%

Source: FADA Research

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./29978/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 06/04/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 29978
वार्ड का नाम -1 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR801Q00217 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती Prafulla Kumar Gupta पिता/पति श्री/श्रीमती L.D. Gupta के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती NARENDRA KUMAR TIWARI पिता/पति श्री/श्रीमती RAMYASH TIWARI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)
// ईश्तहार //

क्रमांक/..../अ-6/वर्ष 2025-26,
रायपुर, दिनांक 07/04/2026
ग्राम चिरहुलडीह प.ह.नं. 52
तहसील रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कमलेश कुमार अग्रवाल पिता स्व. श्री हरीराम जी द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि, ग्राम चिरहुलडीह प.ह.नं.52 रा.नि.मं. रायपुर-1 तहसील व जिला रायपुर में सिथत भू-खण्ड क्रमांक 138 खसरा नंबर 682/3 का भाग कुल क्षेत्रफल 1400 वर्गफुट अर्थात् 130.11 वर्गमीटर को अनावेदक/विक्रेता श्रीमती सपना जैन पति श्री रिखब जैन से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 02/02/2005 को आवेदक/क्रेता कमलेश अग्रवाल पिता श्री हिरराम अग्रवाल के पक्ष में निष्पादित करने के आधार पर आवेदक द्वारा उक्त आवेदित भूमि में अपना नाम बतौर भूमि स्वामी नाम दर्ज करने हेतु इस न्यायालय में आवेदन सह-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 17/04/2026 तक स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं परषोत्तम पिता तीरथ दास निवासी बी ब्लाक, फ्लैट नं. 804, अवंति गार्डन, दलदल सिवनी, मोवा रायपुर (छ.ग.) यह शपथ करता हूं कि मैने अपना पुराना नाम को त्याग कर नया नाम परषोत्तम किंगरानी पिता तीरथ दास रख लिया हूं। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम परषोत्तम किंगरानी पिता तीरथ दास से ही जाना पहचाना जावे।

परषोत्तम किंगरानी
बी ब्लाक, फ्लैट नं. 804,
अवंति गार्डन, दलदल सिवनी,
मोवा रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय रा.नि.नं.-आरंग तहसील-आरंग जिला- रायपुर (छ.ग.)
// आम सूचना //
जारी दिनांक 01.04.2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री विकास महानंद पिता चंद्रकुमार महानंद निवासी रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम आरंग प.ह.नं. 29 राजस्व निरीक्षक मण्डल- आरंग आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 3786/1/झ/1/3786/1/झ/2) 4, 3786/1/झ/1/3786/1/झ/2) 1, 3786/1/झ/1/3786/1/झ/2) 2 रकबा क्रमशः 0.404, 0.167,0.405 भूमि का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार आरंग आदेश दिनांक 25/02/2025 के परिपालन में दिनांक 09/04/2026 को समय अपरान्ह 12.30 बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त सीमांकन से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथी में हल्का पटवारी हल्का नंबर 29 के आरंग स्थित पटवारी कार्यालय के में अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके उपरान्त किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

मुहर

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं.- आरंग

न्यायालय तहसीलदार रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)
// ईश्तहार //

क्रमांक/..../अ-6/वर्ष 2025-26,
रायपुर, दिनांक 07/04/2026
ग्राम पंडरीतराई प.ह.नं. 109/47
तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिकागण 01. श्रीमती सोफिया बेगम पति स्व. अब्दुल मजिद 02. अब्दुल रज्जाक 03. अब्दुल सज्जाद खान 04. अब्दुल अब्बास खान तीनों पिता स्व. अब्दुल मजिद सभी पता तरूण नगर, शंकर नगर, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में धारा-110 छ. ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत् नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राम पंडरीतराई, प.ह.नं. 109/47, रा.नि.मं. रायपुर- तहसील व जिला रायपुर स्थित परिवर्तित भूमि शीट नंबर 35, भूखंड क्रमांक 38, रकबा 345. वर्गफुट भूमि अब्दुल मजीद पिता अब्दुल सुभान के नाम पर दर्ज है। आवेदकगण के पति / पिता अब्दुल मजीद पिता अब्दुल सुभान की मृत्यू दिनांक 30/09/2005 को हो चुकी है। मृतक भूमिस्वामी के विधिक वारिसान आवेदकगण है, अन्य कोई वारिसान नही है। अतः आवेदक द्वारा उक्त भूमि पर फौती नामांतरण के आधार पर नाम दर्ज किये जाने का निवेदन किया है। उक्त प्रकरण की सुनवाई दिनांक 21/04/2026 को होगी।

अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 21/04/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)
// ईश्तहार //

रा.प्र. क्रमांक / 202603114500020/
अ-6/2025-2026
रायपुर, दिनांक 24/03/2026
ग्राम- गुढ़ियारी, प.ह.नं.- 49,
तहसील व जिला रायपुर

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदिका श्रीमती शकुन उर्फ शंकुतला साहू पति स्व.श्री रोहित साहू निवासी गांधी नगर, मुर्रा भट्टी, गुढियारी, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर, (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत कर आवेदन पत्र में आवेदिका की माता श्रीमती इंद्रा बाई साहू पति श्री दिनेश साहू एवं श्रीमती शंकुतला साहू पति श्री रोहित साहू के स्वामित्व एवं आधिपत्य में ग्राम गुढियारी प.ह.नं. 49, रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर स्थित कृषि भूमि खसरा क्रमांक 335/, 365/6 शामिल नं. का भाग रकबा 405 वर्गफुट भूमि धारित की जाती है। आवेदिका की माता श्रीमती इंद्रा बाई साहू पति श्री दिनेश साहू की मृत्यु दिनांक 15.06. 2023, हो चुकी है मृतक भूमिस्वामी की मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति संलग्न है जिनके विधिक वारिसान में आवेदिका श्रीमती शकुन उर्फ शंकुतला साहू पति स्व.श्री रोहित साहू ही है इनके अलावा अन्य कोई वारिसान नहीं है अतः मृतक भूमिस्वामी का नाम राजस्व अभिलेखों से विलोपित कर आवेदिका वारिसान का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज किये जाने हेतु आवेदक का निवेदन है। उक्त प्रकरण की सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 16/04/2026 को होगी। अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से मय दस्तावेज अपनी लिखित दावा/आपत्ति दिनांक 16/04/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ....अ/6 वर्ष 2025-26
आरंग, दिनांक 06.04.2026
ग्राम गुदगुदा प.ह.नं. 25

एतद द्वारा सर्वसाधारण एवं ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारिका प्रसाद रात्रे पिता गोपीचंद रात्रे निवासी ग्राम गुदगुदा, तहसील आरंग, जिला रायपुर छ.ग. द्वारा ग्राम गुदगुदा प.ह.नं. 25 रा.नि.मं. आरंग स्थित भूमि खसरा नं. 243/4 का भाग रकबा 0. 210हे. भूमि खातेदार (दानदाता) गोपीचंद पिता मोहन के नाम पर राजस्व अभिलेख मे दर्ज है। दानकर्ता (दानदाता) गोपीचंद पिता मोहन द्वारा पंजीकृत बैनामा दिनांक 17/03/2026 Book No. 1 Volume No. 4847 Pages 18 To 34 With Document No.CG-2025-26-104-1-5357 को आवेदक (दानग्रहिता) द्वारिका प्रसाद रात्रे पिता गोपीचंद रात्रे के नाम पर पारिवारिक व्यवस्था के अनुसार दानपत्र निष्पादित किया गया है। दानपत्र के आधार पर आवेदक का नाम आवेदित भूमि पर दर्ज करने हेतु प्रकरण भूईया से दर्ज होकर इस न्यायालय में प्रकरण प्रारंभ किया गया।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा/आपत्ति हो तो स्वयं उपस्थित होकर या अपने अभिभाषक के माध्यम से न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 16.04.2026 तक प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 06.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
आरंग (छ.ग.)

उत्कर्ष योजना के तहत संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित, 23 अप्रैल अंतिम तिथि

सूरजपुर। अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के प्रतिभावान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्कर्ष योजना के तहत उत्कृष्ट आवासीय शिक्षण संस्थानों के इम्पैनलमेंट के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) सूरजपुर द्वारा वर्ष 2026–27 के लिए ुरुचि की अभिव्यक्तिु आमंत्रित की गई है। इस योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के मेधावी विद्यार्थियों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों में नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी। योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी बनाना, बेहतर कैरियर के अवसर उपलब्ध कराना तथा उनके समग्र व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना है।

दादाबाड़ी धाम में 9 अप्रैल को गूँजेगा विश्व नवकार महामंत्र

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के तत्वावधान में 9 अप्रैल 2026 को विश्व के 120 देशों में एक साथ ुविश्व नवकार महामंत्र दिवसु का ऐतिहासिक आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में JITO रायपुर चैप्टर द्वारा रायपुर के एम.जी. रोड स्थित दादाबाड़ी धाम में प्रात: 7:02 बजे से 9:36 बजे तक सामूहिक नवकार महामंत्र जाप का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

JITO रायपुर चैप्टर के चेयरमैन श्री तिलोकचंद बरड़िया ने रायपुरवासियों से अपील करते हुए कहा कि यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि विश्व शांति, अहिंसा, सद्भाव और आत्मिक उन्नति का महायज्ञ है। उन्होंने सभी नागरिकों, विशेषकर जैन समाज के श्रावक–श्राविकाओं, युवक–युवतियों तथा अन्य सभी घटकों से आग्रह किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में दादाबाड़ी धाम पहुँचकर इस पवित्र सामूहिक जाप में भाग लें।

श्री बरड़िया ने कहा, ुनवकार महामंत्र में वह दिव्य शक्ति है जो व्यक्ति, समाज और सम्पूर्ण विश्व में सकारात्मक ऊर्जा का

संचार करती है। 9 अप्रैल को हम सब मिलकर इस दिव्य ध्वनि से पूरे वातावरण को पवित्र करेंगे और मानवता को अहिंसा व शांति का संदेश देंगे।

इस अवसर पर जैन समाज के 14 प्रमुख घटक–श्रमण–श्रमणी, श्रावक–श्राविका, युवक–युवती, महिला मंडल, सामाजिक संस्थाएं, धार्मिक संस्थाएं, शैक्षणिक संस्थाएं, ट्रस्ट, व्यापारी वर्ग, प्रोफेशनल्स एवं सेवा संगठन–एकजुट होकर इस महामंत्र जाप में सहभागी होंगे।

विशेष उल्लेखनीय है कि इस वैश्विक आयोजन में भारत के माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी नई दिल्ली के विज्ञान भवन में प्रात: 8:01 बजे से 9:36 बजे तक आयोजित मुख्य कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे, जिससे इस आयोजन का महत्व और भी बढ़ गया है।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष (9 अप्रैल 2025) को JITO द्वारा आयोजित विश्व नवकार महामंत्र दिवस में 108 देशों के 6,000 से अधिक स्थानों पर लगभग 1 करोड़ 88 लाख लोगों ने एक साथ नवकार मंत्र का जाप किया था। इस वर्ष इसे और भी भव्य एवं व्यापक बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

JITO रायपुर चैप्टर के सभी पदाधिकारियों ने रायपुर के समस्त संघों, ट्रस्टों, सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे 9 अप्रैल 2026, प्रात: 7:00 बजे दादाबाड़ी धाम, एम.जी. रोड, रायपुर पहुँचकर इस ऐतिहासिक और पुनीत आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

उचित मूल्य दुकानों में चावल उत्सव, पारदर्शिता पर जोर

सूरजपुर। जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से सभी शासकीय उचित मूल्य दुकानों में 'चावल उत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से हितग्राहियों तक समय पर और निर्धारित मात्रा में राशन पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप आयोजित इस कार्यक्रम में जिला प्रशासन सक्रिय भूमिका निभा रहा है। कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशन में राशन वितरण व्यवस्था की सतत निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता की गुंजाइश न रहे। उत्सव के दौरान सभी पात्र हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है।

बिलासपुर में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर सिम्स में सीएमई आयोजित

बिलासपुर। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आज मंगलवार को सिम्स के पी.एस.एम. (कम्युनिटी मेडिसिन) विभाग द्वारा ुटुगैदर फॉर हेल्थ, स्टैंड विद साइंसु विषय पर एक प्रभावी सीएमई (कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, प्रमाण आधारित चिकित्सा तथा जनजागरूकता के महत्व पर विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. रमणेश मूर्ति, विशिष्ट अतिथि डॉ. लखन सिंह, विभागाध्यक्ष कम्युनिटी मेडिसिन डॉ. हेमलता ठाकुर, निश्चेतना विभागाध्यक्षडॉ. मधुमिता मूर्ति एवं अन्य वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

डब्ल्यूएचओ की इस वर्ष की थीम "Together for HealthÑ Stand with Science" पर स्नातकोत्तर छात्र डॉ. जी. मनीष राव तथा स्नातक छात्राएं आकृति गुप्ता एवं हेमा नायक ने सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने बताया कि आधुनिक चिकित्सा में विज्ञान आधारित निर्णय, अनुसंधान और जनभागीदारी स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाते हैं। कार्यक्रम के दौरान डब्ल्यूएचओ क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को डॉ. रमणेश मूर्ति द्वारा पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने कहा कि ुबेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए वैज्ञानिक सोच, शोध और प्रमाण आधारित उपचार पद्धति को अपनाना समय की आवश्यकता है।

प्राकृतिक खेती से बढ़ी आय, वैजनाथ बने मिसाल

बलरामपुर, प्रतिदिन राजधानी

जिले में प्राकृतिक खेती किसानों के लिए लाभकारी विकल्प बनकर उभर रही है। कृषि विज्ञान केंद्र के मार्गदर्शन से किसान न केवल लागत घटा रहे हैं, बल्कि टिकाऊ कृषि की दिशा में भी कदम बढ़ा रहे हैं। इसी कड़ी में ग्राम रामनगर के प्रगतिशील किसान वैजनाथ ठाकुर ने प्राकृतिक खेती अपनाकर आय बढ़ाने के साथ क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा पेश की है। पारंपरिक खेती में सीमित उत्पादन और बढ़ती लागत से जूझ रहे वैजनाथ ठाकुर ने कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में प्राकृतिक खेती की तकनीकों को अपनाया। उन्नत बीज, कतार बुवाई और बीजामृत से बीज उपचार जैसे उपायों से फसल की गुणवत्ता में सुधार हुआ और रोगों पर नियंत्रण मिला। जीवामृत एवं घनजीवामृत के उपयोग से मिट्टी की

उर्वरता बढ़ी, जबकि नीमास्त्र और अग्निअस्त्र जैसे जैविक उपायों से कीट प्रबंधन प्रभावी हुआ।

ठाकुर बताते हैं कि पहले सरसों की खेती में जहां उत्पादन 8.2 क्विंटल प्रति हेक्टेयर मिलता था, वहीं प्राकृतिक पद्धति में यह लगभग 7 क्विंटल रहा, लेकिन रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर खर्च कम होने से शुद्ध लाभ अधिक मिला। प्राकृतिक खेती से मिट्टी की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है, जिससे भविष्य में उत्पादन क्षमता बढ़ने की उम्मीद है।

उन्होंने प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण ओडिशा से प्राप्त कर अपने अनुभव अन्य किसानों के साथ साझा किए। उनके प्रयासों से क्षेत्र के कई किसान अब इस पद्धति को अपनाने लगे हैं। भविष्य में वे मूंग, टमाटर और धान की खेती भी प्राकृतिक तरीके से करने की योजना बना रहे हैं।

छत्तीसगढ़ शासन, वन विभाग मोहला वनमंडल मोहला

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि, मोहला वनमंडल मोहला के अंतर्गत काष्ठागार डिपो मानपुर में उपलब्ध ईमारती/जलाऊ/व्यापारिक बांस/औद्योगिक बांस का निम्नानुसार e-Auction किया जाना प्रस्तावित है। इच्छुक क्रेताओं से अनुरोध है कि, वे e-Auction में भाग लेवें । e-Auction की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस एवं समय पर संबंधित वनमंडल / काष्ठागार मानपुर से प्राप्त की जा सकती है।

e-Auction Date-15-04-2026 Time -9.00 AM से 7.00 AM

काष्ठागार का नाम – मानपुर

क्र.	प्रजाति	नये वनोपज (घन मीटर)			पुराने वनोपज (घन मीटर)			योग (घन मीटर)		
		ईमारती	बल्ली	डेंगरी	ईमारती	बल्ली	डेंगरी	ईमा.घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
01	सागौन	287.228	8.468	0	588.275	19.506	0	875.503	27.974	0
02	बीजा	73.289	0	0	245.973	6.536	0	319.262	6.536	0
03	साजा	79.140	0	0	119.979	0	0	199.119	0	0
04	धावड़ा	18.663	0	0	13.645	0	0	32.308	0	0
05	हल्दू मुण्डी	0.645	0	0	24.064	0	0	24.709	0	0
07	घाठा	2.847	0	0	2.660	0	0	5.507	0	0
08	कसही	0	2.822	0	3.003	0	0	3.003	2.822	0
09	करो	11.161	0	0	5.126	0	0	16.287	0	0
10	सेन्हा	13.910	0	0	0	0	0	13.910	0	0
11	सलिहा-मोदे	2.037	0	0	0	0	0	2.037	0	0
12	नीलगिरी	0	0	0	6.751	0	0	6.751	0	0
13	अन्य	0	26.000	0	25.032	0	0	25.032	26.000	0
	योग :-	488.920	37.290	0	1034.50	26.042	0	1523.428	63.332	0
		नग	नो. टन		नग/बंडल	नो. टन			नग	नो. टन
01	व्यापारिक बांस	40080	96.585		5000	11.457		-	45080	108.042
02	औद्यो. बांस	12000	159.496		880	11.333		-	12880	170.829
		नग	-		नग	-		नग	-	
01	जलाऊ च. सं.	600	-		22	-		622	-	
	डिपो – उपभोक्ता डिपो चौकी				घन मीटर			घन मीटर		
01	सागौन	0	0	0	2.598	0	0	2.598	0	0
	योग :-	0	0	0	2.598	0	0	2.598	0	0

1. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कामर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है ।

2. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एन.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।

3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कामर्स पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉगइन करके देख सकते हैं।

4. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात् प्रथम क्रेता को 40 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

वनमंडलाधिकारी
मोहला वनमंडल मोहला

G-262700073/6

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./29979/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 06/04/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 29979
वार्ड का नाम -1 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR801L01334 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SARASWATI DEVI पिता/पति श्री/श्रीमती SANJAY KUMAR SINGH के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती JAHANA ANSARI पिता/पति श्री/श्रीमती MOHAMMAD MEHBUB ANSARI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./29977/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 06/04/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 29977
वार्ड का नाम -1 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR801P00145 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती AMIT DUBEY पिता/पति श्री/श्रीमती SUNIL DUBEY के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती DHATRI TIWARI पिता/पति श्री/श्रीमती NARENDRA KUMAR TIWARI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./29959/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 06/04/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 29959
वार्ड का नाम -1 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR801O00404 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती M/S RAJA VATIKA DUWARA SARDAR SHREE AMOLAK SINGH, INDRAPAL SINGH , GURJEET SINGH S/O HARVANSH SINGH , BHUPENDRA SINGH S/O SURJEET SINGH BHATIYA SUBHAM ADHLKHA पिता/पति श्री/श्रीमती .. के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती RESHAM SINGH KANG पिता/पति श्री/श्रीमती KULWANT SINGH KANG ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./29976/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 06/04/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 29976
वार्ड का नाम -1 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR801O00406 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती M/S RAJA VATIKA DUWARA SARDAR SHREE AMOLAK SINGH, INDRAPAL SINGH , GURJEET SINGH S/O HARVANSH SINGH , BHUPENDRA SINGH S/O SURJEET SINGH BHATIYA SUBHAM ADHLKHA पिता/पति श्री/श्रीमती .. के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती NAVDEEP KAUR पिता/पति श्री/श्रीमती NIRVAIR SINGH ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./29957/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 02/04/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 29957
वार्ड का नाम -1 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR801O00107 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SUDHIR SINGH पिता/पति श्री/श्रीमती LT. RAM SINGH के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती RESHAM SINGH KANG पिता/पति श्री/श्रीमती KULWANT SINGH KANG ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./30066/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 07/04/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 30066
वार्ड का नाम -1 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR801L00925 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SUSHILA DEVI पिता/पति श्री/श्रीमती BANDHU SINGH के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती SUNITA BHARTI पिता/पति श्री/श्रीमती KAWALJEET SINGH ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 8 अप्रैल 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

सुधा सोसाइटी फाउंडेशन, द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस शिविर आयोजित

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

होप क्लिनिक सैफायर ग्रीन रायपुर के सहयोग से, एम्पेरिया सैफायर ग्रीन में विश्व स्वास्थ्य दिवस शिविर आयोजित किया। डॉ सुप्रिया सिंह और टीम ने 25 से अधिक निवासियों और सहायकों की जांच की, BP, शुगर अन्य बीमारियों का आदि के बारे में जागरूकता फैलाई और प्रिस्क्रिप्शन दी। ष्टद्धड्डद्बह्लद्धड्डुठ्ठ श्री जी के भटनागर ने टीम को धन्यवाद दिया और गमले भेंट किए। स्वास्थ्य और शिक्षा फाउंडेशन के प्राथमिक क्षेत्र हैं; भीमसेरिया अस्पताल में नि:शुल्क होमियोपैथी क्लिनिक और अमासेओनी गांव में गरीब बच्चों के लिए खुला विद्यालय चलाया जाता है।

नई पाईपलाईन डालकर उक्त समस्या का निराकरण किया जा रहा है

नगर पालिक निगम रायपुर जोन 4 जोन कमिश्नर डॉ दिव्या चंद्रवंशी ने जानकारी दी है कि रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 4 अंतर्गत पानी की लगातार 2 वर्षों की समस्या को देखते हुये ब्राम्हणपारा वार्ड क्रमांक 43 क्षेत्रांतर्गत पाईपलाईन को जोन कमांक सारथी चौक तक मेन रोड की खुदाई कर नई पाईप लाईन डालकर उक्त समस्या का निराकरण किया जा रहा है।

500वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित

छात्रा संसद में बेटियों ने निभाई सशक्त भूमिका, रानी अब्बक्का के शौर्य से प्रेरणा लेने का आह्वान -मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

पुराना विधानसभा भवन, सड्डू में आयोजित छात्रा संसद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं छत्तीसगढ़ शासन की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े ने छात्राओं के उत्साह और नेतृत्व क्षमता की सराहना करते हुए उन्हें रानी अब्बक्का के शौर्य से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, छत्तीसगढ़ द्वारा रानी

अब्बक्का की 500वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में प्रदेशभर से आई 227 छात्राओं ने भाग लेकर महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती रजवाड़े ने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का परिचय दे रही हैं। वे परिवार, समाज, उद्योग और देश के नेतृत्व में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज की बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं और ऐसे मंच उनके आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता को और सशक्त बनाते हैं।

उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन एवं सुरक्षा जैसे विषयों पर सजग रहते हुए अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनें और समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ें।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों द्वारा छात्राओं को मार्गदर्शन प्रदान किया गया, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं स्वावलंबन जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

छात्रा संसद जैसे आयोजन छात्राओं को नेतृत्व कौशल विकसित करने, विचार अभिव्यक्ति और सामाजिक सहभागिता का मंच प्रदान करते हैं, जिससे वे भविष्य में राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सकें।

बमलेश्वर सोनवानी अगले दौर में

प्रेस क्लब खेल मड़ई-2: स्व. योगेश यदु स्मृति शतरंज प्रतियोगिता में रोमांचक मुकाबला जारी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रेस क्लब खेल मड़ई-2 के तहत आयोजित स्व. योगेश यदु स्मृति शतरंज प्रतियोगिता के नॉकआउट दौर में खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबला जारी है। मंगलवार को खेले गए मैच में बमलेश्वर सोनवानी ने जीत हसिल कर अगले दौर में प्रवेश किया।

पहले मैच में कौशल तिवारी और बमलेश्वर सोनवानी ने मुकाबले की शुरुआत संयमित अंदाज में की। शुरुआती चालों में दोनों खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी रणनीति के तहत मोहरों को सधे हुए ढंग से आगे बढ़ाया। खेल के बीच में कौशल तिवारी ने आक्रामक रुख अपनाने की कोशिश की, लेकिन बमलेश्वर सोनवानी ने धैर्य और सूझबूझ का परिचय देते हुए उनकी चालों का प्रभावी जवाब दिया। निर्णायक क्षण तब आया जब बमलेश्वर सोनवानी ने एक सटीक संयोजन के माध्यम से बढ़त बना ली। आखिरकार एंडगेम में उन्होंने अपने अनुभव का पूरा लाभ उठाते हुए कौशल तिवारी को मात देकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही बमलेश्वर सोनवानी ने अगले दौर में जगह बना ली। वहीं आज के अन्य मैचों में प्रकाश शर्मा (सीनियर), विनय घाटगे, गुड्डू बैरागी, प्रदीप चंद्रवंशी व शिवम दुबे को वॉकओवर दिया गया।

उत्कर्ष योजना के तहत आवासीय विद्यालयों के इम्पैनलमेंट हेतु 'रूचि की अभिव्यक्ति' आमंत्रित

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

वर्ष 2026-27 के लिए मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित उत्कृष्ट आवासीय शिक्षण संस्थानों के इम्पैनलमेंट हेतु 'रूचि की अभिव्यक्ति' आमंत्रित की गई है।

इस योजना का उद्देश्य अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के ग्रामीण प्रतिभावान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना, उन्हें बेहतर करियर विकल्पों के लिए तैयार करना तथा उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करना है।

योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक उत्कृष्ट

वर्ष 2026-27 के लिए उत्कर्ष योजना में शामिल होने का

आवासीय विद्यालयों में नि:शुल्क शिक्षा की सुविधा प्रदान की जाती है। चयनित संस्थाओं को विभाग द्वारा निर्धारित शुल्क की प्रतिपूर्ति भी की जाएगी।

इच्छुक संस्थाओं को निर्धारित प्रारूप में अपने प्रस्ताव संबंधित जिले के सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कार्यालय में जमा करना होगा। रायपुर जिले के लिए प्रस्ताव सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, जिला रायपुर के कार्यालय में प्रस्तुत किए जा सकते हैं। प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि 23 अप्रैल 2026, अपरान्ह 5 बजे तक निर्धारित की गई है। योजना से संबंधित मापदंड एवं विस्तृत जानकारी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.tribal.gov.in पर उपलब्ध है।

नवनिर्मित विद्युत उपकेंद्र का मंत्री लखन लाल देवांगन ने किया लोकार्पण

1x5 एमवीए क्षमता वाले 33/11 केवी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम विभाग के मंत्री लखन लाल देवांगन ने आज कोरबा शहर के सुभाष चौक स्थित पुष्पलता उद्यान के समीप छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा निर्मित 1म5 एमवीए क्षमता वाले 33/11 केवी उपकेंद्र (सीडीईएफ कॉलोनी) का फीता काटकर लोकार्पण किया। लगभग 1.90 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस महत्वपूर्ण विद्युत अधोसंरचना परियोजना को उन्होंने क्षेत्र की जनता को समर्पित किया।

कोरबा शहर में निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति

सुनिश्चित करने के लिए मंत्री देवांगन द्वारा किए जा रहे लगातार प्रयासों को यह परियोजना और भी मजबूती प्रदान करती है। लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना योजना के अंतर्गत विभिन्न विद्युत परियोजनाओं को निरंतर स्वीकृति मिल रही है, जिसके कारण प्रदेश में बिजली व्यवस्था और मजबूत हो रही है। नवनिर्मित उपकेंद्र से कोसाबाड़ी, निहारिका, घंटाघर, बुधवारी, काशी नगर, सीएसईबी कॉलोनी, आरपी नगर, शिवाजी नगर सहित आसपास के क्षेत्रों के पांच हजार से अधिक उपभोक्ताओं को सीधे लाभ मिलेगा। अब तक निहारिका क्षेत्र के उपभोक्ताओं को अलग-अलग फीडरों से बिजली आपूर्ति की जाती थी, जिससे किसी एक फीडर में खराबी होने पर पूरे क्षेत्र की आपूर्ति बाधित हो जाती थी। उपकेंद्र के प्रारंभ होने के बाद वैकल्पिक लाइन से तत्काल और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

मंत्री देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में निरंतर विकास के कार्य किए जा रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रत्येक गारंटी को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस नए विद्युत उपकेंद्र के शुरू होने से गर्मी के मौसम में बढ़ते बिजली दबाव से क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी। यह उपकेंद्र लंबे समय से क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता थी।

नगर निगम

बच्चों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की दी गई जानकारी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जगन्नाथ राव दानी शासकीय कन्या विद्यालय में नए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के संबंध में रायपुर नगर निगम द्वारा जागरूकता अभियान की शुभ शुरुआत की गई।

इस अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन मुख्यालय से कार्यपालन अभियंता योगेश कडू एवं उप अभियंता कृष्णा राठी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गई कि नए नियमों के तहत कचरे का अनिवार्य रूप से 4 भागों में पृथक्करण (segregation) किया जाना आवश्यक होगा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 के दो-डिब्बा (सेग्रिगेशन) मॉडल पर अपनी उत्कृष्ट समझ का परिचय दिया। साथ ही, उन्हें नए नियम 2026 के अन्य प्रावधानों की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई।

इसके साथ ही, विकसित भारत के निर्माण में स्वच्छता की महत्वपूर्ण भूमिका पर सार्थक संवाद किया गया, जिससे विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना और अधिक सुदृढ़ हुई।

लगभग 25 ठेलों, गुमटियों को हटाकर जप्त किया गया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप और यातायात एसपी अजय कुमार के निर्देशानुसार एएसपी यातायात विवेक शुक्ला,नगर निगम अपर आयुक्त नगर निवेश पंकज के. शर्मा, नगर निवेशक आभाष मिश्रा, जोन 5 जोन कमिश्नर खीरसागर नायक, कार्यपालन अभियंता लाल महेंद्र प्रताप सिँह, कार्यपालन अभियंता नगर निवेश आशुतोष सिंह जोन 5 सहायक अभियंता नागेश रामटेके, उप अभियंता नगर निवेश। ।

वर्तमान में किसी भी क्षेत्र से पानी चोरी की कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है

विभागीय टैंकरों में नगर निगम का नाम और जोन का नाम उल्लेखित है-कार्यपालन अभियंता जल

रायपुर/दिल्ली (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर के कार्यपालन अभियंता जल ने बताया कि रायपुर नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्रांतर्गत 70 वार्डों में जोन में उपलब्ध विभागीय टैंकर एवं मुख्यालय जल विभाग के टैंकर के माध्यम से पानी सप्लाई अवरूद्ध होने पर अथवा समस्याग्रस्त क्षेत्रों में विभागीय टैंकरों के माध्यम से नि:शुल्क सार्वजनिक सप्लाई की जाती है। इसके अतिरिक्त कन्या विवाह, दशगात्र कार्यक्रम, धार्मिक आयोजन पार्षद एवं जनप्रतिनिधियों की अनुशंसा एवं मांग पर तथा विभिन्न शासकीय कार्यक्रम / राज्य शासन एवं नगर पालिक निगम द्वारा आयोजित समस्त कार्यक्रमों में विभागीय टैंकरों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जाता है, इसके अतिरिक्त पानी की मांग पर या कोई व्यक्तिगत पेयजल की आवश्यक मांग पर निर्धारित शुल्क के साथ पेयजल उपलब्ध कराया जाता है। पेयजल सेवा केवल पीने के लिए होता है, इसलिए पानी को किसी निर्माण कार्य एवं व्यवसायिक कार्य के लिए नहीं दिया जाता है। सभी जोनों में स्थापित हाइड्रेन जहां से टैंकर फिलिंग होता है, वहां पर रजिस्टर संधारण होता है, विभाग के टैंकर के अलावा अन्य शासकीय एवं प्राइवेट टैंकरों से निर्धारित शुल्क की रसीद दिखाने के उपरांत ही पेयजल उपलब्ध कराया जाता है।अवगत हो कि दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित टैंकर एवं ड्राइवर किसी भी जोन एवं मुख्यालय के ड्राइवर नहीं हैँ। विभागीय टैंकरों में नगर निगम का नाम एवं जोन का नाम उल्लेखित है। रायपुर शहर में अन्य प्राइवेट टैंकर हैँ, जो पेयजल कार्य के अलावा निर्माण इत्यादि कार्यों में अपने खुद के सोर्स से प्राइवेट टैंकर उपलब्ध कराते हैँ।

अवगत हो कि दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित टैंकर एवं ड्राइवर किसी भी जोन एवं मुख्यालय के ड्राइवर नहीं हैँ। विभागीय टैंकरों में नगर निगम का नाम एवं जोन का नाम उल्लेखित है। रायपुर शहर में अन्य प्राइवेट टैंकर हैँ, जो पेयजल कार्य के अलावा निर्माण इत्यादि कार्यों में अपने खुद के सोर्स से प्राइवेट टैंकर उपलब्ध कराते हैँ।

नगर निगम से संचालित सभी टैंकरों का निर्धारित फिलिंग पॉईंट स्थलों की जोन के इंजीनियरों एवं सुपरवाइजरों तथा मुख्यालय से भी जल विभाग द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा सभी वाहनों में पूर्व में जीपीएस सिस्टम लगाया गया था, जो लगभग खराब हो गये हैँ. पुनश्च: मुख्यालय से जीपीएस लगाये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। वर्तमान में किसी भी क्षेत्र से पानी चोरी की शिकायत प्राप्त नहीं हुई है.

ऐतिहासिक गवर्नमेंट स्कूल सप्रे शाला का मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के अंतर्गत शीघ्र जीर्णोद्धार करने की तैयारी

निगम आयुक्त विश्वदीप के नगर निगम अधिकारियों को योजना में बजट स्वीकृति अनुसार शीघ्र डीपीआर बनाकर देने दिए निर्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना अंतर्गत लगभग 10 करोड़ रू. की बजट स्वीकृति अनुसार शीघ्र राजधानी शहर रायपुर में ऐतिहासिक गवर्नमेंट स्कूल, जे.आर. पाण्डेय शासकीय बहुउ?द्देशीय उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और सप्रे शाला माधव राव सप्रे शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक शाला का शीघ्र जीर्णोद्धार कर उसे संवारने का कार्य नगर पालिक निगम रायपुर के माध्यम से करवाने की तैयारी की जा रही है।

आज रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने ऐतिहासिक गवर्नमेंट स्कूल, सप्रे शाला सहित बूढ़ापारा की पुरानी शासकीय कन्या प्राथमिक शाला के पुराने भवन का निरीक्षण अधिकारियों सहित किया। रायपुर दक्षिण विधायक ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना में गवर्नमेंट स्कूल और सप्रे शाला के लिए 10 करोड का बजट स्वीकृति आने के बाद शीघ्र डीपीआर

तैयार करने के संबंध में आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होने कहा कि शहर की प्राचीन स्कूलों को हैरिटेज के रूप में विकसित किये जाने कार्य योजना बनाने कदापि विलंब नहीं किया जाना चाहिए। यह कार्य प्राथमिकता से स्कूलों का संरक्षण कर विकास करते हुए किया जाना चाहिए जिससे उक्त स्कूले शहर सहित राज्य के विद्यार्थियों एवं नागरिको के लिए प्रेरणा का केन्द्र बिन्दु बन सके। गवर्नमेंट स्कूल और सप्रे शाला में अनेक यशस्वी विद्यार्थियों ने विद्या अर्जित की जिन्होने अपने जीवन में रायपुर शहर और छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश का नाम अपने यशपूर्ण कार्यों से गौरव दिलवाने का किया। रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी सहित नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने ऐतिहासिक गवर्नमेंट स्कूल सप्रे शाला एवं 1886 वर्ष के दौरान स्थापित बूढ़ापारा की प्राथमिक कन्या शाला के पुराने भवन का सुक्ष्मता से प्रत्यक्ष अवलोकन नगर निगम जोन 4 जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा, कार्यपालन अभियंता पदमाकर श्रीवास, सहायक अभियंता शैलेन्द्र पटेल, उपअभियंता सुअर्जिता दीवान की उपस्थिति में किया एवं अधिकारियों को डीपीआर शीघ्र ऐतिहासिक गवर्नमेंट स्कूल और सप्रे शाला की गरिमा और प्रतिष्ठा के अनुरूप तैयार करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। इस दौरान गवर्नमेंट स्कूल विकास समिति के खेमराज वैद्य, प्राचार्य श्रीमती सुचिता पाण्डेय, व्याख्याता राघवेन्द्र मिश्रा, व्यायाम शिक्षक पिताम्बर पटेल, सप्रे शाला की प्राचार्य श्रीमती मनोरमा श्रीवास्तव एवं अन्य गवर्नमेंट स्कूल और सप्रे शाला के शिक्षक शिक्षिकाओ की उपस्थिति रही।

वर्तमान में बूढापारा की शासकीय प्राथमिक कन्या शाला पूर्व में ही जर्जर भवन के कारण सप्रे शाला भवन में स्थानांतरित हो चुकी है एवं वहां एक भवन में कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों की बैठक आदि गतिविधियां होती है। उक्त भवन को उसकी ऐतिहासिकता के अनुरूप संरक्षण करने योजना तैयार कर जीर्णोद्धार करने के निर्देश रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने नगर निगम के संबंधित अधिकारियों को दिये है।

अवैध प्लॉटिंग पर अवैध मुरूम रोड काटकर तत्काल लगायी कारगर रोक

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर पालिक निगम जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल के नेतृत्व एवं कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा, सहायक अभियंता अमन चंद्राकर, उपअभियंता लोचन चौहान एवं नगर निवेश विभाग टीम के अन्य सम्बंधित कर्मचारियों की उपस्थिति में

नगर निगम जोन 8 क्षेत्र अंतर्गत शहीद भगत सिंह वार्ड कमांक 21 क्षेत्र अंतर्गत टाटीबंध स्थित किड्सजी स्कूल के पास लगभग 25000 वर्गफीट भुखण्ड पर अवैध रुप से की जा रही प्लॉटिंग पर जोन 8 नगर निवेश विभाग की टीम ने जेसीबी मशीन की सहायता से स्थल पर किए गए मुरूम रोड को काटने की कार्रवाई कर और वहाँ का आवागमन अवरुद्ध करते हुए स्थल पर तत्काल कारगर रोक लगायी गयी तथा किए जा रहे अवैध निर्माण को तत्काल तोड़ने की कार्रवाई की गयी. इसके साथ ही वहाँ अवैध प्लॉटिंग का बोर्ड रायपुर नगर पालिक निगम जोन 8 नगर निवेश विभाग द्वारा लगाया गया है

एवं राज्य शासन के अधिनियम के प्रावधान अनुसार वहाँ अधिग्रहण की नियमानुकूल प्रकिया शीघ्र करने की तैयारी की जा रही है.

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 08 अप्रैल 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

सम्पादकीय

ट्रंप के बिगड़े बोल

अमेरिका के इतिहास में शायद ही कोई डोनाल्ड ट्रंप जैसा अधीर, अपरिपक्व बयानवीर और व्यापारी सोच का राष्ट्रपति हुआ हो। संयम व गरिमा शब्द उनके शब्दकोश में ही नहीं हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिका-इस्त्राइल युद्ध के चरम के बीच उन्होंने जिन अपशब्दों का प्रयोग ईरान के लिये किया, वो उनकी हताशा को ही दर्शाता है। उनके बयानों की पूरी दुनिया के साथ अमेरिका के भीतर भी कड़ी आलोचना हुई है। आज अमेरिका के नागरिक भी सोचते होंगे कि दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र में राष्ट्रपति को इतने निरंकुश अधिकार देना क्या प्रजातंत्र के हित में है? निश्चित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर, अपशब्दों और धार्मिक संदर्भों के साथ तेहरान को दी गई चेतावनी, ट्रंप के आवेगपूर्ण उकसावे के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं है। एक महाशक्ति के मुखिया द्वारा ऐसी सतही भाषा का प्रयोग न केवल अशोभनीय है बल्कि घातक परिणामों की ओर ले जाने वाला भी है। जाहिरा तौर उनकी धमकियां ईरान को बातचीत की मेज पर लाने के बजाय, उसे और आक्रामक तरीके से जवाबी कार्रवाई करने को उकसाएंगी। दरअसल,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यह जताने की असफल कोशिश कर रहे हैं कि मौजूदा युद्ध मध्ययुगीन धर्मयुद्ध का विस्तार है। जिसमें सदियों तक ईसाई और मुसलमान आपस में वर्चस्व के लिये युद्ध करते रहे हैं। उन्होंने राजनीति में धार्मिक भावनाओं का भरपूर इस्तेमाल करते हुए ईरान में मार गिराए गए अमेरिकी फाइटर जहाज के पायलट के बचाव को 'ईस्टर का चमत्कार' बताने से भी गुरेज नहीं किया। जाहिरा तौर पर पुनरुत्थान और आशा का प्रतीक माने जाने वाले ईसाई धर्मावलंबियों के एक पवित्र दिन का हवाला देना, सैन्य अभियान को नैतिक और दैवीय रंग देने का ही एक असफल प्रयास है। निश्चित तौर पर इस तरह की सतही बयानबाजी एक जटिल भू-राजनीतिक संघर्ष को धार्मिकता की एक सरल कहानी में बदलने का जोखिम पैदा करती है। जो ट्रंप की सैन्य अभियान की तार्किकता सिद्ध करने की विफलता को भी दर्शाती है। यही वजह है कि अमेरिकी सांसदों ने यह पता लगाने के लिये जांच की मांग की है कि क्या धार्मिक मान्यताओं का प्रयोग सैन्य कार्रवाई को सही ठहराने के लिये किया जा सकता है? निश्चित रूप से उन सांसदों की चेतावनी एक मूलभूत लोकतांत्रिक सिद्धांत पर आधारित है, वो है चर्च और राज्य का पृथक्करण का सिद्धांत। उनका तर्क है कि सैन्य निर्णय कानून,रणनीति और जवाबदेही द्वारा निर्देशित होने चाहिए, न कि ईश्वर या बाईबल की भविष्यवाणियों का हवाला देकर। निश्चित रूप से ट्रंप की इन आक्रामक ब्यानबाजियों और कारगुजारियों की कीमत आने वाले वर्षों में अमेरिकियों को चुकानी पड़ सकती है।

भारत की विकास गाथा के केंद्र में महिलाएं

विजया रहाटकर
(राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष)

भारत की विकास गाथा को अक्सर संख्याओं, विकास दरों, अवसंरचना विस्तार और आर्थिक उपलब्धियों के रूप में व्यक्त किया जाता है। लेकिन, पिछले दशक का सबसे बड़ा बदलाव आँकड़ों से परे है। यह एक गहरे सामाजिक बदलाव में परिलक्षित होता है महिलाओं का केवल भागीदार के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य को आकार देने वाले अग्रिम व्यक्तियों के रूप में उभरना। महिलाओं के नेतृत्व में विकास की ओर यह बदलाव न तो आकस्मिक है और न ही अलग-थलग है। यह एक सोच-समझकर किये गये सतत प्रयास का परिणाम है, जो जीवन के हर चरण में महिलाओं को समर्थन देने के लिए एक सक्षम इकोसिस्टम का निर्माण करता है। लड़की के जन्म से लेकर उद्यमी, पेशेवर, या सार्वजनिक प्रतिनिधि के रूप में उसकी यात्रा तक, यह दृष्टिकोण समग्र, सतत और परिवर्तनकारी रहा है। राजनीतिक भागीदारी में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन देखा गया है। निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों की संख्या 12,14,885 है, जिनकी कुल 24,41,781 निर्वाचित प्रतिनिधियों में हिस्सेदारी 49.75% है इस प्रकार, महिलाएँ जमीनी स्तर पर शासन में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। इस क्रम में, नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी उपलब्धि है, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण की व्यवस्था की गयी है। यह उच्च विधायी क्षेत्रों में महिलाओं की नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने में राष्ट्र की अडिग प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करता है। इस ऐतिहासिक सुधार की वास्तविक क्षमता केवल इसके प्रभावी कार्यान्वयन के माध्यम से ही हासिल की जा सकती है। अधिनियम की प्रावधानों को जल्द से जल्द लागू करने की आवश्यकता है, ताकि महिलाओं की आवाज़ को सिर्फ मान्यता ही न मिले, बल्कि देश की लोकतांत्रिक संरचना में इसे संस्थागत रूप से समाहित किया जा सके। इसके जल्द लागू होने से न केवल समावेशी शासन को गति मिलेगी, बल्कि यह बेहतर प्रतिनिधित्व और न्यायसंगत राजनीतिक परिदृश्य के लिए एक शक्तिशाली उत्प्रेरक के रूप में भी कार्य करेगा। दशकों तक, लैंगिक पक्षपात ने भारत के जनसांख्यिकीय और सामाजिक संकेतकों को प्रभावित किया। आज, वह कहानी धीरे-धीरे फिर से लिखी जा रही है। 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' जैसी पहलों ने गहरी जड़ें जमा चुकी मानसिकताओं को चुनौती देने और लड़की के मूल्य को सुदृढ़ करने का प्रयास किया है। इसका प्रभाव राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) में दिखाई देता है, जिसमें 1,000 पुरुषों पर 1,020 महिलाओं का लैंगिक अनुपात दर्ज किया गया है, जो सिर्फ संख्यात्मक सुधार ही नहीं बल्कि सामाजिक बदलाव का भी संकेत देता है। 'मिशन इंद्रधनुष' जैसे कार्यक्रम जीवन के प्रारंभिक चरण में पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करते हैं। 'मिशन सक्षम आंगनवाड़ी', 'पोषण 2.0', तथा 'पोषण अभियान' के प्रयास कुपोषण का समाधान करते हैं यह मानते हुए कि स्वस्थ बचपन, सशक्त वयस्कता की ओर पहला कदम होता है। माताओं के लिए, संस्थागत समर्थन में काफी विस्तार हुआ है। पीएमएमवीवाई के तहत, 4.28 करोड़ से अधिक महिलाओं को 20,149 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि वितरित की गयी है, जो गर्भावस्था के दौरान वित्तीय सहायता प्रदान करती है। महिलाएं केवल भाग ही नहीं ले रही हैं वे नेतृत्व भी कर रही हैं। भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में संस्थापक और निर्णयकर्ताओं के रूप में महिलाओं की भूमिका में लगातार वृद्धि हो रही है और वे नवाचार और उद्यम में भी योगदान दे रही हैं। इस परिवर्तन में वित्तीय समावेश ने अहम भूमिका निभाई है। पीएमएमवाई के तहत, 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 57.79 करोड़ ऋण प्रदान किए गए हैं, जिनमें लगभग 66% लाभार्थी महिलाएं हैं। प्रत्येक ऋण केवल वित्तीय सहायता का ही नहीं, बल्कि महिलाओं की आकांक्षाओं में विश्वास का भी प्रतीक है। इसके पूरक रूप में, जन धन योजना के तहत वित्तीय समावेश और गहरा हुआ है, जिसके अंतर्गत 57.93 करोड़ बैंक खाते खोले गए हैं, जिनमें से 32.29 करोड़ (55.7%) महिलाओं के हैं। जमीनी स्तर पर, परिवर्तन का पैमाना और भी अधिक प्रभावशाली है। लगभग 10 करोड़ महिलाओं को 90 लाख से अधिक स्वयं-सहायता समूहों में संगठित किया गया है, जिससे सामूहिक सहनशीलता, वित्तीय स्वतंत्रता और सामाजिक आत्मविश्वास को बढ़ावा मिला है। इस इकोसिस्टम ने 3 करोड़ से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी के रूप में उभरने में सक्षम बनाया है और स्वयं सहायता समूहों को 12.50 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बैंक ऋण प्राप्त हुआ है। इसके अलावा, 84 लाख ग्रामीण महिलाएं उद्यमी बन चुकी हैं, जबकि 5 करोड़ महिला किसानों ने उन्नत और सतत कृषि प्रथाओं में प्रशिक्षण प्राप्त किये हैं। स्वाभाविक रूप से अगला सवाल उठता है क्या सशक्तिकरण, आजीविका से समृद्धि की ओर बढ़ सकता है? लखपति दीदी जैसी पहलों का लक्ष्य आय सृजन को मजबूत करना है, जबकि ड्रोन दीदी पहल, जिसका लक्ष्य 15,000 महिलाओं को ड्रोन पायलट के रूप में प्रशिक्षित करना है, एक दूरदर्शी दृष्टिकोण को परिलक्षित करती है ग्रामीण महिलाओं को प्रौद्योगिकी-संचालित कृषि इकोसिस्टम में एकीकृत करना। सशक्तिकरण का मतलब रोजमर्रा के बोझ को आसान बनाना भी है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 10.56 करोड़ से अधिक धुँआ-रहित रसोई घरों ने स्वास्थ्य में सुधार किया है और कठिनाइयों को कम किया है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 11.8 करोड़ से अधिक शौचालयों के निर्माण ने गरिमा और सुरक्षा में वृद्धि की है। प्रधानमंत्री आवास योजना, जिसकी 73% लाभार्थी महिलाएं हैं, के तहत निर्मित घरों ने स्वामित्व और सुरक्षा को मजबूत किया है। साथ मिलकर ये सभी पहलें दैनिक जीवन में गरिमा की परिभाषा को नए सिरे से स्थापित करती हैं। इसके साथ ही, महिलाएं उन स्थानों में भी प्रवेश कर रही हैं, जिन्हें कभी उनकी पहुँच से बाहर माना जाता था। सशस्त्र बल इस बदलती हुई वास्तविकता को दर्शाते हैं, जहाँ महिलाएँ नेतृत्व और जिम्मेदारी की भूमिकाएँ निभा रही हैं, जिसमें युद्ध क्षेत्र भी शामिल हैं। सवाल अब यह नहीं है कि महिलाएँ सेवा कर सकती हैं या नहीं, बल्कि यह है कि वे कितनी दूर तक नेतृत्व कर सकती हैं। कार्यस्थल सुधारों ने भी इस बदलाव में योगदान दिया है। नयी श्रम संहिताएँ महिला कर्मचारियों को उचित सुरक्षा उपायों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में, जिसमें रात की शिफ्ट भी शामिल है, काम करने में सक्षम बनाकर समावेश को बढ़ावा देती हैं। ये संहिताएँ समान वेतन, सामाजिक सुरक्षा और सम्मान पर जोर देती हैं सुरक्षा से सशक्तिकरण की ओर बदलाव को रेखांकित करती हैं। संस्थागत समर्थन एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने शिकायत निवारण से आगे बढ़कर सक्रिय जुड़ाव और क्षमता निर्माण के क्षेत्र में भी अपना विस्तार किया है। 'शी सर्वस' जैसी पहल महिला अभ्यर्थियों का मार्गदर्शन करती हैं, जबकि 'यशोदा एआई' उन्हें उभरते तकनीकी कौशल प्रदान करती है। 'कैंपस कॉलिंग' युवाओं में जागरूकता बढ़ाता है, 'शी इज अ चेंज मेकर' कार्यक्रम जमीनी स्तर पर नेतृत्व क्षमता को मजबूत करता है और 'महिला जनसुनवाई' सुलभ शिकायत निवारण सुनिश्चित करता है। जो उभरकर सामने आता है, वह प्रयासों का एक शक्तिशाली समन्वय है, जो महिला-नेतृत्व वाले विकास के नए युग को आकार दे रहा है।

भारत में भी जिन्दगी पर भारी पड़ रहा है कैंसर

मनोज कुमार अग्रवाल।

भारत में कैंसर से जीवन गंवाने वाले लोगों की तादाद लगातार बढ़ रही है तमाम कोशिश नाकाम बन रही है वहीं बच्चों के लिए कैंसर की बीमारी बेहद घातक बन रही है। दुनिया भर में बच्चों में कैंसर एक गंभीर और बढ़ती हुई चिंता बनता जा रहा है, लेकिन सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि इसके ज्यादातर मामले और मौतें गरीब और मध्यम आय वाले देशों में हो रही हैं। द लैंसेट में पब्लिश ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज 2023 स्टडी ने इस असमानता को लेकर कई चौंकाने वाले आंकड़े सामने रखे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2023 में दुनिया भर में बच्चों में कैंसर के लगभग 3.77 लाख नए मामले सामने आए, जबकि करीब 1.44 लाख बच्चों की मौत हो गई, यह बीमारी बच्चों में मौत के प्रमुख कारणों में शामिल हो चुकी है और खसरा, टीबी और एचआईवी एड्स जैसी बीमारियों से भी ज्यादा जान ले रही है।

आपको बता दें कि दुनिया कितनी भी तरक्की कर ले, लेकिन स्वास्थ्य सुविधाओं का अंतर आज भी मासूमों की जान ले रहा है। चिकित्सा जगत की प्रतिष्ठित पत्रिका लैंसेट की एक ताजा रिपोर्ट ने वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था की कलई खोल दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, बचपन में होने वाले कैंसर (कर्क रोग) के 85 प्रतिशत नए मामले कम और मध्यम आय वाले देशों में

सामने आ रहे हैं, लेकिन डराने वाली बात यह है कि इन देशों में मौतों का आंकड़ा कुल वैश्विक मौतों का 94 प्रतिशत है। यानी संसाधनों के अभाव में गरीब देशों के बच्चे इलाज मिलने से पहले ही दम तोड़ रहे हैं। दक्षिण एशिया इस संकट का बड़ा केंद्र बना हुआ है, जहां दुनिया के कुल चाइल्डहुड कैंसर से होने वाली मौतों का लगभग 20.5 प्रतिशत हिस्सा दर्ज किया गया. इसके अलावा, 1990 से 2023 के बीच इन मौतों में करीब 16.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी भी देखी गई है। हालांकि एक पॉजिटिव पहलू यह भी है कि वैश्विक स्तर पर मौतों में कुछ कमी आई है, लेकिन इसका लाभ सभी देशों तक समान रूप से नहीं पहुंच पाया है। उच्च आय वाले देशों में इलाज बेहतर होने से बच्चों के बचने की संभावना ज्यादा है, जबकि गरीब देशों में समय पर जांच और इलाज की कमी बड़ी बाधा बन रही है. इस स्टडी की प्रमुख लेखक लिसा फोर्स कहती हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं की असमानता के कारण ही यह अंतर पैदा हो रहा है। देर से डायग्नोसिस, जरूरी इलाज की कमी और स्वास्थ्य प्रणाली की कमजोरियां बच्चों की जान जोखिम में डाल रही हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि चाइल्डहुड कैंसर के 85 प्रतिशत नए मामले और 94 प्रतिशत मौतें इन्हीं लो और मिडिल इनकम देशों में होती हैं. इसके अलावा डिसएबिलिटी एडजस्टेड लाइफ ईयर्स का भी 94 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं देशों में दर्ज किया गया, जो यह दिखाता है कि बीमारी का असर सिर्फ मौत तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों की जिंदगी की क्वालिटी पर भी पड़ता है।

हाल ही में आइ ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीजेज रिपोर्ट के आंकड़ों का विश्लेषण बताता है कि साल 2023 में दुनिया भर में बचपन में कैंसर के 3,77,000 नए मामले आए, जिनमें से 1,44,000 बच्चों की मौत हो गई। यह बीमारी आज वैश्विक स्तर पर बच्चों की जान लेने वाला आठवां सबसे बड़ा कारण बन चुकी है। आपको हैरत होगा कि मौतों के मामले में भारत दुनिया में पहले स्थान पर है। 2023 में बच्चों की मौतों का वैश्विक आंकड़े के मुताबिक सबसे ज्यादा भारत 17,000 मौतें चीन 16,000 मौतें नाइजीरिया में 9,000 मौतेंपाकिस्तान मे 9,000 मौतें हुई है। अध्ययन में एक हैरान करने वाला तथ्य सामने आया है। 1990 के मुकाबले वैश्विक स्तर पर बच्चों में कैंसर से होने वाली मौतों में 27 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।इस वैश्विक रिपोर्ट में एक सकारात्मक पहलू भी है। 1990 में बचपन के कैंसर से लगभग 1.97 लाख मौतें हुई थीं। तब से लेकर अब तक दुनिया भर में मौतों के इस आंकड़े में 27 प्रतिशत की कमी आई है, लेकिन एक बड़ी चिंता यह भी है कि जहां पूरी दुनिया में मौतों का ग्राफ नीचे गिरा है, वहीं अफ्रीका में इसमें 55.6 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। विश्लेषण कहता है कि यह सुधार समान नहीं है। जहां विकसित देशों में बेहतर तकनीक से बच्चों को बचाया जा रहा है, वहीं अफ्रीका में संसाधनों की भारी कमी के चलते कैंसर से होने वाली मौतों में 55.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। संसाधनों की कमी वाले इलाकों में बचपन का कैंसर अब बच्चों की मौत का आठवां सबसे बड़ा कारण बन चुका है। बच्चों में कैंसर से होने वाली मौतों के पीछे मुख्य रूप से तीन प्रकार के कैंसर जिम्मेदार पाए गए हैं। ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर) यह सबसे घातक साबित हुआ, जिससे दुनिया भर में 45,900 बच्चों की मौत हुई। दूसरा मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र इस कैंसर की वजह से 23,200 मासूमों ने जान गंवाई। तीसरा नॉन हॉजकिन लिंफोमा लसीका तंत्र के इस कैंसर से 15,200 मौतें दर्ज की गईं। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह रिपोर्ट केवल आंकड़े नहीं, बल्कि एक चेतावनी है।

अशोक खरात जैसे ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब लगेगी?

सौरभ वार्ष्णेय।

आखिरकार समाज में आस्था के नाम पर पनप रहे ऐसे अनगिनत ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब और कैसे लगेगी यह गहरा प्रश्नचिन्ह गहरा रहा है। ऐसे में समाज में जागरूकता, कानून का सख्त पालन और सामाजिक जिम्मेदारी साथ-साथ नहीं चलेंगे, तब तक ऐसे मामले सामने आते रहेंगे। हाल के समय में अशोक खरात (कैप्टन बाबा) को लेकर जो आरोप और विवाद सामने आए हैं, उन्होंने समाज में गहरी चिंता पैदा की है। खुद को धार्मिक या सामाजिक नेता बताने वाले ऐसे व्यक्तियों का आचरण जब नैतिकता और कानून के दायरे से बाहर जाता है, तो वह न केवल अपने अनुयायियों का भरोसा तोड़ता है बल्कि पूरे समाज को बदनाम करता है। कहा जाता है कि बाबा के नाम पर लोगों की आस्था का फायदा उठाकर कई तरह की अनियमितताएँ और शोषण किए जाते हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह न केवल व्यक्तिगत अपराध है बल्कि समाज की संवेदनाओं के साथ धोखा भी है। आस्था का स्थान हमेशा पवित्र माना गया है, और जब उसी का दुरुपयोग होता

है, तो उसका असर व्यापक होता है।ऐसे मामलों में सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून और प्रशासन की होती है कि वे निष्पक्ष जांच करें और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करें। साथ ही समाज को भी जागरूक रहने की जरूरत है, ताकि अंधभक्ति और बिना जांच-पड़ताल के किसी के पीछे चलने से बचा जा सके। यदि कोई व्यक्ति समाज सेवा या धर्म के नाम पर गलत कार्य करता है, तो वह सच में समाज के नाम पर कलंक ही कहलाएगा। ऐसे मामलों में सख्ती, पारदर्शिता और जागरूकता ही सबसे बड़ा समाधान है। समाज में जब भी कोई स्वयंभू संत, बाबा या चमत्कारी व्यक्ति तेजी से प्रसिद्धि पाता है, तो उसके पीछे केवल आम लोगों की आस्था ही नहीं, बल्कि प्रभावशाली और रसूखदार लोगों का समर्थन भी बड़ा कारण होता है। अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबा' के मामले में भी यही सवाल उठता है कि आखिर वीवीआईपी लोग उनके पास क्यों जाते थे? सबसे पहले, आस्था और अंधविश्वास का मिश्रण इस प्रवृत्ति की जड़ में है। सत्ता और पैसे के शिखर पर बैठे लोग भी जीवन की अनिश्चितताओं—राजनीतिक भविष्य, स्वास्थ्य, परिवार या सत्ता की स्थिरता—को लेकर असुरक्षित महसूस करते हैं। ऐसे में वे चमत्कार या आशीर्वाद की तलाश में इन बाबाओं की शरण लेते हैं। दूसरा कारण है प्रभाव और नेटवर्किंग। कई बार ऐसे बाबा केवल धार्मिक व्यक्तित्व नहीं होते, बल्कि वे एक पावर हब बन जाते हैं, जहां नेता, अधिकारी और व्यवसायी एक-दूसरे से जुड़ते हैं। इस तरह उनके दरबार एक अनौपचारिक नेटवर्किंग मंच में बदल जाते हैं, जहां संपर्क बनाना आसान होता है।तीसरा पहलू है छवि निर्माण किसी लोकप्रिय बाबा के साथ दिखना कुछ नेताओं के लिए जनता के बीच धार्मिक और संस्कारी छवि बनाने का माध्यम बन जाता है। इससे वे अपने वोट बैंक को मजबूत करने की कोशिश करते हैं।

वाणिज्य समाचार

एयर इंडिया की घरेलू उड़ानें 899 रुपये तक महंगी, नया किराया 8 अप्रैल से होगा लागू

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के कारण एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में भारी बढ़ोतरी का असर अब हवाई यात्रियों की जेब पर पड़ने वाला है। देश की प्रमुख एयरलाइन एयर इंडिया ने लागत के बढ़ते दबाव को देखते हुए अपने फ्यूल सरचार्ज में बदलाव का फैसला लिया है। नई दरें 8 अप्रैल से प्रभावी होंगी। एयर इंडिया समूह ने मंगलवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर संशोधित ईंधन अधिभार बढ़ाने की घोषणा की है। एयरलाइन के इस कदम के बाद घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के टिकटों की कीमतों में अब इजाफा होना तय है, जिससे आने वाले दिनों में डोमेस्टिक फ्लाइट में किराया 299 रुपये लेकर 899 रुपये तक बढ़ जाएगा। अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट टिकटों के दाम 2,200 रुपये लेकर 26 हजार रुपये तक बढ़ जाएंगे। एयरलाइन ने कहा कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा नागरिक उड्डयन मंत्रालय के घरेलू एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एफटीए) की कीमतों में बढ़ोतरी की सीमा 25 फीसदी तय करने के निर्णय के बाद एयर इंडिया समूह भी इसी संतुलित दृष्टिकोण को अपना रहा है। इसके तहत घरेलू उड़ानों पर लगने वाले एक समान सरचार्ज को हटाकर दूरी पर आधारित एक नई ग्रिड प्रणाली लागू की जा रही है, जो 08 अप्रैल से प्रभावी होगी, जिसमें एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानें भी शामिल हैं। एयर इंडिया के मुताबिक जेट फ्यूल की कीमतें लगभग दोगुनी होने के कारण उड़ानों की लागत बढ़ गई है। विमान ईंधन की औसत कीमत 195.19 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई है, जो फरवरी के अंत में 99.40 डॉलर थी। इससे पहले इंडिगो ने भी फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया था।

आईआईएसईआर में आईएटी 2026 माध्यम से प्रवेश के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 13 अप्रैल

रायपुर। आईआईएसईआर एप्टीट्यूड टेस्ट (आईएटी) 2026 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि नजदीक आ गई है। आगामी 13 अप्रैल, 2026 को आवेदन पोर्टल बंद हो जाएगा। भारत में विज्ञान शिक्षा और शोध की राष्ट्र स्तरीय प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन करने का यह अंतिम अवसर होगा। यह प्रवेश परीक्षा सम्पूर्ण देश के विद्यार्थियों के लिए है। आईआईएसईआर एप्टीट्यूड टेस्ट (आईएटी) इंडियन इंस्टिट्यूट्स ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर) का प्रवेश द्वार है। ये संस्थान उत्तरोत्तर मौलिक विज्ञान, इंटरडिसिप्लिनरी लर्निंग और अत्याधुनिक शोध में उत्कृष्टता के प्रमुख केंद्र बन गए हैं। आईआईएसईआर बेरहामपुर,

आईआईएसईआर भोपाल, आईआईएसईआर कोलकाता, आईआईएसईआर मोहाली, आईआईएसईआर पुणे, आईआईएसईआर तिरुवनंतपुरम और आईआईएसईआर तिरुपति में बीएस-एमएस (डुअल डिग्री) और 4 वर्षीय बीएस डिग्री प्रोग्राम में प्रवेश के इच्छुक उम्मीदवारों को आधिकारिक वेबसाइट https://www.iiseradmission.in/ पर आईआईएसईआर एप्टीट्यूड टेस्ट (आईएटी 2026) के लिए रजिस्ट्रेशन कर लेने की सलाह दी जाती है। आईएटी 2026 के माध्यम से सर्वप्रमुख 5 वर्षीय बीएस-एमएस डुअल डिग्री प्रोग्राम के साथ-साथ कई अन्य विशेषज्ञतापूर्ण और इंटरडिसिप्लिनरी कोर्स में प्रवेश दिए जाते हैं। ऐसे कोर्सेस की रेंज बड़ी हो रही है। इनमें आईआईएसईआर कोलकाता में कम्प्यूटेशनल और डेटा साइंस, आईआईएसईआर मोहाली में नवारंभ जियोलॉजी और एन्वायर्नमेंटल साइंस मेजर और आईआईएसईआर भोपाल और आईआईएसईआर तिरुपति में 4 वर्षीय बीएस और बी.टेक. प्रोग्राम शामिल हैं। प्रोग्राम में विविधता होने से विद्यार्थियों को शोध-केंद्रित परिवेश में प्योर साइंस, डेटा साइंस, अर्थशास्त्र और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने का मौका मिलता है।

आईएटी 2026 की महत्वपूर्ण तिथियाँ-

- 13 अप्रैल, 2026: एप्लीकेशन पोर्टल बंद होने की तिथि
- 16-18 अप्रैल, 2026: एप्लीकेशन फॉर्म में सुधार की समय अवधि
- 24 मई, 2026: एग्ज़ाम हॉल टिकट जारी होगा
- 7 जून, 2026: आईआईएसईआर एप्टीट्यूड टेस्ट (आईएटी) 2026-परीक्षा तिथि (सुबह 9:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे आईएसटी)

इस साल आईएटी में एक बड़ा बदलाव किया गया है। आईएटी का दायरा बढ़ाया गया है और यह अब कई सर्वोच्च संस्थानों के कुछ अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए भी मान्य होगा। इनमें आईआईटी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी), इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टिवेशन ऑफ साइंस (आईएसीएस) और आईआईसीएसटी शिबपुर शामिल हैं। उम्मीद है कि इस नई पहल से उच्च गुणवत्ता के साथ विज्ञान की पढ़ाई अधिक सुलभ होगी और इच्छुक उम्मीदवार एक ही टेस्ट से मनपसंद शैक्षिक विकल्प प्राप्त करेंगे।

बड़ी गिरावट के बाद सेंसेक्स 1,403 अंक तक उछला, निफ्टी की 434 अंक तक छलांग

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को लगातार चौथे कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। मंगलवार को कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही निगेटिव सेंटीमेंट्स के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। मंगलवार को सेंसेक्स ने निचले स्तर से 1,403.91 अंक की और निफ्टी ने निचले स्तर से 434.55 अंक की छलांग लगाई। मंगलवार को दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, मेटल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। दूसरी ओर, कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में मंगलवार को बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके वजह से बीएसई का कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट में मंगलवार को मिला-जुला कारोबार होता रहा। निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉल कैप इंडेक्स ने 0.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ मंगलवार को कारोबार का अंत किया। मंगलवार को शेयर बाजार में की मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने दो लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन मंगलवार को कारोबार के बाद बढ़ कर 429.23 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 427.51 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.72 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। कारोबार में बीएसई में 4,381 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,668 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,560 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 153 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,985 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,924 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,061 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए।

मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप से युवाओं को मिलेगा प्रशासनिक क्षेत्र में करियर का अवसर

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के युवाओं को सुशासन और पब्लिक पॉलिसी के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप' के तहत संचालित दो वर्षीय स्न्नक्क इन पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इस क्रम में भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर के प्रतिनिधि बिनॉय टी एवं एस.एन. मंडल द्वारा जशपुर सहित प्रदेश के उत्तरी जिलों का दौरा कर विद्यार्थियों को इस कोर्स की जानकारी दी जा रही है। टीम द्वारा विभिन्न इंजीनियरिंग एवं स्नातक महाविद्यालयों में पहुंचकर कार्यक्रम की विशेषताओं, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है। साथ ही पंपलेट वितरण के माध्यम से भी अधिक से अधिक युवाओं तक जानकारी पहुंचाई जा रही है।

यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ शासन एवं ढ्ढरूरायपुर के संयुक्त प्रयास से संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों की पूरी फीस राज्य शासन द्वारा वहन की जाएगी। इसके साथ ही विद्यार्थियों को प्रति माह 50 हजार रूपए की छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम की विशेषता यह है कि अभ्यर्थियों को IIM रायपुर में उच्च स्तरीय कक्षा शिक्षण के साथ-साथ राज्य शासन के विभिन्न विभागों के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण (फील्ड एक्सपोजर) का अवसर भी मिलेगा, जिससे उन्हें नीति निर्माण और प्रशासनिक कार्यों का वास्तविक अनुभव प्राप्त होगा।

यह फेलोशिप विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिए उपलब्ध है तथा इसमें राज्य शासन की आरक्षण नीति लागू होगी। इच्छुक अभ्यर्थी विस्तृत जानकारी एवं आवेदन के लिए IIM रायपुर की आधिकारिक वेबसाइट पर निर्धारित तिथि तक आवेदन कर सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि ढ्ढरूरायपुर की टीम द्वारा जशपुर जिले के सभी विकासखंडों के महाविद्यालयों का भ्रमण कर विद्यार्थियों को इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे प्रदेश के प्रतिभाशाली युवाओं को सुशासन के क्षेत्र में करियर बनाने का सुनहरा अवसर मिल सके।

अंत्योदय के संकल्प के साथ विकसित भारत की ओर अग्रसर भाजपा: बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर अपने कार्यालय में पार्टी का ध्वज फहराया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं के साथ-साथ समस्त देशवासियों को स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सांसद श्री अग्रवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई थी और आज यह विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बन चुका है। उन्होंने स्मरण किया कि उस समय भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी को पार्टी का प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया था। मुंबई में आयोजित पहले अधिवेशन में अटल जी द्वारा दिया गया उद्घोष- 'अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा' आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पूर्णत: साकार होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी 'अंत्योदय' के संकल्प के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। वर्ष 1951 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी एवं

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के नेतृत्व में स्थापित जनसंघ के जिन उद्देश्यों को लेकर यात्रा प्रारंभ हुई थी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन जी के मार्गदर्शन में साकार कर रही है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त करना हो या धारा 370 का उन्मूलन कर देश की एकता और अखंडता को सशक्त बनाना। ये सभी ऐतिहासिक निर्णय भाजपा सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रमाण हैं। भाजपा सरकार गरीब, युवा, महिला, किसान और मजदूर समाज के प्रत्येक वर्ग के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है।

पुष्प योग संस्थान का प्रदेश कार्यालय उद्घाटित मंत्री जायसवाल ने काटा फीत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

स्वदेश ज्योति रायपुर - योग की पद्धति प्राचीन है। स्वास्थ्य में योग का बडा योगदान रहा है । यह उद्बोधन प्रदेश के स्वास्थ्य एवम परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने पुष्प योग संस्थान के शुभारंभ के अवसर पर कही। वालफोर्ट सीटी के पास स्थित क्क्न. टावर्स में पुष्प योग संस्थान उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने कहा कि चिकित्सा पद्धति, योग और आयुर्वेद पर आधारित रहा है। उन्होने देवराहा बाबा का उदाहरण भी देकर सभी योग साधक को समझाया है। स्वयं के साथ बीती घटना का वर्णन करते हुए कहा कि मौसम के कारण मेरा गला खराब हो गया था, जिसे योगाचार्य छबिराम साहू ने नस-नाडी का योग कर तत्काल ठीक कर दिया है, इसका जीता जागता उदाहरण भी है। इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने स्वागत भाषण में सभी हास्पीटल में योग थैरेपी सेंटर खोले जाने की मांग किए। साथ ही सचिव श्रीमती पुष्पा साहू ने अथितियो को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन योगाचार्य छबिराम साहू ने किया।

इस अवसर पर सभी योग जगत से जूडे सभी साधकगण एवम योग संस्थान के सदस्यगण, भारतीय शिक्षा बोर्ड रायपुर शाखा के पदाधिकारीगण एवम सदस्यगण सहित आम लोग भी अधिक संख्या उपस्थित थे।

गौरतलब है कि इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय योग साधक कु हेमा यादव ने योग किया। उन्होंने योग की बारीकी को ध्यान मे रखकर सबका मन मोह लिया।

वन मंत्री केदार कश्यप ने दी 17 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रदेश के वन, जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप ने अपने एकदिवसीय नारायणपुर प्रवास के दौरान जिले को 17 करोड़ 59 लाख 57 हजार रुपये से अधिक लागत के विकास कार्यों की सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कर जिले के समग्र विकास को नई दिशा और गति प्रदान की।

कार्यक्रम में नेशनल हाईवे-130डी के मजबूतीकरण, आधुनिक सुविधाओं से युक्त नालंदा परिसर (सेंट्रल लाइब्रेरी एवं रीडिंग जोन) सहित जिला खनिज न्यास (छ्वस्न्न) और नगरीय निकाय क्षेत्र के अंतर्गत स्वीकृत कुल 11 महत्वपूर्ण कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। यह सभी परियोजनाएं क्षेत्र में शिक्षा, आवागमन और शहरी विकास को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

नालंदा परिसर बनेगा युवाओं के सपनों को साकार करने का केंद्र

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि नालंदा परिसर का निर्माण नारायणपुर के युवाओं के लिए एक ऐतिहासिक पहल है। यहां आधुनिक अध्ययन संसाधन, शांत वातावरण और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे अबूझमाड़ सहित दूरस्थ क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं को भी उच्च शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा और वे इंजीनियर, डॉक्टर एवं प्रशासनिक सेवाओं में अपनी पहचान बना सकेंगे।

नारायणपुर के विकास को मिली नई रफ्तार

बेहतर सड़क, बेहतर भविष्य

उन्होंने गढ़बेंगाल चौक से बखरूपारा मार्ग के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग 130डी के मजबूतीकरण कार्य को क्षेत्र के विकास की रीढ़ बताते हुए कहा कि इससे आवागमन सुगम होगा, व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और ग्रामीण-शहरी संपर्क मजबूत होगा। इससे न केवल आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी बल्कि नागरिकों को भी बेहतर सुविधा मिलेगी।

विकास और विश्वास की नई कहानी लिख रहा नारायणपुर

वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बस्तर सहित पूरे प्रदेश के संतुलित और समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और अन्य आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश को नक्सलवाद से मुक्त करने की दिशा में ऐतिहासिक सफलता मिली है, जिसके परिणामस्वरूप अब नारायणपुर और अबूझमाड़ क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिली है।

कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा साइबर लॉ एवं डिजिटल साक्ष्य की ग्राह्यता विषय पर सेमिनार आयोजित

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

कलिंगा विश्वविद्यालय ने 27 मार्च 2026 को सिविल न्यायालय, कुरूद में 'साइबर लॉ, डिजिटल साक्ष्य तथा न्यायालयों में डिजिटल साक्ष्य की ग्राह्यता' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। यह कार्यक्रम न्यायालय परिसर के भीतर अधिवक्ता संघ, कुरूद के सौजन्यपूर्ण सहयोग से आयोजित किया गया, जिसने सत्र के सफल संचालन एवं आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस संगोष्ठी में बड़ी संख्या में कार्यरत अधिवक्ताओं ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम की गरिमा माननीय अधिवक्ता राधेश्याम, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश; अधिवक्ता रजत कुमार निसला, सिविल न्यायाधीश (वरिष्ठ श्रेणी); अधिवक्ता निलेश बघेल, सिविल न्यायाधीश (कनिष्ठ श्रेणी); अधिवक्ता रमेश पांडे, अध्यक्ष, बार एसोसिएशन; अधिवक्ता एल.पी. गोस्वामी, संरक्षक, बार एसोसिएशन; अधिवक्ता नरेश डिग्रे, उपाध्यक्ष, बार एसोसिएशन; तथा अधिवक्ता यशवंत साहू, सचिव, बार एसोसिएशन की उपस्थिति से बढ़ी। उनकी उपस्थिति ने विधिक समुदाय के सशक्त संस्थागत समर्थन को प्रदर्शित किया।

विशेषज्ञ सत्र का संचालन सुश्री सलोनी त्यागी, विभागाध्यक्ष, विधि संकाय द्वारा किया गया। उन्होंने साइबर लॉ से संबंधित वैधानिक प्रावधानों, डिजिटल साक्ष्य के कानूनी ढांचे, इलेक्ट्रॉनिक अभिलेखों के संग्रहण एवं संरक्षण की प्रक्रियाओं, न्यायालयों में डिजिटल साक्ष्य की ग्राह्यता तथा इस क्षेत्र में हाल के न्यायिक विकासों पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही, विधिक कार्यवाही के दौरान डिजिटल साक्ष्य को संभालने एवं प्रस्तुत करने में अधिवक्ताओं द्वारा सामना की जाने वाली व्यावहारिक चुनौतियों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। तकनीक पर बढ़ती निर्भरता और साइबर मामलों में लगातार वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, इस चर्चा में आधुनिक विधिक प्रथाओं में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य से संबंधित वैधानिक प्रावधानों, प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं तथा न्यायिक मानकों के पालन के महत्व को रेखांकित किया गया।

कार्यक्रम को न्यायपालिका के वरिष्ठ सदस्यों, जिनमें परिवार न्यायालय के न्यायाधीश, विशेष न्यायाधीश, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एवं सिविल न्यायाधीश शामिल थे, की उपस्थिति से और अधिक गरिमा प्राप्त हुई, जो विकसित होते विधि क्षेत्रों में निरंतर अधिगम एवं क्षमता निर्माण के प्रति न्यायपालिका के सक्रिय दृष्टिकोण को दर्शाती है।कलिंगा विश्वविद्यालय समय-समय पर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है, जो शैक्षणिक संस्थानों और न्यायपालिका के बीच सार्थक संवाद को प्रोत्साहित करते हैं, जिससे विधिक शिक्षा और न्यायिक कार्यप्रणाली के बीच एक रचनात्मक समन्वय स्थापित होता है। बार एवं बेंच के सदस्यों से प्राप्त सकारात्मक प्रतिक्रिया से प्रेरित होकर, विश्वविद्यालय अब छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिला न्यायालयों में इसी प्रकार के विषय-केंद्रित कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहा है, ताकि विधि अध्ययन और न्यायालयीन व्यवहार के बीच संबंध को विश्वविद्यालय ने पेशेवर विकास को बढ़ावा देने और न्याय वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता को पुन: दोहराया।

इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य से संबंधित वैधानिक प्रावधानों, प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं तथा न्यायिक मानकों के पालन के महत्व को रेखांकित किया

कैट कार्यालय में राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय पटवारी का आगमन भारतीय व्यापार महोत्सव हेतु व्यापारियों को आमंत्रण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

देश के सबसे बड़े व्यापारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य श्री अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन श्री जितेंद्र दोशी, श्री विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष श्री परमानंद जैन, महामंत्री श्री सुरिन्दर सिंह, कोषाध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेंद्र जग्गी, श्री राम मंधान, श्री वासु मखीजा, श्री भरत जैन, श्री राकेश ओचवानी, श्री शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि आज कैट कार्यालय में कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री संजय पटवारी जी का आगमन हुआ। इस अवसर पर कैट की पूरी टीम ने उनका आत्मीय स्वागत किया।

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन श्री अमर पारवानी जी ने भी श्री पटवारी जी का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय व्यापार महोत्सव देश के व्यापारियों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है, जो स्थानीय ब्रांड्स को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने प्रदेश के व्यापारियों से अधिक से अधिक संख्या में इस महोत्सव से जुड़ने एवं अपने उत्पादों को बड़े मंच पर प्रस्तुत करने का आह्वान किया।

अपने संबोधन में श्री संजय पटवारी जी ने व्यापार सेवा के अपने 30 वर्षों के अनुभव साझा करते हुए व्यापारियों को नवाचार, गुणवत्ता एवं स्वदेशी उत्पादों के प्रोत्साहन पर बल दिया। उन्होंने आगामी 12, 13, 14 एवं 15 अगस्त को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले भारतीय व्यापार महोत्सव (BVM) के लिए प्रदेश के व्यापारियों को आमंत्रित किया। उन्होंने बताया कि मेक इन इंडिया एवं वोकल फॉर लोकल की भावना से प्रेरित यह महोत्सव स्रूस्रूश्व लघु उद्योगों एवं बड़े भारतीय ब्रांड्स के लिए एक सशक्त मंच बनेगा।

आरटीई के तहत प्रवेश न देने वाले निजी विद्यालयों की मान्यता होगी रद्द

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE) 2009, अप्रैल 2010 से प्रभावी है। इसके अंतर्गत प्रदेश के गैर-अनुदान प्राप्त अशासकीय विद्यालयों की प्रारंभिक कक्षाओं में 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गई हैं। इन सीटों पर आर्थिक रूप से कमजोर, दुर्बल वर्ग और वंचित समूह के बच्चों को उनके निवास क्षेत्र के भीतर प्रवेश दिलाया जाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गरीब बच्चों की शिक्षा के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है और सभी के लिए शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रतिपूर्ति राशि का पारदर्शी भुगतान

शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत निजी स्कूलों को नर्सरी या कक्षा 1 में 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित करना अनिवार्य है। इसके बदले राज्य सरकार प्रति बच्चा व्यय के आधार पर स्कूलों को प्रतिपूर्ति राशि का भुगतान करती है। यह राशि सरकारी स्कूल में प्रति बच्चे पर होने वाले खर्च या निजी स्कूल की वास्तविक फीस (दोनों में से जो भी कम हो) के आधार पर निर्धारित की जाती है।

द्घह्यश्च ऋद्धह्वस्र - वर्दी में पुलिस जवान ने पत्नी संग बनाई रील्स, लाइन अटैच की कार्रवाई

अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर प्रतिपूर्ति

छत्तीसगढ़ में शुल्क प्रतिपूर्ति की राशि कई पड़ोसी राज्यों की तुलना में बेहतर या उनके समकक्ष है। प्रदेश में वर्ष 2011-12 से ही कक्षा 1 से 5 तक 7000 रूपए और कक्षा 6 से 8 तक 11 हजार 400 रूपए वार्षिक प्रतिपूर्ति राशि निर्धारित है। तुलनात्मक रूप से देखें तो मध्य प्रदेश में 4,419 रूपए बिहार में 6,569 रूपए, झारखंड में 5,100 रूपए और उत्तर प्रदेश में 5,400 रूपए वार्षिक दिए जाते हैं। यद्यपि ओडिशा, राजस्थान, महाराष्ट्र और कर्नाटक में यह राशि अधिक है, किंतु समग्र मूल्यांकन में छत्तीसगढ़ उचित है। वर्तमान में राज्य के 6,862 निजी विद्यालयों में आर.टी.ई. के माध्यम से लगभग 3,63,515 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इस वर्ष भी कक्षा पहली की लगभग 22,000 सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया जारी है। चूंकि सभी निजी विद्यालयों को आर.टी.ई. अधिनियम के प्रावधानों के तहत ही मान्यता दी गई है।

अप्रैल में राशनकार्डधारियों को मिलेगा केरोसिन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली पीडीएस के तहत अप्रैल 2026 के लिए केरोसिन का आबंटन जारी कर दिया गया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने केंद्र सरकार से प्राप्त प्रथम तिमाही (अप्रैल-जून) के कोटे में से 528 किलोलीटर केरोसिन राशनकार्डधारियों के लिए आवंटित किया है। यह केरोसिन उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से वितरित किया जाएगा। खाद्य विभाग के अनुसार, अंत्योदय और प्राथमिकता श्रेणी के सभी राशनकार्डधारियों को इसका लाभ मिलेगा। शहरी क्षेत्रों में प्रति राशनकार्ड अधिकतम 1 लीटर और ग्रामीण क्षेत्रों (अनुसूचित एवं गैर-अनुसूचित) में अधिकतम 2 लीटर केरोसिन दिया जाएगा। राज्य शासन ने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि केरोसिन का समय-सीमा में उठाव और वितरण सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर प्रचार-प्रसार कर हितग्राहियों को उनकी पात्रता की जानकारी देने को कहा गया है।

जिन उचित मूल्य दुकानों में केरोसिन की मांग कम है, वहां शेष स्टॉक को जरूरत वाले दुकानों में पुन: आबंटित किया जाएगा। इससे किसी भी क्षेत्र में केरोसिन की कमी न हो और सभी पात्र हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा मिल सके। अप्रैल माह के लिए आवंटित केरोसिन का उठाव 30 अप्रैल 2026 तक अनिवार्य रूप से करना होगा। वहीं, ऑयल कंपनियों के अधिकारियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे लैप्स कोटा की जानकारी 30 अप्रैल तक विभाग को उपलब्ध कराएं। खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार बिलासपुर जिले को सर्वाधिक 36 किलोलीटर, बस्तर, कांकेर, जांजगीर-चांपा, कोरबा, दुर्ग, बलौदाबाजार-भाटापारा, महासमुंद, रायपुर और जशपुर जिले को 24-24 किलोलीटर तथा राज्य के अन्य शेष जिलों को 12-12 किलोलीटर केरोसिन आबंटित किया गया है।

छत्तीसगढ़ में डॉक्टरों के लिए बड़ा फैसला, पीजी अध्ययन अवकाश 2 से बढ़ाकर 3 वर्ष किया गया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने सेवारत चिकित्सकों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए पीजी पाठ्यक्रम हेतु अध्ययन अवकाश की अवधि 2 वर्ष से बढ़ाकर 3 वर्ष कर दी है। इस फैसले को प्रदेश के डॉक्टरों के लिए बड़ी राहत और ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। इस निर्णय से राज्य के सैकड़ों चिकित्सकों को सीधा लाभ मिलने की संभावना है। राज्य सरकार के इस निर्णय का ने स्वागत किया है। फेडरेशन का कहना है कि यह निर्णय लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों, संवाद और चिकित्सकों के हित में चलाए गए अभियान का परिणाम है। संगठन लगातार यह मांग उठा रहा था कि पीजी कर रहे डॉक्टरों को पर्याप्त अध्ययन अवकाश मिलना चाहिए, ताकि वे अपनी पढ़ाई और प्रशिक्षण को पूरी तरह पूरा कर सकें।

फेडरेशन के अध्यक्ष ने इस निर्णय पर खुशी जताते हुए कहा कि यह सामूहिक प्रयासों की सफलता है। उन्होंने कहा कि संगठन ने इस मुद्दे को लगातार शासन के समक्ष रखा और अंतत: सकारात्मक निर्णय सामने आया। उनके अनुसार, इससे न केवल डॉक्टरों को लाभ मिलेगा बल्कि राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। हालांकि, इस फैसले के साथ एक महत्वपूर्ण मुद्दा अभी भी सामने है। वर्ष 2025 से पहले पीजी पाठ्यक्रम के लिए अध्ययन अवकाश पर गए चिकित्सकों को इस नई व्यवस्था का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ऐसे डॉक्टर वर्तमान में कई प्रशासनिक समस्याओं और असमानताओं का सामना कर रहे हैं। डॉ. हीरा सिंह लोधी ने कहा कि वर्ष 2021, 2022 और 2023 बैच के वे चिकित्सक, जो पहले नीति का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि उस समय इन डॉक्टरों को आश्वासन दिया गया था कि उनके साथ न्याय किया जाएगा, लेकिन अभी तक उनकी स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। इस संबंध में फेडरेशन ने मांग की है । कि पूर्व में अध्ययन अवकाश पर गए डॉक्टरों को भी बढ़े हुए अवकाश के अनुरूप क्षतिपूर्ति और लाभ दिया जाए।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 8 अप्रैल 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026 के खिलाफ मोर्चा, राज्यपाल से की खारिज करने की मांग

भिलाई नगर, प्रतिदिन राजधानी

मूल निवासी संघ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित 'छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026' के विरुद्ध कड़ा विरोध दर्ज कराया है। संघ ने इस विधेयक को भारतीय संविधान और नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर सीधा हमला करार देते हुए इसे तत्काल प्रभाव से खारिज करने की मांग की है।

संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि यह विधेयक संविधान प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता (अनुच्छेद 25) को कमजोर करने की एक सोची-समझी साजिश है। किसी भी धर्म को मानने, अपनाने और प्रचार करने के अधिकार को अपराधीकरण की श्रेणी में लाना संविधान की मूल आत्मा के विरुद्ध है।

'प्रलोभन' शब्द की आड़ में समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य सहायता और दान जैसे कार्यों को अपराध के दायरे में लाया जा रहा है। इससे अनाथालय, स्कूल और अस्पताल जैसी संस्थाएं शक के घेरे में आ जाएंगी। विधेयक में प्रयुक्त शब्द जैसे 'बल', 'कपट' और 'असम्यक प्रभाव' इतने अस्पष्ट हैं कि इनका उपयोग किसी भी निर्दोष व्यक्ति को फंसाने और उत्पीड़न करने के लिए किया जा सकता है।

अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने का आरोप

संघ का स्पष्ट मत है कि यह कानून विशेष समुदायों को लक्षित करने और समाज में डर का माहौल पैदा करने का एक हथियार मात्र है। यह विधेयक मानवाधिकारों के वैश्विक मानकों का खुला उल्लंघन है।

न्यायिक प्रक्रिया पर सवाल

प्रेस वार्ता में यह मुद्दा भी उठाया गया कि जब धर्म स्वतंत्रता से संबंधित मामले पहले से ही माननीय सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन हैं, तो ऐसे समय में नया कानून लाना न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश है।

रूचि की अभिव्यक्ति के तहत प्रस्ताव 23 अप्रैल तक

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना के तहत विद्यार्थी को कक्षा छठवीं से बारहवीं तक राज्य में स्थित उत्कृष्ट आवासीय विद्यालय में अध्ययन की नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध कराने के लिए वर्ष 2026-27 हेतु संस्था में इम्पैनलमेंट के लिए ''रूचि की अभिव्यक्ति'' के माध्यम से प्रस्ताव आमंत्रित किया गया है। मुख्यमंत्री के तहत विद्यार्थी को कक्षा छठवीं से बारहवीं तक राज्य में स्थित उत्कृष्ट आवासीय विद्यालय में अध्ययन की नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध कराने के लिए वर्ष 2026-27 हेतु संस्था में इम्पैनलमेंट के लिए ''रूचि की अभिव्यक्ति'' के माध्यम से प्रस्ताव आमंत्रित किया गया है।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि धमतरी जिले में स्थित सीबीएसई/आईसीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त निजी प्रतिष्ठित आवासीय विद्यालय के संस्था प्रमुख रूचि के अभिव्यक्ति के माध्यम से प्रस्ताव 23 अप्रैल 2026 तक आदिवासी विकास विभाग में जमा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि योजना के तहत आवेदन पत्र, मापदण्ड एवं विस्तृत विवरण विभाग की वेबसाईट से प्राप्त किया जा सकता है।

भिलाई में हाइड्रोपोनिक गांजा, हुडको से तीसरा आरोपी गिरफ्तार

भिलाई नगर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ में हाई-टेक नशीले पदार्थों के कारोबार के खिलाफ भिलाई नगर पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने हुडको क्षेत्र से हाइड्रोपोनिक गांजा (बिना मिट्टी के लैब में उगाया गया नशीला पदार्थ) के नेटवर्क से जुड़े तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। राज्य में इस उच्च गुणवत्ता वाले गांजे की बरामदगी का यह पहला मामला बताया जा रहा है।

पुलिस की गहन जांच के दौरान 5 अप्रैल को आयुष विश्वकर्मा हुडको को चिन्हित कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से 1.4 ग्राम हाई-क्वालिटी हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद हुआ है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। इससे पहले 4 अप्रैल को पुलिस ने बोरसी रोड स्थित बीज विकास निगम (रुआबांधा) क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए विक्रम साहू और यश विश्वकर्मा को गिरफ्तार किया था।

थाना भिलाई नगर में आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ख), 27(ए) और 29 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस अब पूरे रैकेट की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस महंगे नशीले पदार्थ की खेती कहाँ हो रही थी और इसकी सप्लाई किन-किन स्थानों पर की जा रही थी।

पुलिस ने बताया कि यह गांजा सामान्य गांजे की तुलना में कई गुना अधिक असरदार, नशीला और महंगा होता है। इसे मिट्टी के बिना सिर्फ पानी और विशेष पोषक तत्वों की मदद से लैब या बंद कमरों में उगाया जाता है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार छत्तीसगढ़ में इस तरह के हाई-प्रोफाइल नशे का यह पहला केस है, जिसे बेहद गंभीरता से लिया जा रहा है। पुलिस पूरे नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य रसूखदार लोगों की तलाश कर रही है।

विधायक कुरूद अजय चंद्राकर ने भखारा में लाइवलीहुड कॉलेज का किया उद्घाटन

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत लाइवलीहुड कॉलेज भखारा-भठेली का उद्घाटन आज शासकीय आईटीआई भखारा परिसर में विधायक कुरुद श्री अजय चंद्राकर ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत भखारा की अध्यक्ष श्रीमती ज्योति हरख जैन ने की। वहीं विशिष्ट अतिथियों में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती पूजा सिन्हा, जनपद अध्यक्ष कुरुद श्रीमती गीतेश्वरी साहू एवं नगर पंचायत उपाध्यक्ष श्री विष्णु साहू शामिल रहे।

विधायक श्री चंद्राकर ने कहा कि यह लाइवलीहुड कॉलेज क्षेत्र के युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण देने का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि हर युवा आत्मनिर्भर बने और अपने कौशल के आधार पर रोजगार प्राप्त करे। आने वाले समय में इस कॉलेज के माध्यम से सैकड़ों युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कौशल विकास को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को भी शहरों की तरह अवसर मिल सकें। भखारा में इस संस्थान का शुरुआत क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। इस अवसर पर अतिथियों ने प्रशिक्षणार्थियों को एजुकेशनल किट का भी वितरण किया।

कार्यक्रम में रवि सिन्हा, सीएमओ संतोष विश्वकर्मा, रामस्वरूप साहू, आनंद यदु, छत्रपाल बैस, सतीश जैन, गौतम जैन, श्रीमती सिंधु बैस, दुलार सिन्हा, पूर्णिमा साहू, भीम साहू, पुष्पलता देवांगन, पंकज सिन्हा, छबिलाल निर्मलकर, हितेंद्र साहू, भूपेश्वरी चंदेल, खेमलता साहू, गौतमी पटेल, झम्मन साहू, रामनारायण नागरची, रामगोपाल देवांगन सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भाजपा का स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया गया

खैरागढ़, प्रतिदिन राजधानी

- जिला भाजपा कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पार्टी के संस्थापक नेताओं पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर की गई। इसके पश्चात ध्वजारोहण किया गया और राष्ट्रगीत का सामूहिक उच्चारण किया गया।

कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्थापना दिवस के अवसर पर खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के सभी आठ मंडलों एवं जिला मोर्चा प्रकोष्ठों के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जिला कार्यालय पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि पार्टी की स्थापना वर्ष 1980 में हुई थी और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे दिग्गज नेताओं ने संगठन को मजबूत किया। आज नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है, वहीं प्रदेश में विष्णुदेव साय के नेतृत्व में विकास कार्य गति पकड़ रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में मोर्चा प्रकोष्ठों का गठन हुआ है, जिसके लिए सभी पदाधिकारियों को बधाई दी गई। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संदेश देते हुए कहा कि संगठन में पद केवल नाम के लिए नहीं होना चाहिए, बल्कि सभी को साथ लेकर चलना, उनके सुख-दुख में सहभागी बनना और समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचना ही सच्चे कार्यकर्ता की पहचान है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा द्वारा अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिन्हें जमीनी स्तर तक पहुंचाना सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है।

विक्रांत सिंह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले की घोषणा तो की गई, लेकिन इसके लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध नहीं कराया गया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि भाजपा सरकार इस नवगठित जिले के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और सभी क्षेत्रों में समान रूप से विकास कार्य किए जाएंगे।

कार्यक्रम को भाजपा के वरिष्ठ नेता टी.के. चंदेल ने भी संबोधित किया और संगठन की मजबूती पर जोर दिया। वहीं प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य घम्मन साहू ने बताया कि मंडल स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने के बाद जिला स्तर पर 47वां स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार सभी कार्यकर्ता अपने-अपने घरों में पार्टी का झंडा लगाएंगे। साथ ही 7 अप्रैल से 12 अप्रैल तक गांव चलो अभियान चलाया जाएगा, जिसमें सभी कार्यकर्ताओं से सक्रिय सहभागिता की अपील की गई।

नशे में ट्रक चलाते सो रहे साथी को रौंदा, मौत, चालक गिरफ्तार

कांकेर, प्रतिदिन राजधानी

नशे की हालत में ट्रक चलाते समय ट्रक के नीचे सो रहे अपने साथी को चपेट में ले लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है तथा वाहन जब्त कर लिया है।

प्रार्थी दिनेश कुमार ध्रुव खुटगांव की रिपोर्ट पर मर्ग क्रमांक 15/2026 धारा 194 बीएनएसएस के तहत जांच प्रारंभ की गई। जांच के दौरान मृतक रितिक रोशन मरकाम के परिजनों एवं अन्य व्यक्तियों से पूछताछ की गई।

पुलिस के अनुसार, 4 अप्रैल को आरोपी डिगेश्वर उर्फ डिग्गू नुरेटी (25 वर्ष) अपने जन्मदिन के अवसर पर मृतक एवं अन्य साथियों के साथ हेलीपैड के पास शराब का सेवन कर रहा था। इस दौरान मृतक ट्रक के सामने सो गया, जबकि अन्य साथी वहां से चले गए।

आरोपी ने नशे की स्थिति में ट्रक चलाया, जिससे ट्रक के नीचे सो रहे दोस्त का ध्यान ही नहीं था। वह लापरवाहीपूर्वक ट्रक को चलाते आगे बढ़ाया, जिससे ट्रक की चपेट में आने से रितिक रोशन मरकाम की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया।

थाना दुर्गूकोंदल में अपराध दर्ज कर पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर आरोपी को दियागांव जंगल क्षेत्र से हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने घटना में शामिल होने की बात स्वीकार की।

पुलिस के अनुसार, आरोपी ने घटना में प्रयुक्त ट्रक (सीजी 04 एलडी 5769) को दुर्गूकोंदल स्थित गोंडवाना भवन के सामने छोड़ दिया था, जिसे बरामद कर जब्त किया गया। प्रकरण में थाना दुर्गूकोंदल में अपराध क्रमांक 12/2026 धारा 105 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

अंधेरा छंटा, सूरज निकला, कमल खिला- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

भाजपा जिला कार्यालय में सोमवार को स्थापना दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव विशेष रूप से शामिल हुए।

संगोष्ठी में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए श्री देव ने कहा कि 6 अप्रैल 1980 को स्थापित पार्टी के मुंबई में हुए अधिवेशन में भाजपा के प्रथम अध्यक्ष श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा। आज वह नारा साकार रूप मे हम सबके समक्ष है।

श्री देव ने कहा कि जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी का सफर लाखों-करोड़ों कार्यकर्ताओं के कड़े परिश्रम, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं.दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी,राजमाता विजय राजे सिंधिया, कुशा भाऊ ठाकरे और वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का प्रबुद्ध नेतृत्व देश में भारतीय जनता पार्टी के रूप मे सकारात्मक राजनैतिक वातावरण के निर्माण मे सफल रहा। एक भारत श्रेष्ठ भारत, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद और माँ भारती को परम वैभव के लक्ष्य पर पहुँचाने के विचार से प्रेरित हमारा संगठन आज उस लक्ष्य को हासिल करने के लिए करोड़ों

कार्यकर्ताओं के साथ अविरल परिश्रम की पराकाष्ठा कर रहा है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सदैव जनसरोकारों के प्रति संवेदनशील व प्रगतिशील रही है। देश के 25 करोड़ लोगों का गरीबी रेखा से बाहर आना, भारत का विश्व की पांच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं मे शामिल होना, सशक्त मजबूत सेना और भारत का समृद्ध होना इस बात का परिचायक है कि पार्टी के लिए नेशन फर्स्ट, पार्टी सेकंड और सेल्फ लास्ट है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने समस्त कार्यकर्ताओं से संगठन को सशक्त बनाने, राष्ट्र विकास में निरंतर आगे बढ़ने व जनसेवा में सदैव तत्पर रहने कहा।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा ने भी संगोष्ठी को संबोधित किया। भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने प्रारंभिक उद्बोधन दिया। संगोष्ठी का संचालन जिला महामंत्री रजनीश पाणिग्रही ने किया।

कोंडागांव के अंदरुनी क्षेत्रों में अब विकास को मिलेगी नई राह

कोंडागांव, प्रतिदिन राजधानी

जिले के माओवाद प्रभावित रहे अंदरुनी क्षेत्रों में अब विकास की नई राह खुलती नजर आ रही है। माओवाद मुक्त होते ही ग्राम पंचायतों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए कार्य शुरू हो गए हैं। इसी कड़ी में जिला पंचायत अध्यक्ष रीता सोरी द्वारा विभिन्न ग्रामों में पेयजल सुविधा के लिए भूमि पूजन किया गया।

कोंडागांव जिला मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर अंदर स्थित ग्राम ठोटी मड़नार पंचायत मुँगवाल, ग्राम पंचायत पेरामपाल एवं ग्राम पंचायत चमई में पेयजल हेतु नल खनन कार्य के लिए भूमिपूजन संपन्न हुआ। यह क्षेत्र पहले कभी माओवाद प्रभावित रहे हैं, जहां अब शांति स्थापित होने के बाद विकास कार्यों को गति दी जा रही है। पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में यह पहल ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत साबित होगी।

इस अवसर पर ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए अपनी विभिन्न समस्याएं भी जिला पंचायत अध्यक्ष के समक्ष रखीं। उन्होंने आश्वस्त किया कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

भूमि पूजन कार्यक्रम में जिला पंचायत कोंडागांव के सभापति एवं सदस्य नन्दलाल राठौर, योगेश बैध, गोकुल बैध, सियादास मानिकपुरी (ग्राम सरपंच) सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रांतीय महासभा में पेंशन के लिए पूर्व सेवा गणना की मांग उठी

कोंडागांव, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन द्वारा रायपुर में प्रांतीय महासभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रायपुर उत्तर विधानसभा के विधायक पुरंदर मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा ने की। महासभा में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारी और शिक्षक शामिल हुए।

महासभा में शिक्षकों ने पेंशन के लिए प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा अवधि की गणना किए जाने की मांग रखी। इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि को मांग पत्र सौंपा।

मुख्य अतिथि ने शिक्षकों की मांगों को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने तथा प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात कराने का आश्वासन दिया।

मांग पत्र में कहा गया कि वर्तमान में पेंशन के लिए सेवा अवधि की गणना संविलियन तिथि (1 जुलाई 2018) से की जा रही है, जिससे पूर्व में नियुक्त शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं। शिक्षकों ने प्रथम नियुक्ति से सेवा गणना करने की मांग की।

इसके अलावा 33 वर्ष के स्थान पर 20 वर्ष की सेवा अवधि में पूर्ण पेंशन देने, सेवा अवधि 65 वर्ष तक करने, पदोन्नति, क्रमोन्नति/समयमान वेतनमान, तथा विभागीय टीईटी, डीएड और बीएड परीक्षा आयोजित करने की मांग भी रखी गई।

मांग पत्र में उच्च न्यायालय के निर्णयों का उल्लेख करते हुए पेंशन को 'स्थगित पारिश्रमिक' बताया गया और पूर्व सेवा को पेंशन योग्य मानने की बात कही गई।

महासभा में शिक्षामंत्री के उस बयान का स्वागत किया गया, जिसमें उन्होंने कहा है कि टीईटी के मुद्दे पर समाधान निकाला जाएगा और इस पर विचार किया जा रहा है।

डीएड/बीएड पर चर्चा

बैठक में डीएड या समकक्ष योग्यता रखने वाले शिक्षकों के लिए बीएड कोर्स शुरू करने तथा ओपन बोर्ड के माध्यम से पाठ्यक्रम संचालित करने पर भी चर्चा की गई।

डीएवी विद्यालय में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

दंतेवाड़ा, प्रतिदिन राजधानी

पुलिस अधीक्षक गौरव राय, दंतेवाड़ा के निर्देशन में यातायात पुलिस दंतेवाड़ा द्वारा डीएवी विद्यालय, पातररास दंतेवाड़ा में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नाबालिग छात्र-छात्राओं को वाहन न चलाने के प्रति जागरूक करना, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने पर होने वाले जुर्माना तथा सजा के प्रावधान के बारे में अवगत कराना तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना रहा।

कार्यक्रम में पुलिस द्वारा छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय के स्टॉफ को संबोधित करते हुए कहा गया कि सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण यातायात नियमों की अनदेखी है। यदि प्रत्येक व्यक्ति नियमों का पालन करे, तो अधिकांश दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। यातायात पुलिस द्वारा वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से लापरवाही से होने वाली दुर्घटनाओं के दुष्परिणामों को भी समझाते हुये हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, ओवरस्पीडिंग से बचाव, नशे की हालत में वाहन न चलाने, मोबाइल फोन का प्रयोग न करने तथा यातायात संकेतों के पालन पर विशेष जोर दिया गया।

साथ ही छात्र- छात्राओं को गुड समेरिटन एवं राहवीर योजना के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए आम नागरिक द्वारा किसी दुर्घटना में ''गोल्डर आवर'' में घायल व्यक्ति की जान बचाने पर शासन द्वारा दिये जाने वाले ईनाम के बारे में बताया गया।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 08 अप्रैल 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

हार्दिक की जगह लेने के लिए 2 खिलाड़ियों की जरूरत होगी, वह बेहतरीन ऑलराउंडर हैं : अनिल कुंबले

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने मुंबई इंडियंस (एमआई) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बीच होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 13वें मैच से पहले हार्दिक पांड्या की अहमियत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि हार्दिक की गैरमौजूदगी से एमआई टीम का संतुलन बिगड़ सकता है और उनकी जगह भरने के लिए टीम को दो खिलाड़ियों की जरूरत पड़ेगी। हार्दिक पांड्या बीमार होने की वजह से दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आखिरी मुकाबला नहीं खेल सके हैं। हार्दिक की गैरमौजूदगी में सूर्यकुमार यादव ने मुंबई इंडियंस की कमान संभाली थी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एमआई को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था और टीम को खासतौर पर गेंदबाजी में हार्दिक की कमी महसूस हुई थी। हार्दिक के न खेलने पर मुंबई इंडियंस को अपने अंतिम एकादश में कई बदलाव करने पड़े थे। दीपक चाहर और कॉर्बिन बॉश को टीम में शामिल किया गया था, जबकि विदेशी खिलाड़ियों का संतुलन बनाए रखने के लिए ट्रेंट बोल्ट को बाहर बिठाया गया था।

हालांकि, हार्दिक अब पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले में प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे। कुंबले ने इस बात पर जोर दिया कि पांड्या मुंबई इंडियंस टीम के लिए कितने महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। कुंबले ने 'स्टार स्पोर्ट्स' द्वारा अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में कुंबले ने कहा, 'मुझे लगता है कि मुंबई इंडियंस के लिए प्लेइंग इलेवन में जिन दो खिलाड़ियों की कमी आप बिल्कुल नहीं चाहेंगे, उनमें से एक जाहिर तौर पर जसप्रीत बुमराह हैं और दूसरे हार्दिक पांड्या। हार्दिक पांड्या की जगह लेने के लिए आपको दो खिलाड़ियों की जरूरत पड़ती है। हमने पिछले मैच में देखा कि टीम का संतुलन थोड़ा बिगड़ गया था।' हार्दिक की बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान देने की काबिलियत का जिक्र करते हुए कुंबले ने कहा, 'हार्दिक अगर खेलते हैं, तो बात सिर्फ उनकी बल्लेबाजी की नहीं है, बल्कि जिस तरह से वह बल्लेबाजी करते हैं, उसकी भी है। जिस तरह से वह अलग-अलग परिस्थितियों में बल्लेबाजी करते हैं और उनके चार ओवर। वह नई गेंद से भी गेंदबाजी कर सकते हैं। वह अंतिम ओवरों में भी आकर गेंदबाजी करते हैं। इसी कारण वह एक बेहतरीन ऑलराउंडर हैं।' कुंबले ने इस बात पर जोर दिया कि आधुनिक क्रिकेट में पांड्या जैसे काबिल खिलाड़ी बहुत कम मिलते हैं। उन्होंने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट और अलग-अलग परिस्थितियों में उनकी निरंतरता की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'आपको हार्दिक जैसे बेहतरीन खिलाड़ी रोज-रोज नहीं मिलते। हमने इस पूरे टूर्नामेंट में देखा है कि शायद वही एकमात्र ऐसे ऑलराउंडर हैं जो सबसे अलग नजर आते हैं।' मुंबई इंडियंस को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मिली जीत में हार्दिक ने बल्ले और गेंद से अहम योगदान दिया था। उन्होंने 11 गेंदों में 18 रन बनाने के साथ-साथ एक विकेट भी निकाला था।

पडिक्कल इसी प्रकार खेलते रहे तो भविष्य में भारतीय टीम में जगह मिलना तय : कार्तिक

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) के मेंटर दिनेश कार्तिक ने बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है जिस प्रकार से वह बल्लेबाजी कर रहे है, उससे भविष्य में उनको भारतीय टीम में जगह मिलना तय है। कार्तिक के अनुसार पडिक्कल ने पिछले कुछ से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। जिसपर चयन समिति की नजरें बनी होंगी। साथ ही कहा कि जिस तरह से वह घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बना रहे हैं उससे भी उनकी दावेदारी मजबूत हुई है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ भी इस युवा बल्लेबाज ने जबरदस्त बल्लेबाजी की थी। उन्होंने 29 गेंदों में तेजी से 50 रन बनाए थे। कार्तिक ने कहा कि जिस प्रकार से शुरुआती मुश्किल दौर में पारी के दौरान इस बल्लेबाज ने संयम रखा उसकी भी सराहना होनी चाहिये। कार्तिक ने कहा, सबसे पहली बात जो अह है, वह है पडिक्कल का मजबूत इरादा। इस तरह की पिच पर, जब शुरुआत में रन आसानी से नहीं बनते, तो कई बल्लेबाज बड़ा शॉट खेलने की कोशिश करते हैं और अपनी विकेट खो देते हैं। जब हालात कठिन थे, तब भी धैर्य बनाए रखने के लिए देवदत्त ने बहुत हिम्मत दिखाई। उन्होंने कहा, जैसे ही उन्हें पहली बाउंड्री मिली, उन्होंने अपनी बल्लेबाजी का तरीका बदल दिया। अगर वह इसी तरह बल्लेबाजी करते रहे, तो उन्हें भारतीय टीम में जगह मिलेगी ही इसके अलावा वह ड्रेसिंग रूम में एक लीडर के तौर पर उभरकर सामने आ रहे हैं। वह अपने आइडिया और लीडरशिप से टीम में योगदान दे रहे हैं, और यह देखना बहुत अच्छा लगता है।

गुजरात टाइटंस को राहत, दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच खेलेंगे शुभमन गिल

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस (जीटी) के कप्तान शुभमन गिल आज दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। ओपनिंग पार्टनर बी साई सुदर्शन ने इसकी पुष्टि की है। जीटी और डीसी के बीच यह मुकाबला अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित होगा। मांसपेशियों में खिंचाव के कारण गिल राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ मैच में नहीं उतरे थे। यह मुकाबला जीटी 6 रन से हार गई थी। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुदर्शन ने कहा, 'शुभमन को कोई दिक्कत नहीं है। वह पूरी तरह ठीक हैं, वह ठीक हो जाएंगे। बिल्कुल, हां (वह ओपनिंग करेंगे)।' गुजरात टाइटंस अपने शुरुआती दो मैच गंवा चुकी है। इस टीम को पहले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद उसे राजस्थान रॉयल्स ने 6 रन से हराया। हालांकि, सुदर्शन ने टीम की वापसी करने की क्षमता पर भरोसा जताया है, खासकर टीम के मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाजों पर। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह दोनों का मिला-जुला रूप है, ओपनिंग बल्लेबाजों और टॉप-3 बल्लेबाजों के तौर पर, अगर कोई बल्लेबाज ज्यादा देर तक खेलता है, तो यह टीम के लिए हमेशा एक अच्छी बात होती है। मुझे लगता है कि हमें अपने मिडिल ऑर्डर पर भरोसा है, वे जरूर अच्छा प्रदर्शन करेंगे। यह वही टीम है जिसके साथ पिछले साल खेला था।' उन्होंने कहा, 'अभी सिर्फ दो मैच खेले गए हैं। मेरा और पूरी टीम का मानना है कि हमारा मिडिल ऑर्डर जरूर शानदार प्रदर्शन करेगा और हम मैच जीतेंगे।

गोल्फः आंध्र ओपन 2026 के पहले दिन ध्रुव श्योरन एक शॉट की बढ़त के साथ शीर्ष पर

विशाखापत्तनम। ध्रुव श्योरन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आंध्र ओपन गोल्फ चैंपियनशिप 2026 के पहले दिन चार अंडर 67 का स्कोर बनाकर बढ़त हासिल कर ली है। यह टूर्नामेंट विशाखापत्तनम के ईस्ट प्वाइंट गोल्फ क्लब (ईपीजीसी) में खेला जा रहा है। 31 वर्षीय ध्रुव ने पार-5 12वें होल पर ईगल और पहले से तीसरे होल तक लगातार तीन बर्डी लगाकर लीडरबोर्ड में शीर्ष स्थान हासिल किया। 12वें होल पर उन्होंने 372 यार्ड का लंबा ड्राइव लगाया और शानदार पुट के साथ ईगल पूरा किया। बेंगलुरु के चिक्कारंगप्पा एस. और खालिन जोशी तीन अंडर 68 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर संयुक्त रूप से बने हुए हैं, जो ध्रुव से सिर्फ एक शॉट पीछे हैं। इस 1 करोड़ रुपये की इनामी राशि वाले टूर्नामेंट में पार-5 सातवें होल को बदलकर 477 यार्ड का पार-4 कर दिया गया है, जिससे कोर्स का कुल पार 71 हो गया है। गुरुग्राम के ध्रुव फिलहाल पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में 11वें स्थान पर हैं। उन्होंने अपनी पारी के बारे में कहा कि 12वें होल पर ईगल के बाद उन्हें अच्छा मोमेंटम मिला। हालांकि अंत में कुछ शॉट्स गंवाने के बावजूद वह अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। खालिन जोशी ने भी अपने खेल पर संतोष जताते हुए कहा कि ग्रीन्स को पढ़ना मुश्किल था, लेकिन उन्होंने अच्छी बर्डी बनाई और अगले राउंड्स के लिए उत्साहित हैं।

मोंटे कार्लो ओपनर में हम्बर्ट पर सिनर की आसान जीत

मोंटे कार्लो। मोंटे-कार्लो मास्टर्स में जैनिक सिनर ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। मंगलवार को सिनर ने ह्यूगो हम्बर्ट को सीधे सेटों में मात देकर तीसरे दौर में जगह बनाई। बिना कोई सेट गंवाए अपनी ऐतिहासिक 'सनशाइन डबल' जीत से वर्ल्ड नंबर-2 खिलाड़ी ने क्ले कोर्ट पर भी अपनी बेहतरीन फॉर्म जारी रखी और मोनाको में 6-3, 6-0 से शानदार जीत हासिल की। यह इतालवी खिलाड़ी इस हफ्ते न केवल क्ले कोर्ट पर अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतने का लक्ष्य बना रहा है, बल्कि मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज से रैंकिंग में शीर्ष स्थान वापस पाने के लिए भी मुकाबला कर रहा है। ह्यूगो हम्बर्ट ने आत्मविश्वास के साथ शुरुआत करते हुए अपने इरादे जाहिर किए और शुरुआती रैली जीती। हालांकि, सिनर ने जल्द ही लय पकड़ ली और अपनी खास बेसलाइन पावर और सटीकता के साथ खेल पर हावी होते हुए पहले सेट पर कब्जा कर लिया। एक बार बढ़त बनाने के बाद, 24 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने खेल का स्तर और ऊंचा उठाया। उन्होंने पूरे सेट में अपने प्रतिद्वंद्वी को केवल छह अंक लेने दिए, जिससे क्ले कोर्ट पर उनकी बादशाहत साबित हुई और वह आसानी से आगे बढ़ गए। इस जीत ने मास्टर्स 1000 स्तर पर उसकी शानदार लय को भी आगे बढ़ाया है।

संग्राम सिंह अर्जेंटीना में एमएमए खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने

नई दिल्ली। भारत के संग्राम सिंह ने अर्जेंटीना में मिक्स्ड मार्शल आर्ट् (एमएमए) खिताब जीत लिया है। संग्राम ये एक अहम उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय हैं। संग्राम ने खिताबी मुकाबले में फ्रांस के फाइटर फ्लोरियन को दो मिनट में ही हरा दिया। इस जीत के साथ ही संग्राम ने एक बार फिर अपने को साबित किया है। संग्राम की एमएमए में यह लगातार तीसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने जॉर्जिया के त्बिलिसी और नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम में भी मुकाबले जीते थे। वह कॉमनवेल्थ हेवीवेट चैंपियन भी रहे हैं। वहीं जीत के बाद संग्राम ने कहा, मेरे लिए जीत या हार अधिक महत्वपूर्ण नहीं है। मैं या तो जीतता हूं या सीखता हूं। मैं हमेशा कहता हूं कि जुनून की कोई उम्र नहीं होती। मेरा सपना था कि मैं अर्जेंटीना में जीतने वाला पहला भारतीय बनूं और आज मेरा सपना पूरा हो गया है। संग्राम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच को दिया है। उन्होंने कहा, मैं अपने कोच का आभार व्यक्त करता हूं, जो पिछले 25 साल से मेरे साथ हैं। उन्होंने मेरी सफलता के लिए दिन-रात मेहनत की। संग्राम के सामने फ्लोरियन काफी कमजोर नजर आये भारतीय रेसलर ने उन्हें पहले किक पकड़कर गिराया और फिर अपने दांव आजमाकर मैच अपने नाम कर लिया। संग्राम ने इससे पहले भी कई देशों में हुए खिताबी मुकाबले जीते हैं और वह इस क्षेत्र में देश का नाम रौशन करते आये हैं।

चार मुकाबलों की सीरीज खेलने अर्जेंटीना जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली। भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम चार मुकाबलों की सीरीज में हिस्सा लेने के लिए अर्जेंटीना के दौरे पर जाएगी। यह सीरीज 13 से 17 अप्रैल तक ब्यूनस आयर्स के सेनार्ड में खेली जाएगी। इस सीरीज को विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से अहम बताया जा रहा है। माना जा रहा है कि भारत-अर्जेंटीना के बीच होने वाली यह सीरीज काफी रोमांचक हो सकती है। सीरीज का पहला मुकाबला 13, दूसरा मैच 14, तीसरा मैच 16 और अंतिम मुकाबला 17 अप्रैल को खेला जाना है। यह दौरा बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 और एशियाई खेलों से पहले भारत की तैयारियों के लिहाज से काफी अहम समझा जा रहा है। हाल के वर्षों में भारत और अर्जेंटीना के बीच कांटे की टक्कर

देखने को मिली है और दोनों टीमों के बीच कई शानदार मुकाबले देखने को मिले हैं, जिसमें पिछले साल जून में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 में शूटआउट से तय हुआ 2-2 का रोमांचक ड्रॉ भी शामिल है। यह आगामी दौरा बेहतरीन अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ मैच प्रैक्टिस का अहम मौका देगा, जो हॉकी इंडिया के रणनीतिक कैलेंडर के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। अर्जेंटीना के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करके भारतीय टीम विश्व कप से पहले शानदार लय प्राप्त करना चाहेगी। इस सीरीज में भारतीय टीम को अलग-अलग कॉम्बिनेशन और रणनीतियों को आजमाने का मौका भी मिलेगा। इस दौरे के बारे में बात करते हुए भारतीय मुख्य कोच सजोर्ड मारिन ने कहा, 'हम 24 खिलाड़ियों की टीम के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं और यह एक बहुत ही सोच-समझकर लिया गया फैसला है। इस दौरे का मकसद ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को सबसे ऊंचे स्तर पर प्रदर्शन करने का मौका देना है। अर्जेंटीना दुनिया की बेहतरीन टीमों में से एक है और वहां का माहौल हमें यह समझने में काफी मदद करेगा कि हर खिलाड़ी किस स्थिति में है। हम यह देखना चाहते हैं कि जब सबसे ज्यादा जरूरत पड़ेगी तब कौन सी खिलाड़ी आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेती है। इस टीम में जगह बनाने के लिए आपको सबसे पहले यह साबित करना होगा कि आप एक टीम प्लेयर हैं। व्यक्तिगत काबिलियत जरूरी है, लेकिन अगर आप टीम के साथ तालमेल नहीं बैठा पाते और एक-दूसरे के लिए मिलकर काम नहीं करते, तो इस टीम में जगह बनाना बहुत मुश्किल होगा।'

युवा तेज गेंदबाज वैशाख ने श्रेयस अय्यर को अच्छा कप्तान बनाया

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स टीम ने आईपीएल के इस 19 वें सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम ने अब तक के अपने दोनो मुकाबले आसानी से जीते हैं। पिछले सत्र में भी श्रेयस की कप्तानी में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया था पर तब वह उपविजेता रही थी। अब इस सत्र में टीम का लक्ष्य खिताब जीतना है। टीम के युवा खिलाड़ी भी अपने कप्तान से खुश हैं। इसी कड़ी में तेज तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाख ने अय्यर को एक अच्छा कप्तान बताया और कहा कि कि वह हमेशा अपने साथियों का समर्थन करते हैं। अगर किसी खिलाड़ी का प्रदर्शन कमजोर हो तो भी वह बचाव करते है। एक गेंदबाज के लिए इस प्रकार का समर्थन जरुरी है। वह बेहतीन खिलाड़ी हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि वह जल्द ही टीम इंडिया के कप्तान बनेंगे। वैशाख ने अय्यर के व्यवहार को टीम की सफलता की बड़ी वजह बताया। उन्होंने कहा, वह टीम का माहौल हमेशा हल्का रखते हैं। वह हर खिलाड़ी से एक जैसा व्यवहार करते हैं, चाहे वह सीनियर हो या जूनियर। यही चीज हमें और ज्यादा सहज बनाती है। इस युवा तेज गेंदबाज ने साथ ही कहा, मैं कभी भी जाकर उनसे बात कर सकता हूं। उनका दरवाजा हमेशा खुला रहता है। वह खिलाड़ियों को सुनते हैं और समझते हैं, जो एक अच्छे कप्तान की पहचान है। श्रेयस अभी भारतीय एकदिवसीय टीम के उपकप्तान हैं। पिछले सीजन में अय्यर ने पंजाब की ओर से 17 पारियों में सबसे अधिक 604 रन बनाए थे।

भारत की अंडर-17 फुटबॉल महिला टीम रूस के खिलाफ तीन फ्रेंडली मैच खेलेगी

नई दिल्ली। भारत की अंडर-17 फुटबॉल महिला टीम 11, 14 और 17 अप्रैल को रूसी शहर सोची में रूस के खिलाफ तीन फ्रेंडली मैच खेलेगी। मुख्य कोच पामेला कोंटी ने इन मुकाबलों के लिए 23 खिलाड़ियों की टीम चुनी है। ये तीनों मैच सोची के मात्सेस्ता फुटबॉल सेंटर में खेले जाएंगे। एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप चीन 2026 की तैयारी कर रही भारतीय टीम सोमवार देर रात सोची पहुंची। पिछले महीने वे मेजबान टीम के खिलाफ दो फ्रेंडली मैच खेलने के लिए यांगून गई थीं। भारतीय टीम ने दोनों ही मुकाबलों में जीत दर्ज की थी। वहां से लौटने के बाद कोच पामेला कोंटी की टीम ने बेंगलुरु में अपना ट्रेनिंग कैंप जारी रखा था। टीम ने दो अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली मुकाबलों में से पहले मैच में म्यांमार पर 2-0 से शानदार जीत हासिल की थी। प्रितिका बर्मन ने दोनों गोल करके अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने हाफ-टाइम से ठीक पहले और फिर दूसरे हाफ की शुरुआत में गोल किया। भारत ने एक संयमित और संतुलित प्रदर्शन किया था, जिसमें अभिस्ता बसनेत और एलिजाबेथ लाकरा की अगुवाई में मजबूत डिफेंस भी देखने को मिला था, जबकि गोलकीपर मुन्नी ने कोई गोल न होने दिया था। सूजौ शहर में होने वाले एशियाई कप में भारत ग्रुप बी में 2 मई को ऑस्ट्रेलिया, 5 मई को जापान और 8 मई को लेबनान का सामना करेगा।

रूस के खिलाफ फ्रेंडली मुकाबलों के लिए भारत की अंडर-17 महिला टीम गोलकीपर- मुन्नी, शेल्ना मारिया साजित, तंफासाना देवी कोनजेंगबम। डिफेंडर- एलेना देवी सारंगथेम, अलीशा लिंगदोह, दिव्यानी लिंडा, एलिजाबेथ लाकरा, जोयशिनी चानू हुइड्रोम, रितु बडाइक, तानिया देवी तोनामबम। मिडफील्डर- अभिस्ता बासनेट, अल्वा देवी सेनजाम, बोनिफिलिया शुल्लई, जुलान नोंगमैथेम, प्रितिका बर्मन, रेडिमा देवी चिंगखामायुम, थंडामोनी बास्की। फॉरवर्ड- अनुष्का कुमारी, अनविता रघुरामन, जोया, ओलिविया चानू निंगथौजम, पर्ल फर्नांडिस, वैलैना फर्नांडिस।

जैसा वह चाहते थे, वैसा तालमेल बैठाना मुमकिन नहीं था, अलोंसो से अनबन पर बोले विनीसियस

मैड्रिड। रियल मैड्रिड के फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर ने माना कि पूर्व कोच जाबी अलोंसो के साथ उनके रिश्ते मुश्किल भरे थे। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि मौजूदा कोच अल्वारो अर्बेलोआ के साथ उनके रिश्ते कहीं ज्यादा बेहतर हैं। रियल मैड्रिड के चैंपियंस लीग क्वार्टर फाइनल के पहले लेग में अपने घरेलू मैदान पर बायर्न म्यूनिख के खिलाफ मैच से पहले प्रेस से बात करते हुए विनीसियस से अलोंसो के साथ उनके रिश्तों के बारे में पूछा गया। अलोंसो को जनवरी में पद संभालने के महज सात महीने से कुछ ज्यादा समय बाद ही बर्खास्त कर दिया गया था।

अक्टूबर में रियल मैड्रिड और एफसी बार्सिलोना के बीच इस सीजन की पहली भिड़ंत के दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट किए जाने के बाद अपने गुस्से भरे रिएक्शन से इस फॉरवर्ड ने विवाद खड़ा कर दिया था। उन्होंने माना कि हर कोच का अपना एक तरीका होता है, लेकिन वह 'उनके (अलोंसो के) चाहे अनुसार उनके साथ तालमेल नहीं बैठा पाए।

उन्होंने कहा, 'वह एक मुश्किल दौर था क्योंकि मैंने बहुत सारे मैच खेले, लेकिन मुझे खेलने का ज्यादा समय नहीं मिला। कोच का अपना एक तरीका होता है। हर कोच का अपना एक अंदाज होता है और मुझे लगता है कि जैसा वह चाहते थे और जैसा टीम चाहती थी,

वैसा तालमेल बिठाना मुमकिन नहीं था। हालांकि, यह एक सीखने वाला अनुभव था। मैंने बहुत कुछ सीखा और उस दौरान खिलाड़ियों ने भी मेरी काफी मदद की।' उन्होंने कहा कि अलोंसो के साथ उनकी दिक्कतें एक सीखने वाला अनुभव थीं, लेकिन साथ ही यह भी जोड़ा कि अब बी-टीम के पूर्व बॉस अर्बेलोआ के साथ उनका एक खास रिश्ता है। उन्होंने कहा, 'काफी सोचने-विचारने के बाद एक इंसान के तौर पर मुझमें काफी सुधार आया है और मुझे उम्मीद है कि अर्बेलोआ के साथ भी मैं इसी तरह आगे बढ़ पाऊंगा, जिनके साथ मेरा एक बहुत ही शानदार रिश्ता है। उन्होंने हमेशा मेरा हौसला बढ़ाया है और मुझे बताया है कि मुझे क्या करना है। मैं इस क्लब के लिए बेहतरीन मैच खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार और तत्पर हूं, जिसने मुझे इतना कुछ दिया है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं जाबी अलोंसो के साथ अपने निजी रिश्तों की बात नहीं कर रहा हूं। मैं तो खेल के तरीके और मैदान पर जो कुछ हुआ, उसके बारे में बात कर रहा हूं। अर्बेलोआ के साथ मेरा एक खास रिश्ता रहा है, ठीक वैसा ही जैसा एंसेलोटी के साथ था। उन्होंने हमेशा मुझे आत्मविश्वास दिया है। यह साफ किया है कि वे मुझसे क्या उम्मीद करते हैं और मैं इस टीम के लिए अपना सब कुछ देता हूं, जैसा मैंने हमेशा किया है और हमेशा करता रहूंगा।' नस्लवाद के खिलाफ लड़ाई में हुई प्रगति के बारे में पूछे जाने पर विनीसियस ने कहा, 'यह हमेशा बात करने के लिए एक मुश्किल विषय होता है, लेकिन ऐसा अक्सर होता है। मुझे उम्मीद है कि हम इस लड़ाई को जारी रख पाएंगे। यह जरूरी है कि लामिन यामल अपनी बात रखें और इससे दूसरों को मदद मिल सकती है। हम मशहूर हैं, हमारे पास पैसा है, और हम चीजों को बेहतर ढंग से संभाल सकते हैं, लेकिन गरीब लोग, हर जगह मौजूद अश्वेत लोग, निश्चित रूप से हमसे ज्यादा मुश्किलों का सामना करते हैं। हमें एकजुट रहने की जरूरत है।'

अभय सिंह को एल गौना स्क्वैश ओपन के दूसरे दौर में मिली हार

नई दिल्ली। भारत के अभय सिंह को पीएसए प्लैटिनम स्तर के टूर्नामेंट एल गौना ओपन के दूसरे दौर में मिस्र के यूसुफ इब्राहिम के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इब्राहिम ने एक बार फिर अपने बाएं कंधे की चोट से जूझते हुए अभय को पांच गेम में 3-2 (68 मिनट में 7-11, 11-9, 9-11, 11-5, 11-8) से हराया। इससे पहले, अभय ने पहले दिन पुरुषों के शुरुआती राउंड में मिस्र के वर्ल्ड नंबर 13 अली अबू एलेनिन को 9-11, 11-8, 3-11, 11-4, 11-8 से हराया था। वहीं, खेल के तीसरे दिन वर्ल्ड नंबर 4 करीम गवाद ने अपने हमवतन मिस्र के यूसुफ सोलिमन के साथ 109 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की। यह 2013 के बाद से पीसीए स्क्वैश टूर पर गवाद का सबसे लंबा मैच था। 34 साल के गवाद ने अपना संयम बनाए रखा और 1-2 से

पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए वर्ल्ड नंबर 12 को 5-11, 14-12, 8-11, 11-8, 11-9 के स्कोर से हरा दिया। इस बीच, विश्व के नंबर 2 खिलाड़ी पॉल कोल ने मलेशिया के नंबर एक खिलाड़ी ईन यो एनजी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 11-7, 11-2, 11-8 से जीत दर्ज की और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका अगला मुकाबला यूसुफ इब्राहिम से होगा। विश्व रैंकिंग में नंबर 8 पर मौजूद मोहम्मद जकारिया ने जोएल मैकिन के साथ अपना दबदबा कायम रखा। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन में मिली हार का बदला लेते हुए नंबर 5 वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ सीधे गेम में शानदार जीत दर्ज की।

18 साल के वर्ल्ड जूनियर चैंपियन ने ब्रिटिश नेशनल चैंपियन मैकिन को 11-6, 11-5, 11-5 से हराया। महिलाओं के वर्ग में वर्ल्ड नंबर 2 नूर एलशेरबिनी शानदार फॉर्म में दिखीं। उन्होंने मेलिसा अल्वेस को हराकर आसानी से क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। 8 बार की वर्ल्ड चैंपियन ने मैच की शुरुआत से लेकर आखिरी पॉइंट तक सटीक और शानदार प्रदर्शन किया और 11-3 के स्कोर के साथ आसानी से अंतिम आठ में प्रवेश किया।

एलशेरबिनी ने मेलिसा अल्वेस को 11-3, 11-7 से हराया। एक अन्य मैच में दुनिया की नंबर 4 खिलाड़ी ओलिविया वीवर ने मिस्र की खिलाड़ी फरीदा मोहम्मद के खिलाफ मैच खेला। शुरुआत में फरीदा ने अच्छा खेल दिखाया, लेकिन ओलिविया ने वापसी की और मैच चार गेम में 3-1 से जीत लिया। ओलिविया ने 43 मिनट तक चले मुकाबले में फरीदा को 8-11, 11-8, 11-4, 11-8 से हराते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बनाई।

सैमसन के कमजोर प्रदर्शन से चिंतित नहीं कोच फ्लेमिंग

बेंगलुरु। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने ट्रेड डील के जरिये हासिल किया था पर वह शुरुआती तीनो ही मैचों में असफल रहे हैं। जिससे सीएसके को भी काफी नुकसान हुआ है और टीम तीनो मैचों में हारी है हालांकि सैमसन की इस प्रकार असफल होने से टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग चिंतित नहीं हैं। फ्लेमिंग का कहना है कि सैमसन के तीन मैच के खराब प्रदर्शन से परेशान होने की जरुरत नहीं है। कोच ने कहा कि वह हाल ही में टीम में आये हैं और टीम के माहौल के अनुसार रहने की प्रक्रिया से गुजर रहा है पर रन बनाने और टीम की सफलता में योगदान देने के लिए पूरी तरह से समर्पित है। सैमसन अब तक तीन मैचों में छह, सात और 9 रन ही बना पाये हैं। फ्लेमिंग ने कहा, जब आप किसी फ्रेंचाइजी में लंबे समय से खेल रहे हों तो फिर किसी नई टीम में जाने के बाद एकद से अलग माहौल मिलता है जिससे ढलने में समय लगता है। भले ही वह शायद काफी सहज महसूस करता हो, फिर भी अपनेपन की भावना बनी रहती है और वह इस टीम के माहौल में ढलने की प्रक्रिया से गुजर रहा है। फ्लेमिंग ने कहा कि ये विकेटकीपर बल्लेबाज हासिल करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, टीम पांच या छह बदलाव हुए हैं।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 08 अप्रैल 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

आज भी 'खल्लास गर्ल' कहे जाने पर खुशी होती है, हर कलाकार को ऐसा प्यार नहीं मिलता : ईशा कोप्पिकर

ईशा कोप्पिकर किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। इस हसीन एक्ट्रेस को लोग आज भी 'खल्लास गर्ल' के नामे से पहचानते हैं। ईशा कोप्पिकर ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 1997 में तेलुगू फिल्म से की थी। इसके बाद उन्होंने तमिल सिनेमा और बॉलीवुड में भी खूब काम किया। ईशा ने बीच में फिल्मों से ब्रेक लिया था, पर अब वह फिर से एक्टिव हैं। साल 2024 में वह तमिल फिल्म 'ऐलान' में नजर आईं और वेब सीरीज का भी हिस्सा रही हैं।

'खल्लास गर्ल' कहे जाने पर ईशा कोप्पिकर का रिएक्शन

बीते दिनों जब एक इवेंट में ईशा कोप्पिकर पहुंचीं तो मंच पर आते ही सभी ने 'खल्लास गर्ल' का शोर मचाना शुरू कर दिया। अपनी वही पुरानी मुस्कान के साथ ईशा ने कहा, 'सच कहूं तो, यह सुनकर आज भी बहुत खुशी होती है। खल्लास गाना (2002) हर किसी के लिए एक यादगार पल था। जब यह रिलीज हुआ था, तब लोगों की दीवानगी देखने लायक थी। आज भी लोग मुझे देखकर खल्लास गर्ल कहकर बुलाते हैं। हर कलाकार को ऐसा प्यार नहीं मिलता, इसलिए यह मेरे लिए गर्व की बात है।'

'ओटीटी पर मिलती है काम करने की आजादी'

ईशा कोप्पिकर का कहना है कि ओटीटी कलाकारों के लिए आजादी लेकर आया है। साउथ और बॉलीवुड की फिल्मों और वेब सीरीज में काम कर चुकीं ईशा कहती हैं, 'हर प्लेटफॉर्म ने मुझे कुछ नया सिखाया है। साउथ इंडियन फिल्मों में अनुशासन और काम के प्रति समर्पण कमाल का है। बॉलीवुड ने मुझे पहचान और शोहरत दी। वहीं, ओटीटी पर कंटेंट बहुत बेबाक है। यहां आप किसी तरह की समयसीमा में बंधे बिना, असल और मुश्किल कहानियां दिखा सकते हैं। एक कलाकार के तौर पर यह आज़ादी बहुत मायने रखती है।'

'बदलाव लाने के लिए राजनीति में आई'

एक समय ईशा ने राजनीति में भी हाथ आजमाया था। 2019 में राजनीति से जुड़ने के सवाल पर ईशा ने कहा, 'मेरा मकसद ग्लैमर या पावर पाना नहीं था, बल्कि समाज में योगदान देना था। मैं महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर अपनी आवाज उठाना चाहती थी। आज भी मैं सक्रिय हूं और आसपास की चीजों पर नजर रखती हूं। भविष्य में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी या नहीं, यह तो वक्त बताएगा। लेकिन मैं स्पष्ट तौर पर यह कह सकती हूं कि मेरी नीयत साफ है।'

'मुश्किल वक्त ही आपका शिक्षक होता है'

ईशा का मानना है कि मुश्किलें ही इंसान को गढ़ती हैं। उन्होंने कहा, 'मुश्किल दौर आपको किसी भी गुरू या किताब से ज्यादा सिखाता है। मेरे करियर और जीवन में ऐसे कई दौर आए, जब चीजें आसान नहीं थीं और मुझे अपनी जगह बनाए रखने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्हीं पलों ने मुझे मजबूती और एक स्पष्ट सोच दी। आज मैं जो कुछ भी हूं, अपने संघर्षों की वजह से ही हूं। यह कहना गलत नहीं होगा कि महिलाएं सिर्फ मुश्किलों से बचती नहीं हैं, बल्कि उनसे लड़कर खुद को बदल लेती हैं।'

'फिट रहना मुझे सुकून देता है'

अपनी फिटनेस और बेटी के साथ बनाई जाने वाली रील्स पर बात करते हुए ईशा ने कहा, 'फिटनेस मेरे लिए बहुत जरूरी है। यह मेरे मेंटल सुकून का जरिया है। जहां तक सब कुछ संभालने की बात है, तो महिलाओं में एक साथ कई काम करने की खूबी होती है। मैंने समय के साथ यह समझा है कि पहले फैमिली और हेल्थ होना चाहिए, फिर बाकी सब।'

मैं तो मजबूरी में लेखक-डायरेक्टर बना, इमरान सर के गानों पर स्कूल में नाचा हूं : अदिवि शेष

'गुडाचारी', 'मेजर' और 'हिट द सेकंड केस' जैसी कामयाब फिल्मों के लिए मशहूर साउथ सिनेमा के युवा स्टार अदिवि शेष अब एक और ऐक्शन-रोमांस से भरपूर फिल्म 'डकैत' लेकर आ रहे हैं।

'कर्मा' और 'किस' जैसी शुरुआती फिल्मों में आप ऐक्टर के साथ राइटर-डायरेक्टर भी रहे। अभी डायरेक्शन से दूरी बना रखी है। क्या वापस यह डबल रोल निभाने का इरादा है?

'कर्मा' बनाने के बाद ही मुझे अहसास हुआ कि मैं अच्छा डायरेक्टर नहीं हूं। असल में, लेखन और निर्देशन मेरी मजबूरी थी क्योंकि बतौर ऐक्टर ऐसे रोल नहीं मिल रहे थे, जैसा मैं करना चाहता था। जिस तरह की स्क्रिप्ट्स मुझे पसंद थी, वे मिल नहीं रही थी। मुझे यह भी नहीं पता था कि इंडस्ट्री के अंदर कैसे आना है? वह विश्वसनीयता और सम्मान कैसे कमाऊं? तो मैंने खुद फिल्में लिखीं और बनाई। वो मेरी जरूरत थी। फिर, बाद में जब वो जगह बन गई तो मैं वो (ऐक्टिंग) कर रहा हूं, जो हमेशा से करना चाहता था। राइटिंग भी मेरी ऐक्टिंग को ही मजबूत करने का जरिया है।

'डकैत' में आप अपने फैंस के पसंदीदा ऐक्शन अवतार में हैं। इन दिनों ऐक्शन का दौर चल भी खूब रहा है। हालांकि, उसमें हिंसा और वीभत्स सीन पर भी काफी जोर दिख रहा है। आप इसकी क्या वजह मानते हैं?

'डकैत' ऐक्शन फिल्म नहीं है। यह लव स्टोरी में ऐक्शन है। इसमें दो पूर्व प्रेमी हैं, जो कभी एक दूसरे से प्यार करते थे। अब ऐसे माहौल में मिले हैं जहां डकैती हो रही है। गोलियां चल रही हैं। इन सबके बीच उनके पुराने प्यार का क्या होता है, ये कहानी है। रही हिंसा की बात तो अभी जमाना ही ऐसा है। दुनिया में जिस बेरहमी से मिसाइलें

दागी जा रही है, वो हम सब देख रहे हैं। मुझे लगता है कि फिल्मों से ज्यादा हिंसा अभी असल दुनिया में है। रही बात ट्रेंड की, तो मुझे लगता है कि कोई भी ट्रेंड तब तक रहता है, जब तक दूसरा उसे तोड़ नहीं देता है। मैंने यश चोपड़ा जी का एक इंटरव्यू पढ़ा था जिसमें वे कह रहे थे कि एक दिन मरीन ड्राइव पर उन्होंने देखा कि हर होर्डिंग पर 4-4 हीरो बंदूकों के साथ दिख रहे थे। ऐसे वक्त में उन्होंने 'चांदनी' बनाने की सोची, जो क्लासिक बनी। जब रोमांस अपने चरम पर था, उस दौर में 'गदर' जैसी ऐक्शन और 'लगान' जैसी देसी फिल्म सुपरहिट हुई थी। इसलिए, ट्रेंड जो भी हो, आप कुछ भी अच्छे से बनाओ, उसकी बढ़िया मार्केटिंग करो तो वो चलेगी ही चलेगी। इसी कॉन्फिडेंस के साथ हमने ऐक्शन के इस दौर में एक लव स्टोरी बनाई है।

'डकैत' में आपके खिलाफ अनुराग कश्यप विलन की भूमिका में हैं। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

हम बहुत लकी हैं क्योंकि वह बहुत विनम्र और निष्ठावान इंसान हैं। वह इतने मशहूर राइटर-डायरेक्टर हैं, पर जितने सामान्य तरीके से काम कर रहे थे, जैसे हमसे बात कर रहे थे, मानो खुद एक स्टूडेंट हों तो बहुत अच्छा अनुभव रहा। हमने 'डकैत' को अलग अलग भाषाओं में शूट किया है। इसके हिंदी वर्जन के डायलॉग में उन्होंने काफी गाइडेंस दिया तो इंडिया के बेस्ट डायलॉग लेखक हमें फ्री में मिल गए। उनके स्किल्स से हमें बहुत मदद मिली। 145 दिनों के शूट में उन्होंने एक बार पूछा कि क्या मैं एक शॉट में आपको डायरेक्ट कर सकता हूं, वो भी बहुत ही प्यार से और उस छोटे से सीन को उन्होंने जैसे शूट किया, वो एक किस्म का मास्टर क्लास था। मैंने स्कूल में था, जब उनकी फिल्म ब्लैक फ्राइडे देखी थी, तबसे उनका फैन हूं।

आप 'डकैत' के साथ 'गुडाचारी' का सीक्वल 'जी 2' भी शूट कर रहे हैं। दोनों के बीच में तालमेल बिठाने में कोई चुनौती आई?

'जी 2' हमने थोड़ा ही शूट किया है। अभी ज्यादा ध्यान 'डकैत' पर है क्योंकि यह पहले रिलीज है। इसके बाद मैं, वामिका गब्बी, इमरान खान सर, सब फिर से उस फिल्म पर काम करना शुरू करेंगे। इन दोनों के साथ काम करने में भी बड़ा मजा आ रहा है। इमरान सर कमाल के ऐक्टर हैं। वो लेजेंड हैं। मैंने स्कूल में उनके गानों पर डांस किया है। मेरे लिए, अक्खा बॉलिवुड एक तरफ और इमरान सर के गाने एक तरफ जैसा आलम था। वहीं, वामिका को हाल ही में मैं चिढ़ा रहा था कि तुम मेरी फिल्म 'डकैत' के खिलाफ अपनी 'भूत बंगला' रिलीज कर रही हो।

इन दिनों दर्शकों में थिएटर में फिल्म देखने के बजाय ओटीटी पर उसके आने का इंतजार करने की मेंटालिटी भी दिख रही है। 'बूंग', 'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' जैसी अच्छी फिल्में भी थिएटर में नहीं चली। क्या आप भी ये बदलाव महसूस कर रहे हैं?

हर जमाने का अपना पॉजिटिव और नेगेटिव होता है। 80 के दशक में वीएचएस की वजह से लोग थिएटर नहीं जा रहे थे। 2000 से 2010 तक वीसीडी आ गई, मतलब फिल्म मॉर्निंग शो में चलती थी और दोपहर तक सड़क पर मिल जाती है। पिछले 10 साल से जबसे मैं इंडस्ट्री में आया हूं, हर साल यही सुनता हूं कि लोग आजकल थिएटर में जा रहे हैं, मगर मेरा पर्सनल अनुभव रहा है कि मेरी सबसे बड़ी फिल्में थिएटर में तब चली हैं, जब कोई थिएटर नहीं जा रहा। मेजर कोविड के बीच में हिट हुई। उसके बाद हिट द सेकेंड केस, तब हिट हुई जब कोविड के बाद थिएटर बस खुले ही थे। तब भी बड़े-बड़े फिल्ममेकर्स कह रहे थे अभी कोई नहीं जा रहा, तो मुझे लगता है कि आपकी थोड़ी किस्मत होनी चाहिए। साथ ही अपने देश में हम स्टार्स की अहमियत से इंकार नहीं कर सकते हैं। ऐसे में, पिक्चर अच्छी है, मगर उसमे बड़े स्टार नहीं है तो सफलता के लिहाज से चुनौती होती है। मैं खुद बाहर से आया हूं।

राजकुमार राव की आगामी फिल्म टोस्टर का ट्रेलर जारी

बॉलीवुड की अपकमिंग फिल्म टोस्टर का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा और राजकुमार राव की यह फिल्म एक ऐसे आदमी के बचत करने के पक्के इरादे की कहानी है, जो चाहे कुछ भी हो जाए, बचत करना नहीं छोड़ता है। ट्रेलर में राजकुमार राव रमाकांत नामक प्यारे और सीधे-सादे कंजूस के रोल में दिख रहे हैं। रमाकांत को लगता है कि हर बचाया हुआ रुपया उसकी बड़ी जीत है। वह रोजमर्रा की छोटी-छोटी चीजों से भी ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने की कोशिश करता है और जिस चीज पर एक बार पैसे खर्च कर देता है, उसे आसानी से जाने नहीं देता। रमाकांत बचत करने के मामले में एक बिल्कुल ही नए स्तर पर पहुंच जाता है। कहानी में मोड़ तब आता है, जब रमाकांत और उसकी पत्नी एक शादी में किसी को टोस्टर गिफ्ट करते हैं। बाद में उसे पता चलता है कि उस कपल का तलाक हो गया और टोस्टर दान कर दिया गया। यह सुनकर वह परेशान हो जाता है और टोस्टर वापस लाने के लिए निकल पड़ता है। टोस्टर वापस लाने की इस कोशिश में वह खुद और अपने आसपास के लोगों को अजीब और मुश्किल हालात में फंसा देता है। वह जितनी बार चीज़ों को ठीक करने की कोशिश करता है, उतनी ही ज्यादा परेशानी बढ़ती जाती है। फिल्म को लेकर अभिनेता राजकुमार राव ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, फिल्म टोस्टर मेरे लिए एक खास फिल्म है क्योंकि यह हमारे प्रोडक्शन हाउस, कम्पा फिल्म के तहत हमारी पहली फिल्म है और इसे पत्रलेखा ने प्रोड्यूस किया है। मैं फिल्म की कहानी को दर्शकों तक पहुंचाने के लिए सच में बहुत उत्साहित हूं। इस फिल्म की जिस बात ने मुझे सबसे ज्यादा आकर्षित किया है वह थी कि कैसे छोटी सी चीज किसी इंसान के दिमाग पर पूरी तरह से हावी हो सकती है। उन्होंने अपने किरदार को लेकर कहा, रमाकांत ऐसा व्यक्ति है जो सोचता है कि जो वह कर रहा है, वह बिल्कुल सही है। वह अपने कामों को अतिवादी नहीं बल्कि व्यावहारिक मानता है। लेकिन यही बात इस पूरी यात्रा को अनोखा और अप्रत्याशित बना देती है। यह कहानी बहुत वास्तविक जीवन से जुड़ी हुई है। धीरे-धीरे ईमानदारी को अराजकता में बदलते देखना ही इस फिल्म को मजेदार बनाता है। इतनी

शानदार कास्ट के साथ काम करना भी बहुत अच्छा अनुभव रहा। नेटफ्लिक्स के साथ दोबारा काम करना भी खुशी की बात है। उन्होंने हमेशा नई कहानियों को आगे बढ़ाया है। निर्देशक विवेकदास चौधरी इस फिल्म से डायरेक्टोरियल डेब्यू कर रहे हैं और राजकुमार राव की पत्नी और अभिनेत्री पत्रलेखा के प्रोडक्शन हाउस कम्पा फिल्म की पहली फिल्म है। पत्रलेखा द्वारा निर्मित फिल्म टोस्टर में राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा के अलावा अभिषेक बनर्जी, अर्चना पूरन सिंह, फराह खान, जितेंद्र जोशी, उपेन्द्र लिमये और सीमा पाहवा जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।

24 अप्रैल को दोबारा चुनिंदा सिनेमा घरों में रिलीज होगी फिल्म देव डी

आगामी 24 अप्रैल को कल्ट फिल्म देव डी एक बार फिर पीवीआर आइनॉक्स के जरिए चुनिंदा सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज होगी। इस फिल्म में अभय देओल, माही गिल और कल्कि कोचलिन ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं। अपनी अनोखी कहानी, प्रयोगधर्मी शैली और यादगार संगीत के चलते यह फिल्म समय के साथ कल्ट का दर्जा हासिल कर चुकी है। अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी यह फिल्म शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के मशहूर उपन्यास 'देवदास' का आधुनिक रूपांतरण है, जिसमें पारंपरिक प्रेम कहानी को आज के भारत की जटिलताओं के साथ जोड़ा गया। अब इसकी दोबारा रिलीज पुराने दर्शकों के लिए नॉस्टैल्जिया का मौका है, वहीं नई पीढ़ी के लिए इसे बड़े पर्दे पर अनुभव करने का अवसर। फिल्म को लेकर अनुराग कश्यप का कहना है कि 'देव डी' एक विद्रोही सोच से बनी थी। वह क्लासिक 'देवदास' के रोमांटिक मिथक को तोड़कर उसके किरदार की कमजोरियों और जटिलताओं को सामने लाना चाहते थे। उनके मुताबिक, इस फिल्म का देव कोई आदर्श प्रेमी नहीं, बल्कि एक खामियों से भरा, आवेगी और कई बार नापसंद किया जाने वाला इंसान है, जो अपनी ही गलतियों में उलझा रहता है। फिल्म में पारो और चंदा के किरदारों को भी नई सोच के साथ गढ़ा गया। पारो को सिर्फ इंतजार करने वाली प्रेमिका नहीं, बल्कि अपने फैसले लेने वाली मजबूत महिला के रूप में दिखाया गया, जबकि चंदा का किरदार आत्मनिर्भरता और पहचान की नई परिभाषा पेश करता है।

दिलजीत दोसांझ अपनी जड़ों से जुड़े शानदार कलाकार हैं नई फिल्म में दिखेगा अलग अंदाज : इम्तियाज अली

फिल्म निर्माता-निर्देशक इम्तियाज अली अपकमिंग फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर उत्साहित हैं। इस बीच वह फिल्म में लीड एक्टर के तौर पर नजर आने वाले दिलजीत दोसांझ की तारीफ करते नजर आए। उन्होंने कहा कि दिलजीत में बहुत गहराई, विनम्रता है और वह अपनी जड़ों से जुड़े शानदार कलाकार हैं। इम्तियाज अली 'मैं वापस आऊंगा' में दिलजीत के साथ फिर से काम कर रहे हैं। 'अमर सिंह चमकीला' के बाद यह इम्तियाज अली और दिलजीत दोसांझ की दूसरी फिल्म है।

इम्तियाज अली ने हाल ही में फिल्म के प्रमोशन के दौरान दिलजीत के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि दिलजीत में एक कलाकार के रूप में गहराई के साथ-साथ समाज की समझ और

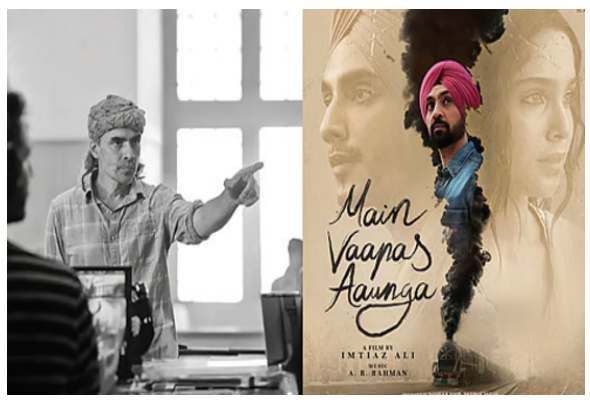

इंसानियत भी है। वह अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं और हमेशा साफ-सुथरे और बेहतरीन तरीके से काम करते हैं। इम्तियाज अली ने कहा, 'दिलजीत में बहुत गहराई है, पवित्रता है। वह कुछ खास लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह खुद को एक्टर कहते ही नहीं हैं, लेकिन उन्हें कई बड़े अवॉर्ड मिल चुके हैं। मैं उनमें सबसे पहले एक अभिनेता के रूप में दिलचस्पी रखता हूं।' फिल्म मेकर ने आगे बताया कि दिलजीत के कई पहलू हैं और इस अपकमिंग फिल्म में उन सभी को दिखाने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि 'मैं वापस आऊंगा' में दिलजीत आज के समय की चिंताओं, उनकी सोच और उनकी गहराई को अपनी पूरी आत्मा से व्यक्त करते नजर आएंगे, जो दर्शकों को पसंद आएगा। इम्तियाज अली ने कहा कि 'अमर सिंह चमकीला' में दिलजीत अपनी जड़ों को दिखा चुके थे, लेकिन इस फिल्म में वे आज के दौर की बात कर रहे हैं, जो और भी सही और प्रासंगिक है। फिल्म जुदाई, भारत के बंटवारे और उसके बाद के दर्द जैसे संवेदनशील विषयों को छूती है। दिलजीत दोसांझ इस फिल्म में मुख्य भूमिका में हैं। इम्तियाज अली की फिल्म का निर्माण अप्लॉज एंटरटेनमेंट और विंडो सीट फिल्म्स द्वारा किया जा रहा है। फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' का हिंदी ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड की अपकमिंग फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' का हिंदी ट्रेलर रिलीज हो गया है। अभिनेत्री मृणाल ठाकुर और अदिवि शेष की मच-अवेटेड यह फिल्म सिर्फ एक लव स्टोरी नहीं, बल्कि बदले की एक खौफनाक दास्तां है। ट्रेलर की शुरुआत काफी खूबसूरत दिखती है, जहां मृणाल और अदिवि का रोमांस, उनके साथ जीने-मरने के वादे और एक छोटे से परिवार का सपना दिखाया गया है। लेकिन कहानी में मोड़ तब आता है, जब अचानक सब कुछ बिखर जाता है। हीरो यानी हरि (अदिवि शेष) खुद को जेल की सलाखों के पीछे पाता है और सबसे बड़ा झटका उसे तब लगता है, जब उसकी अपनी प्रेमिका ही कोर्ट में उसके खिलाफ गवाही दे देती है। बेगुनाह होने के बावजूद हरि को सजा काटनी पड़ती है और यहीं से उसके मन में प्यार की जगह नफरत और बदले की आग सुलगने लगती है। जेल से बाहर आने के बाद हरि का एक ही मकसद है- अपनी प्रेमिका से उस धोखे का हिसाब लेना। कहानी में एक बड़ा ट्विस्ट तब आता है, जब पता चलता है कि मृणाल किरदार में एक बच्ची की मां बन चुकी है और हरि इस सच्चाई से पूरी तरह अनजान है। वह मृणाल को भी उसी अंधेरे रास्ते पर घसीटना चाहता है, जहां उसने अपनी जिंदगी बर्बाद की। ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे वह मृणाल को मजबूर करता है कि वह उसके साथ मिलकर चोरियां करे और अपराध की दुनिया का हिस्सा बने। फिल्म में एक्शन के साथ-साथ एक बहुत ही 'इंटेंस' और डार्क रोमांस पेश किया गया है।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने उचित मूल्य दुकान का किया औचक निरीक्षण

दुर्ग (प्रतिदिन राजधानी)

दुर्ग विधानसभा अंतर्गत गयानगर वार्ड क्रमांक 04 में आज वार्ड भ्रमण के दौरान केबिनेट मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने शासकीय उचित मूल्य की दुकान का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित हितग्राहियों से सीधे संवाद कर राशन वितरण व्यवस्था की जानकारी ली तथा उन्हें मिलने वाली राशन सामग्री के संबंध में विस्तृत चर्चा की।

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री यादव ने स्वयं हितग्राही के चावल को मापकर दुकान में उपलब्ध माप यंत्र की सटीकता की जांच की, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक पात्र हितग्राही को निर्धारित मात्रा में पूर्ण एवं सही राशन प्राप्त हो। इस पहल के माध्यम से वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने एवं आम नागरिकों का विश्वास सुदृढ़ करने का प्रयास किया गया। मंत्री श्री यादव ने हितग्राहियों को उनके अधिकारों एवं निर्धारित राशन की जानकारी देने के निर्देश भी दिए, ताकि वे स्वयं भी व्यवस्था की पारदर्शिता में सहभागी बन सकें।

मंत्री श्री यादव ने वार्डवासियों से चर्चा करते हुए उनकी समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक दिशा–निर्देश दिए, जिससे राशन वितरण व्यवस्था को और अधिक सुचारु, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का मुख्य उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इसके लिए सरकार एवं प्रशासन द्वारा निरंतर निगरानी रखी जा रही है तथा जनता से संवाद स्थापित किया जा रहा है, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता की गुंजाइश न रहे।

शोक समाचार

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग (RES) के सेवानिवृत्त अनुविभागीय अधिकारी श्री सुमंत कुमार वर्मा जी का आज एम्स (AIIMS), रायपुर में निधन हो गया है।

वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे और अस्पताल में उपचाराधीन थे। उनके निधन से विभाग और सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। वे अपने पीछे पुत्र जगदीश वर्मा गोविंद वर्मा पुत्री मिन्टी वर्मा सहित भरा–पूरा परिवार और स्मृतियों का अनमोल खजाना छोड़ गए हैं।

तिरुपति-रक्सौल-तिरुपति के मध्य सात फेरे के लिए समर स्पेशल ट्रेन की सुविधा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आगामी समर मौसम के दौरान यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय रेल द्वारा अनेक समर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन करने की योजना बनाई गई है, जिसमे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से भी समर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा ।

इसी कड़ी में रेलवे द्वारा समर के अवसर पर तिरुपति–रक्सौल मार्ग की गाड़ियों में समर मौसम होने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए तिरुपति एवं रक्सौल के मध्य सात फेरे के लिये समर स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है । यह स्पेशल गाड़ी तिरुपति से गाड़ी संख्या 07051 नम्बर के साथ प्रत्येक सोमवार को दिनांक 13, 20 और 27 अप्रैल, 04, 11, 18 और 25 मई, 2026 को रक्सौल के लिए रवाना होगी तथा रक्सौल से गाड़ी संख्या 07052 नम्बर के साथ प्रत्येक गुरुवार को दिनांक 16, 23 और 30 अप्रैल, 07, 14, 21 और 28 मई, 2026 को तिरुपति के लिए रवाना होगी । इस समर स्पेशल ट्रेन में 03 एसी टू , 05 एसी थ्री, 10 स्लीपर, 06 सामान्य कुल 24 कोच रहेगी ।

इस गाड़ी का दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में ठहराव की समय सारणी इस प्रकार है :– गाड़ी संख्या 07051 नंम्बर तिरुपति से 08.15 बजे रवाना होकर दूसरे दिन गोंदिया 09.10/09.25 बजे, दुर्ग 11.50/11.55 बजे, रायपुर 12.30/12.35 बजे, बिलासपुर 14.25/14.40 बजे, झारसुगुड़ा 18.05/18.07 बजे, तीसरे दिन रक्सौल 17.00 बजे पहुचेगी । इसी प्रकार विपरीत दिशा में भी गाड़ी संख्या 07052 नम्बर रक्सौल से 03.15 बजे रवाना होकर दूसरे दिन झारसुगुड़ा 01.53/01.55 बजे, बिलासपुर 04.40/04.50 बजे, रायपुर 06.20/06.25 बजे, दुर्ग 07.15/07.20 बजे, गोंदिया 09.20/09.30 बजे, तीसरे दिन तिरुपति 09.30 बजे पहुचेगी ।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जोन क्रमांक-7 रायपुर

निविदा आमंत्रण सूचना

प्रथम निविदा

क्रमांक 76/जोन क्र.–07/न.पा.नि./2026 रायपुर, दिनांक 06.04.2026

नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु छ.ग. शासन लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीकृत ठेकेदारों से कम/अधिक प्रतिशत दर में PWD में प्रभावशील (भवन/सड़क) (SOR 01.01.2015) PHE मे प्रभावशील (SOR 01.06.2020) Electrical & Mechanical में प्रभावशील (SOR 01.06.2020) एवं आज दिनांक तक संशोधित दर अनुसार निर्धारित विहित प्रपत्र में पंजीकृत डाक, स्पीड पोस्ट के माध्यम से तीन लिफाफा पध्दती से नियमानुसार सीलबंद निविदाएं जोन आयुक्त, जोन क्रमांक 07, नगर पालिक निगम, रायपुर के पते पर आमंत्रित की जाती है। कार्य की अमानत राशि का एफ.डी. आर., आयुक्त, नगर पालिक निगम, रायपुर के नाम से मान्य होगा एवं मूल एफ.डी.आर. एवं शपथ पत्र के साथ एक छायाप्रति भी संलग्न करें। निविदा का विवरण निम्नानुसार है:–

01. निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि दिनांक 21/04/2026 संध्या 5.30 बजे तक।
02. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 27/04/2026 संध्या 5.00 बजे तक।
03. निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि दिनांक 27/04/2026 संध्या 5.30 बजे तक।

कार्य का विवरण निम्नानुसार :–

क्र.	कार्य विवरण	निविदा फार्म	आगणित राशि	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	समयावधि
1	2	4	5	6	7	8	9
1	प्रभारी निधि मद से बढ़ाई पारा वार्ड क्रं. 36 तात्यापारा वार्ड जोन क्रं. 7 दुलार विश्वकर्मा धरमशाला में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य।	A/B/C	980000	10000	750	लो.नि.वि. में एकल पद्धति से 'डी' श्रेणी या उससे उच्चतर श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार/ फर्म	120 दिन
2	प्रभारी निधि मद से तात्यापारा वार्ड क्रं. 36 जोन क्रं. 07 अंतर्गत श्री शंकर सेवक समाज हाण्डीपारा वार्ड क्रं. 36 तात्यापारा वार्ड में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य।	A/B/C	500000	5000	750		120 दिन
3	संधारण मद से संत रामदास वार्ड क्रमांक 25 में पॉवर पंप सेट रिवेयरिंग एवं निकालने व डालने का कार्य।	A/B/C	300000	3000	750		90 दिन
4	संधारण मद से शहीद मनमोहन सिंह बक्शी वार्ड क्रमांक 23 एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड क्रमांक 24 में पॉवर पंप सेट रिपेयरिंग एवं निकालने व डालने का कार्य।	A/B/C	400000	4000	750		90 दिन
5	संधारण शहीद चुडामणी नायक वार्ड क्रमांक 37 अंतर्गत पार्षद गली एवं कृष्णा एड्ललैब्स के पास चेम्बर एवं नाली मरम्मत कार्य।	A/B/C	200000	2000	300		60 दिन
6	संधारण मद से पं. ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड क्रमांक 22 कुकुरबेड़ा क्षेत्र में नाली मरम्मत का कार्य।	A/B/C	100000	2000	300		60 दिन
7	संधारण मद से पं. ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड क्रमांक 22 कुकुरबेड़ा क्षेत्र में सी.सी. रोड़ मरम्मत का कार्य।	A/B/C	150000	2000	300		60 दिन
8	एन.आई.टी. परिसर हेतु 4'' पेयजल कनेक्शन किये जाने का कार्य।	A/B/C	296000	3000	750		60 दिन

नियम एवं शर्ते :– (भाग 1)

01. निविदा संबंधित समस्त दस्तावेज तीन लिफाफा पद्धति पर आमंत्रित होकर तद्अनुसार ही प्रस्तुत की जानी होगी। प्रथम लिफाफा में राष्ट्रियकृत बैंक की ई.एम.डी./ एफ .डी.आर. /शपथ पत्र/ एवं समस्त दस्तावेज, दूसरे लिफाफे में सिर्फ निविदा प्रपत्र सील बंद कर दोनों लिफाफो को तीसरे लिफाफे में सील बंद कर निविदा रजिस्टण्ड/ स्पीड पोस्ट द्वारा निर्धारित समयावधि में प्रस्तुत करना होगा। 02. निविदा संबंधी समस्त अधिकार आयुक्त नगर पालिक निगम को होगा। विस्तृत जानकारी जोन कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। 03. जीवित पंजीयत होना अनिवार्य है। 04. GST, 05. GST RI last 3month, 06. ITR last 3 years 7. Bank Solvency Certificate, 08. Pan card संबंधी दस्तावेज भी प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

नियम एवं शर्ते :– (भाग 2)

1. नये पंजीकृत ठेकेदार/फर्म हेतु GST Reg. तिथि के अनुसार GST Return last Month का देना होगा।
2. नये पंजीकृत ठेकेदार/फर्म पंजीयन तिथि के अनुसार I.T.R. एक साल का मान्य होगा।
3. निविदा फार्म कार्यलय से उपलब्ध होगी। शेष नियम एवं शर्ते यथावत रहेगी।

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक–07
नगर पालिक निगम, रायपुर

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत बच्चों की हुई निःशुल्क हृदय जांच, 918 बच्चों की हुई स्क्रीनिंग

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन रायपुर द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए चलाई जा रही योजना प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत ज़िले भर में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभिनव पहल का उद्देश्य है – बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय रहते पहचान कर उन्हें बेहतर और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन तथा श्री सत्य साई हॉस्पिटल के सहयोग से आज अभनपुर टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 1 एवं 2 खंडवा में 154 बच्चों की स्क्रीनिंग, आरंग टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 1 एवं 2 उमरिया में 134 बच्चों की स्क्रीनिंग, धरसीवां टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 1 एवं 2 धनेली में 120 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम ए द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 1 एवं 2 टिकरापारा नगर में 132 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई।

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने
लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर
मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस - कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर
मो. 93294-07988

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1,
रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर- I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर
मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर
फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर
फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल,
पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर,
रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप
मो. 98267-01259, 62642-74844

माँ एड एजेंसी
ग्राउण्ड फ्लोर, मंजीत टॉवर, रायपुरा चौक के पास, रायपुर
Website: www.maaadagency.com
मो. 78691-87165

दैनिक प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार
के 25 वर्ष पूर्ण होने पर
आकर्षक ऑफर कम दर में
क्लासीफाईड विज्ञापन
प्रकाशित करें

- पब्लिक नोटिस
- आम सूचना
- कोर्ट नोटिस
- खरीदी बिक्री
- आवश्यकता

संपर्क करें:-
शारदा चौक, रायपुर (छ.ग.)
9806044444
pratidincg@gmail.com
https://epaper.pratidinrajdhani.in

अखबार पढ़ने के लिए स्केन करे :-
VISIT US ON SCAN

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 8 अप्रैल 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

अप्राकृतिक कृत्य में नाकाम होने पर 7 साल के बच्चे की हत्या, पड़ोसी गिरफ्तार

कोरबा, प्रतिदिन राजधानी

पाली थाना क्षेत्र के ग्राम गणेशपुर में 7 वर्षीय मासूम की गुमशुदगी का मामला अब हत्या में बदल गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि बच्चे की हत्या उसी गांव के एक युवक ने की, जिसने पहले उसके साथ अप्राकृतिक हरकत करने की कोशिश की थी। विरोध करने पर आरोपी ने पत्थर से हमला कर उसकी जान ले ली। पुलिस के अनुसार, मृतक आयान (7 वर्ष) 2 अप्रैल की दोपहर अपने दोस्तों के साथ गांव के तालाब में नहाने गया था। नहाने के बाद अन्य बच्चे तो घर लौट आए, लेकिन आयान वापस नहीं पहुंचा। देर शाम तक जब वह घर नहीं लौटा तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। आसपास और रिश्तेदारों के यहां तलाश की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला।

इसी बीच जानकारी मिली कि आयान को आखिरी बार गांव के ही 19 वर्षीय रंजीत कुमार उर्रे के साथ देखा गया था। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। गांव में बैठक भी हुई और लोगों ने मिलकर बच्चे की तलाश शुरू की, लेकिन दूसरे दिन भी कोई सुराग नहीं मिला।

जांच के दौरान पुलिस को संदेह के आधार पर रंजीत को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने सनसनीखेज खुलासा किया। उसने बताया कि वह नशे की हालत में था और बच्चे को बहाने से सूनसान जगह पर ले गया। वहां उसने अनैतिक कृत्य की कोशिश की। जब बच्चा जोर-जोर से चिल्लाने लगा, तो पकड़े जाने के डर से आरोपी ने पास पड़े पत्थर से उसके सिर पर कई वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी ने सबूत मिटाने के लिए शव को पास के कुएं में फेंक दिया और सामान्य तरीके से घूमता रहा, ताकि किसी को शक न हो। हालांकि पुलिस की सख्ती के आगे वह ज्यादा देर टिक नहीं सका और अपना जुर्म कबूल कर लिया। पाली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

सड़क हादसे के बाद कार आग के हवाले, तीन गिरफ्तार

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

ग्राम लोखंडी मार्ग पर एक कार द्वारा राहगीर को टक्कर लगने के बाद आक्रोशित भीड़ ने वाहन को आग के हवाले कर दिया। मामले में पुलिस ने जांच के बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गोकुलधाम घुरू निवासी रामेश्वर सूर्यवंशी अपनी स्विफ्ट डिजायर कार से लोखंडी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अचानक सड़क पर गायों का झुंड आ गया। उन्हें बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित हो गई और एक राहगीर को टक्कर लग गई।

हादसे के बाद मौके पर मौजूद घायल के बेटे राजा निषाद और उसके साथियों ने चालक से गाली-गलौज शुरू कर दी। स्थिति बिगड़ती देख चालक रामेश्वर अपनी जान बचाने के लिए कार छोड़कर पास के खेत में छिप गया।

इसके बाद गुस्साए युवकों राजा निषाद, कृष कुर्रे और प्रदीप वर्मा ने मिलकर कार में आग लगा दी। देखते ही देखते कार पूरी तरह जलकर राख हो गई, जिससे वाहन मालिक को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। सकरी थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षक रूपेश तिग्गा ने मामले की विस्तृत जांच की। प्रत्यक्षदर्शियों राहुल चंद्राकर और पवन सिंह ठाकुर के बयान दर्ज किए गए। मौके के निरीक्षण और ग्रामीणों से पूछताछ के बाद यह स्पष्ट हुआ कि आरोपियों ने जानबूझकर वाहन में आग लगाई थी।

रॉन्ग साइड से आए ट्रैक्टर ने बाइक को रौंदा, युवक की मौत, दो गंभीर

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, , प्रतिदिन राजधानी

जिले के गौरेला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पिपरिया में रॉन्ग साइड से आ रहे एक बेकाबू ट्रैक्टर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार, पिपरिया निवासी भरत सिंह, छोटेलाल और सुखराम तीनों युवक एक ही मोटरसाइकिल से नदी से नहाकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान पड़खुरी की ओर से आ रहा ट्रैक्टर जो कृषि उपकरणों से लदा हुआ था, गलत दिशा में लापरवाही से चलाया जा रहा था।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रैक्टर चालक नशे की हालत में था। तेज रफ्तार और लापरवाही के चलते उसने बाइक को सीधे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों युवक ट्रैक्टर के बड़े पहियों और उससे जुड़े उपकरणों के नीचे फंस गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं।

घटना के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए डायल 112 की मदद से तीनों घायलों को जिला अस्पताल गौरेला पहुंचाया, जहां उनका इलाज शुरू किया गया। इलाज के दौरान भरत सिंह ने दम तोड़ दिया, जबकि छोटेलाल और सुखराम की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए बिलासपुर रेफर किया गया। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मौके पर ही ट्रैक्टर चालक को घेरकर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। गौरेला पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर ट्रैक्टर जब्त कर लिया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

कोकराझार से चिरांग तक तोखन साहू का जनसंपर्क अभियान

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

असम विधानसभा चुनाव में मतदान की तिथि करीब आने के साथ-साथ राजनीतिक गतिविधियां तेज हो रही हैं। इसी क्रम में केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने कोकराझार और चिरांग जिलों में सघन जनसंपर्क और चुनावी प्रचार कर एनडीए के पक्ष में माहौल मजबूत करने का प्रयास किया।

एनडीए उम्मीदवारों के समर्थन में सभाएं ले रहे केंद्रीय राज्य

साहू ने कोकराझार जिले के गोसाईगांव विधानसभा क्षेत्र के तेलीपारा शक्ति केंद्र में एनडीए प्रत्याशी सब्रम बसुमतारी के समर्थन में लोगों से मुलाकात की और सरकार की योजनाओं को लेकर चर्चा की। उन्होंने क्षेत्र के मतदाताओं से विकास और स्थिर शासन के नाम पर समर्थन मांगा। इसके बाद उन्होंने चिरांग जिले के सिदली विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक बड़ी जनसभा को संबोधित किया।

इस दौरान एनडीए प्रत्याशी पनीराम ब्रह्मा के समर्थन में उन्होंने जनता से अपील की।

सभा में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी देख उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी चुनाव में एनडीए को व्यापक समर्थन मिलेगा।

साहू ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा और एनडीए की सरकार विकास, सुशासन और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्ध है।

उन्होंने दावा किया कि जनता का

कलेक्टर का आदेश रद्द, सीईओ को बहाल करने कहा हाईकोर्ट ने

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कलेक्टर के अधिकारों की सीमा स्पष्ट कर दी है। अदालत ने कहा है कि कलेक्टर को जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के प्रभार में बदलाव करने का अधिकार नहीं है। मामले में कलेक्टर द्वारा जारी आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ता को उनके मूल पद पर बहाल करने का निर्देश दिया गया है।

यह मामला बिलासपुर निवासी शुभा दामोदर मिश्रा का है। उन्हें 18 जून 2025 को रायपुर स्थित आदिम जाति विकास विभाग के सचिव द्वारा जनपद पंचायत गौरेला (जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही) में सीईओ के पद पर पदस्थ किया गया था। वह लगातार इस पद पर कार्यरत थीं।

लेकिन 11 मार्च 2026 को गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के कलेक्टर ने एक आदेश जारी कर उन्हें सीईओ के प्रभार से मुक्त करते हुए सहायक आयुक्त, आदिम जाति विकास कार्यालय गौरेला में पदस्थ कर दिया।

इस आदेश को चुनौती देते हुए शुभा मिश्रा ने अपने अधिवक्ता अभिषेक पांडेय और ऋषभदेव साहू के माध्यम से हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की। याचिका में तर्क दिया गया कि 11 अप्रैल 2025 को आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार, राज्य सरकार द्वारा नियुक्त जनपद पंचायत सीईओ को हटाने का अधिकार कलेक्टर को नहीं है। इसके लिए राज्य सरकार की पूर्व अनुमति आवश्यक है।

मामले की सुनवाई पार्थ प्रतिम साहू की एकलपीठ में हुई। सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने याचिका को स्वीकार करते हुए कलेक्टर के आदेश को निरस्त कर दिया। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि संबंधित प्रक्रिया का पालन किए बिना इस तरह की कार्रवाई वैध नहीं मानी जा सकती।

दिव्यांगता प्रमाणपत्र पर फैसला सिर्फ मेडिकल बोर्ड करेगा

एसडीएम का आदेश रद्द, शिक्षक के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की सिफारिश खारिज

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि दिव्यांगता प्रमाणपत्र की वैधता तय करने का अधिकार केवल सक्षम मेडिकल बोर्ड के पास है। कोर्ट ने एसडीओ (राजस्व) द्वारा शिक्षक पर फर्जी प्रमाणपत्र का आरोप लगाते हुए की गई कार्रवाई को अवैध ठहराते हुए उसका आदेश निरस्त कर दिया।

मामला महासमुंद जिले के सहायक शिक्षक लखन बिहारी पटेल का है। वर्ष 2010 में उन्हें दिव्यांग श्रेणी के तहत नियुक्ति मिली थी, जिसके लिए जिला मेडिकल बोर्ड ने उन्हें 45.4 प्रतिशत श्रवण दिव्यांगता प्रमाणित किया था। बाद में दिसंबर 2017 में उनके भाई कैलाश चंद्र पटेल ने पारिवारिक जमीन विवाद के चलते शिकायत दर्ज कराई, जिसमें प्रमाणपत्र को फर्जी बताया गया। इस शिकायत के आधार पर कलेक्टर ने एसडीओ (राजस्व) को जांच के निर्देश दिए। जांच के बाद 13 अगस्त 2020 को एसडीओ ने आदेश जारी कर प्रमाणपत्र को संदिग्ध बताते हुए शिक्षक के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की सिफारिश कर दी।

मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति अमितेंद्र किशोर प्रसाद की एकलपीठ में हुई। अदालत ने पाया कि एसडीओ न तो इस विषय में वैधानिक प्राधिकारी हैं और न ही चिकित्सा विशेषज्ञ, इसलिए वे इस तरह का निर्णय नहीं दे सकते।

कोर्ट ने यह भी कहा कि 2018 की ऑडियोमेट्रिक रिपोर्ट के आधार पर 2010 के प्रमाणपत्र को गलत ठहराना उचित नहीं है, क्योंकि समय के साथ दिव्यांगता की स्थिति बदल सकती है। साथ ही, अदालत ने माना कि जांच के दौरान दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की धारा 52 में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया और याचिकाकर्ता को अपना पक्ष रखने का उचित अवसर भी नहीं दिया गया।

कोर्ट ने एसडीओ का आदेश और आपराधिक कार्रवाई की सिफारिश दोनों को रद्द करते हुए संबंधित अधिकारी को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता का मूल प्रमाणपत्र तुरंत लौटाया जाए। हालांकि, अदालत ने यह स्पष्ट किया कि यदि आवश्यक हो तो सक्षम मेडिकल बोर्ड के माध्यम से निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए प्रमाणपत्र की जांच की जा सकती है।

तालापारा में एसी कंप्रेसर फटा : दुकान में धमाका, दो सगे भाई झुलसे

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

शहर के तालापारा क्षेत्र में सोमवार को एक दुकान के भीतर एसी कंप्रेसर फटने से बड़ा हादसा हो गया। इस विस्फोट में दो सगे भाई गंभीर रूप से झुलस गए। धमाका इतना तेज था कि आसपास के इलाके में दहशत फैल गई और लोग घरों-दुकानों से बाहर निकल आए। घटना कुम्हारपारा रोड स्थित तैयबा चौक के पास परफेक्ट सॉल्यूशन नामक दुकान में हुई। जानकारी के मुताबिक, रविवार की शाम करीब 6 बजे दुकान के अंदर आरिफ मिर्जा और उनके भाई शब्बीर मिर्जा उर्फ पप्पू काम कर रहे थे। कंप्रेसर फट गया, जिससे दोनों सीधे उसकी चपेट में आ गए।

विस्फोट के बाद दुकान के अंदर रखा सामान और उपकरण भी क्षतिग्रस्त हो गए। धमाके की आवाज दूर तक सुनी गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना के तुरंत बाद दुकान से धुआं उठने लगा और अंदर से चीख-पुकार सुनाई दी। आसपास मौजूद दुकानदारों और राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को बाहर निकाला।

सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस के प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसा एक एसी की मरम्मत के दौरान हुआ। आशंका जताई जा रही है कि गैस रिफिलिंग के दौरान अधिक दबाव या किसी तकनीकी खराबी के कारण कंप्रेसर में विस्फोट हुआ।

कभी दूर चलकर पीने का पानी लाते थे, अब रोज घर में ही मिल जाता है

महासमुंद, प्रतिदिन राजधानी

जिले के विकासखंड पिथौरा अंतर्गत ग्राम बिराजपाली में आज हर घर जल की उपलब्धता ग्रामीणजनों के जीवन में खुशियां लेकर आई है। ग्रामीण बताते हैं कि जहां कभी ग्रामीणों को पेयजल के लिए हैंडपंप या दूरस्थ जल स्त्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था। वहीं अब हर घर जल योजना अंतर्गत हर घर तक नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित हो चुकी है। ग्राम बिराजपाली में 21 फरवरी को हर घर जल का सफल प्रमाणीकरण किया गया। योजना के अंतर्गत ग्राम के कुल 182 घरों को नल कनेक्शन प्रदान किया गया है, जिससे प्रत्येक परिवार को घर पर ही स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। जल आपूर्ति के सुचारू संचालन एवं रखरखाव के लिए ग्राम जल समिति का गठन किया गया है, जो प्रत्येक परिवार से 60 रुपये प्रतिमाह जलकर के रूप में संग्रह कर योजना की स्थिरता एवं निरंतरता सुनिश्चित कर रही है। ग्राम में जलापूर्ति के लिए 94.27 लाख रुपए की लागत से 40 किलोलीटर क्षमता की ओवरहेड टंकी का निर्माण किया गया है। इसके साथ ही लगभग 2270 मीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई गई है। जिसके माध्यम से सभी घरों तक पानी पहुंचाया जा रहा है। इसके अलावा ग्राम में 13 हैंडपंप एवं 3 पावर हैं। इस उपलब्धि में ग्राम के सरपंच एतराम साहू एवं यह कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जा सका। इस योजना से लाभान्वित हितग्राही श्याम बाई बताती हैं कि अब उन्हें पानी के लिए दूर नहीं जाना पड़ता। समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है।

मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति तथा जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) के अंतर्गत वर्ष 2026-27 हेतु रूचि की अभिव्यक्तिआमंत्रित किए गए हैं। इस योजना का उद्देश्य अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के ग्रामीण प्रतिभावान विद्यार्थियों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों में निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है, जिससे उन्हें बेहतर करियर चयन, प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता एवं बहुमुखी व्यक्तित्व विकास के अवसर प्राप्त हो सकें। योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित सीबीएसई एवं आईसीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों (जहां शाला एवं छात्रावास एक ही परिसर में स्थित हों) का चयन किया जाएगा। चयनित संस्थाओं में प्रवेशित विद्यार्थियों का समस्त मान्य शुल्क विभाग द्वारा वहन/प्रतिपूर्ति किया जाएगा।

आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि इच्छुक एवं पात्र संस्थाओं से रूचि की अभिव्यक्ति प्रारूप में प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। संस्थाओं को कर बुक बाईडिंग करनी होगी। तैयार प्रस्ताव एक बड़े लिफाफे में जिला सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग, रायगढ़ कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से जमा करना अनिवार्य होगा।

बिजली बिल बकायादारों को बड़ी राहत, समाधान योजना से मिल रही भारी छूट

मुंगेली, प्रतिदिन राजधानी

राज्य शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 के तहत जिले के विद्युत उपभोक्ताओं को बकाया बिजली बिल में उल्लेखनीय राहत प्रदान की जा रही है। शिविर के माध्यम से न केवल उपभोक्ताओं का आर्थिक बोझ कम हो रहा है, बल्कि वे आसानी से अपने लंबित बिलों का भुगतान भी कर पा रहे हैं। विद्युत विभाग द्वारा वार्ड स्तर पर लगाए जा रहे शिविरों के माध्यम से लोगों को योजना की जानकारी देकर मौके पर ही पंजीयन एवं समाधान की सुविधा दी जा रही है। इसी क्रम में नगर पालिका मुंगेली के विभिन्न वार्डों में उपभोक्ताओं को योजना का लाभ मिल रहा है। नगर पालिका के ठक्कर बापा वार्ड निवासी श्री साहेब लाल का कुल 31 हजार 616 रुपए का बिजली बिल बकाया था, जिसमें उन्हें 25 हजार 628 रुपए की छूट प्राप्त हुई। इसी प्रकार श्री अयोध्या जोशी का 32 हजार 804 रुपए का बकाया था, जिसमें उन्हें 9 हजार 088 रुपए की छूट प्रदान की गई। योजना के तहत मिली इस राहत से दोनों उपभोक्ताओं ने संतोष व्यक्त किया है। योजना के अंतर्गत बीपीएल, घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को बकाया राशि में विशेष छूट दी जा रही है। बीपीएल उपभोक्ताओं को मूल राशि में 75 प्रतिशत तक तथा अधिभार में 100 प्रतिशत छूट का प्रावधान है, वहीं घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को मूल राशि में 50 प्रतिशत तथा अधिभार में पूर्ण छूट दी जा रही है। इसके अलावा, बकाया अवधि के आधार पर भी छूट का लाभ मिल रहा है, जिससे पुराने बकायादार उपभोक्ताओं को विशेष राहत मिल रही है। योजना में एकमुश्त भुगतान के साथ-साथ किश्तों में भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे उपभोक्ताओं के लिए भुगतान और अधिक आसान हो गया है।

एडीएम एवं जिला सीईओ ने की समीक्षा बैठक योजनाओं में समयबद्ध प्रगति के दिए निर्देश

मुंगेली, प्रतिदिन राजधानी

जिले में संचालित शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं निर्धारित लक्ष्यों की समय पर पूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार आज जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में समय-सीमा की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक अपर कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी एवं जिला पंचायत सीईओ श्री प्रभाकर पांडेय ने ली। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं, कार्यक्रमों एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सभी योजनाओं में लक्ष्य आधारित एवं समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित की जाए, साथ ही कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

बैठक के दौरान अग्निवीर भर्ती के तहत ऑनलाइन पंजीयन की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अधिक से अधिक युवाओं को पंजीयन के लिए प्रेरित किया जाए तथा इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। ई-ऑफिस के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए एडीएम ने सभी विभागों को शत-प्रतिशत कार्य ई-ऑफिस के माध्यम से संचालित करने के निर्देश दिए, ताकि कार्यप्रणाली में पारदर्शिता एवं गति लाई जा सके। उन्होने जनगणना कार्य की प्रगति पर चर्चा करते हुए बेहतर कार्ययोजना बनाकर व्यवस्थित रूप से कार्य संपादित करने के निर्देश दिए। साथ ही जनजागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर दिया गया। धान उठाव की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि इस सप्ताह के भीतर शत-प्रतिशत उठाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिला पंचायत सीईओ श्री प्रभाकर पांडेय ने प्रधानमंत्री जनमन योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए लक्षित उपलब्धि प्राप्त करने हेतु ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत शेष लगभग 15 हजार आवासों के शीघ्र पूर्णता पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को ग्राम पंचायतों का नियमित निरीक्षण करने, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा आवश्यक मानव संसाधनों की उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश भी दिए। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए पेयजल व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए पीएचई विभाग की समीक्षा की गई। जानकारी दी गई कि जिले के 08 गांवों में पूर्ण जल प्रदाय सुनिश्चित किया जा चुका है।

जिला पंचायत सीईओ ने सभी जनपद पंचायतों को निर्देशित किया कि पंचायतवार पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करें, आवश्यकतानुसार नए बोर एवं सिंटेक्स टंकियों की स्थापना करें तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट की स्थिति उत्पन्न न होने दें। उन्होंने इस कार्य में संवेदनशीलता और तत्परता से काम करने के निर्देश दिए। बैठक समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक के लिए पंजीयन एवं सोलर सिस्टम इंस्टॉलेशन की गति बढ़ाने के निर्देश दिए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान एमबीयू एवं आधार पंजीयन की स्थिति पर चर्चा की गई।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार 08 अप्रैल 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

उपराष्ट्रपति ने नई दिल्ली में इग्नू के 39वें दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

- इग्नू समावेशी और सुलभ उच्च शिक्षा का वो स्तंभ है, जहां छात्रों की संख्या कई देशों की जनसंख्या से अधिक है: उपराष्ट्रपति
- आधुनिक विकास को परंपराओं के अनुरूप होना चाहिए; वैज्ञानिक प्रगति नैतिक मूल्यों से निर्देशित होनी चाहिए: उपराष्ट्रपति

इग्नू के दीक्षांत समारोह में 32 लाख से अधिक छात्रों ने डिग्री, डिप्लोमा और प्रमाण पत्र प्राप्त किए

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (आईजीएनओयू - इग्नू) के 39वें दीक्षांत समारोह में भाग लिया, जहां 32 लाख से अधिक छात्रों ने अपनी डिग्री, डिप्लोमा और प्रमाण पत्र प्राप्त किए।

उपराष्ट्रपति ने इग्नू की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए इसे देश की खुली और दूरस्थ शिक्षा प्रणाली का स्तंभ बताया, जिसने देश भर में उच्च शिक्षा को सबके लिए महत्वपूर्ण रूप से सुलभ बनाया है। इसके समावेशी विस्तार पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि इग्नू में 14 लाख से अधिक छात्र हैं, जिनमें 56 प्रतिशत महिलाएं और 58 प्रतिशत ग्रामीण तथा वंचित समुदायों से आते हैं। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के छात्रों की संख्या कई देशों की जनसंख्या से अधिक है, जो शैक्षिक समानता, सामाजिक गतिशीलता और राष्ट्रीय विकास में इसके महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाती है। उन्होंने छात्रों को आजीवन सीखते रहने, मूल्यों को बनाए रखने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि इग्नू अपने स्थापित दूरस्थ शिक्षा मॉडल के कारण सुदृढ़ बना रहा। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने निर्बाध शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्वयं और ई-ज्ञानकोष जैसे डिजिटल प्लेटफार्मों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया और यह प्रौद्योगिकी-आधारित शिक्षा में अग्रणी बनकर उभरा।

उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को अपनाए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि इग्नू ने कई निकास विकल्पों (स्नातक कार्यक्रम के दौरान बीच में प्रमाण-पत्र के साथ पाठ्यक्रम छोड़ना) के साथ चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम शुरू किए हैं, जिससे उच्च शिक्षा अधिक लचीली और छात्र-केंद्रित हो गई है। उन्होंने आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय ज्ञान प्रणालियों के एकीकरण की भी सराहना की।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे उभरते उपकरण सीखने के अनुभवों को बेहतर बना सकते हैं, छात्रों को बेहतर सहायता प्रदान कर सकते हैं और व्यक्तिगत शिक्षा को सक्षम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक विकास से डरने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जब देश में कंप्यूटर आए थे, तब आशंकाएं थीं कि कंप्यूटर नौकरियां छीन लेंगे; हालांकि, अंततः कंप्यूटर आने से अधिक रोजगार सृजित हुए और राष्ट्रीय विकास में योगदान बढ़ा।

उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीकों को भी इसी तरह से अपनाया जाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने ऐसी तकनीकों के जिम्मेदार और जवाबदेह उपयोग की जरूरत पर बल दिया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत नैतिक मूल्यों में उसका विश्वास है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आधुनिक विकास हमारी परंपराओं के साथ-साथ चलना चाहिए और वैज्ञानिक प्रगति नैतिक मूल्यों से निर्देशित होनी चाहिए।

उन्होंने अपने संबोधन के समापन में सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया और कहा कि व्यक्तिगत प्रयास, जब संयुक्त रूप से किए जाएंगे, तो वर्ष 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण में इससे काफी मदद मिलेगी।

उपराष्ट्रपति ने देश भर के छात्रों की सुगमता सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय शैक्षणिक भंडार (एनएडी) के तहत डिजिलॉकर पर प्रमाण पत्र जारी किए। उन्होंने इग्नू पूर्व छात्र पोर्टल का भी शुभारम्भ किया, जिसमें 50 लाख से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू; इग्नू की कुलपति प्रो. उमा कांजीलाल; और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने देश भर के क्षेत्रीय इग्नू केंद्रों में स्वयं प्रभा स्टूडियो का भी शुभारम्भ किया। त्रिपुरा के राज्यपाल इंद्र सेना रेड्डी नल्लू, गोवा के राज्यपाल पुसापति अशोक गजपति राजू, राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा और अन्य गणमान्य व्यक्ति अपने-अपने राज्य के क्षेत्रीय इग्नू केंद्रों से आभासी माध्यम से इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर जयपुर से शुरू हुआ कृषि सुधारों का नया अध्याय

- पश्चिमी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन में किसानों की आय बढ़ाने, फूड सिक्योरिटी और न्यूट्रीशन पर तीन बड़े लक्ष्य
- विकसित कृषि संकल्प अभियान और स्टेट एग्रीकल्चर रोडमैप से खेती की नई तस्वीर- शिवराज सिंह

नई दिल्ली। जयपुर में आज पश्चिमी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन से कृषि सुधारों के नए युग की मजबूत शुरुआत हुई, जहाँ केंद्र–राज्य साझेदारी, किसानों की आय वृद्धि, फूड व न्यूट्रीशन सिक्योरिटी, फार्मर आईडी आधारित डिजिटल कृषि और लचीली योजनाओं के क्रियान्वयन पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने साफ रोडमैप रखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'सशक्त किसान, समृद्ध भारत' के विजन को धरातल पर उतारने के लिए क्षेत्रीय कॉन्फ्रेंस की यह नई श्रंखला केंद्र और राज्यों के लिए साझा 'एक्शन-प्लेटफ़ॉर्म' के रूप में सामने आई हैं।

जोनल कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समग्र कृषि विकास का नया ढांचा

जयपुर के होटल मैरियट में आयोजित पश्चिमी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि एक दिन की औपचारिक रबी–खरीफ मीटिंग की जगह अब अलग-अलग एग्रो-क्लाइमेटिक ज़ोन के लिए गंभीर, विषय-आधारित क्षेत्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित की जा रही हैं। सम्मेलन की इस नई श्रृंखला की शुरुआत राजस्थान की धरती से होना उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण बताया, जहाँ राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गोवा के कृषि मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक और प्रगतिशील किसान एक मंच पर जुटे, वहीं उद्घाटन सत्र में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। केंद्रीय मंत्री चौहान ने स्पष्ट किया कि यह केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि पूरे पश्चिमी क्षेत्र की कृषि पर संपूर्णता से मंथन का प्रयास है, जिसमें पूरे दिन प्रजेंटेशन, वीडियो और विषयवार चर्चा के बाद ठोस निष्कर्ष और 'टू-डू लिस्ट' के साथ राज्यों को आगे बढ़ने का रोडमैप तय किया जाएगा।

तीन प्रमुख लक्ष्य: फूड सिक्योरिटी से पोषण सुरक्षा तक

शिवराज सिंह चौहान ने भारतीय कृषि के लिए तीन मुख्य लक्ष्य रेखांकित किए–देश की खाद्य सुरक्षा, किसानों की आय वृद्धि और पोषण सुरक्षा। उन्होंने कहा कि गेहूं और चावल में भारत के भंडार इतने हैं कि रखने की जगह तक की चुनौती है, लेकिन दलहन और तिलहन में आत्मनिर्भरता अभी हासिल करनी है ताकि खाद्य सुरक्षा पूरी तरह देश की अपनी उत्पादन क्षमता पर आधारित हो सके और आयात पर निर्भरता खत्म हो। उन्होंने दोहराया कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ और किसान उसकी आत्मा हैं, इसलिए किसानों की आय बढ़ाना, जीवन स्तर सुधारना और खेती को आसान बनाना सरकार की प्राथमिकता है, साथ ही जनता को पोषक आहार उपलब्ध कराने के लिए पोषण सुरक्षा को नीति का अनिवार्य अंग बताया।

फार्मर आईडी और डिजिटल एग्रीकल्चर की बड़ी झलक

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने फार्मर आईडी को आने वाले समय की सबसे उपयोगी व्यवस्था बताते हुए कहा कि एक प्रमाणित डिजिटल प्रोफ़ाइल के आधार पर बैंक लोन से लेकर सरकारी मदद तक सब कुछ तेज़ और पारदर्शी तरीके से किसानों तक पहुँचेगा। उन्होंने बताया कि कुछ राज्यों में फार्मर आईडी के माध्यम से कुछ ही दिनों में हजारों करोड़ रुपये सीधे किसानों के खाते में ट्रांसफर किए गए हैं और आगे खाद वितरण जैसी संवेदनशील व्यवस्था भी किसान की भूमि और बोई गई फसल के आधार पर फार्मर आईडी से ही लिंक की जाएगी।

आयुष मंत्रालय ने लोनार में योग महोत्सव-2026 के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के लिए 75 दिनों की उलटी गिनती शुरू की

- योग महोत्सव-2026 में सामूहिक त्रिकोणासन अभ्यास के साथ एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज किया गया
- सामूहिक त्रिकोणासन सामूहिक भागीदारी और साझा कल्याण की भावना को दर्शाता हैः प्रतापराव जाधव
- योग महोत्सव-2026 समग्र स्वास्थ्य की ओर वैश्विक जागरूकता का प्रतीक हैः प्रतापराव जाधव

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय के मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) ने आज महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के लोनार स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज उद्यान में योग महोत्सव-2026 का आयोजन किया। इस आयोजन ने त्रिकोणासन करने वाले सबसे बड़े समूह के लिए एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

लगभग 5,000 प्रतिभागियों ने प्रातःकाल कॉमन योगा प्रोटोकॉल (सीवाईपी) का अभ्यास करने के लिए एकत्र होकर ऐतिहासिक शहर लोनार को सामूहिक कल्याण के एक जीवंत केंद्र में परिवर्तित कर दिया। इस व्यापक भागीदारी ने एकता, स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में योग की बढ़ती वैश्विक स्वीकृति को उजागर किया।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने इस आयोजन को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के 75 दिन शेष रहने की एक सशक्त शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि भौगोलिक दृष्टि से महत्वपूर्ण लोनार क्षेत्र में इस आयोजन का होना समग्र स्वास्थ्य और सद्भाव की दिशा में एक व्यापक वैश्विक जागरूकता का प्रतीक है। योग के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि यह अभ्यास शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक कल्याण और भावनात्मक संतुलन को निरंतर बढ़ावा देता है।

रिकॉर्ड तोड़ त्रिकोणासन प्रदर्शन के महत्व का उल्लेख करते हुए, जाधव ने कहा कि यह उपलब्धि योग में निहित सामूहिक भागीदारी और साझा कल्याण की भावना को दर्शाती है। उन्होंने आयुष आहार के महत्व को भी रेखांकित किया और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने एवं समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में बाजरा, रागी, नारियल तेल और औषधीय मसालों जैसे पारंपरिक और प्राकृतिक खाद्य पदार्थों की भूमिका पर बल दिया।

सभा को संबोधित करते हुए, आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुमोनालिसा दास ने योग को विश्व के लिए भारत के सबसे मूल्यवान योगदानों में से एक बताते हुए कहा कि यह जीवन जीने का एक ऐसा तरीका है जो मन, शरीर और आत्मा के बीच सामंजस्य को बढ़ावा देता है। इस कार्यक्रम में एमडीएनआईवाई के निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) काशीनाथ समागंडी के नेतृत्व में कॉमन योगा प्रोटोकॉल का लाइव प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया। सत्र में योगासन, प्राणायाम और ध्यान शामिल थे, जिससे प्रतिभागियों को योग के व्यापक लाभों का अनुभव करने का अवसर मिला।

योग महोत्सव-2026 में आयुष मंत्रालय की कई प्रमुख पहलों को भी प्रदर्शित किया गया, जिनमें रहवाई यात्रा के लिए योगर प्रोटोकॉल, रगैर-संक्रामक रोगों के लिए 10 योग प्रोटोकॉलर और दैनिक जीवन में योग को एकीकृत करने के उद्देश्य से शुरू किया गये योग जैसे 365 अभियान शामिल हैं। 14 दिनों के निःशुल्क निर्देशित योग अभ्यास की सुविधा प्रदान करने वाली टोल-फ्री हेल्पलाइन (1800-315-7008) को भी प्रमुखता से दिखाया गया।

इस कार्यक्रम के साथ ही 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2026 के लिए 75 दिनों की उलटी गिनती की औपचारिक शुरुआत हुई। कार्यक्रम में आयुष मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, जिला प्रशासन के प्रतिनिधि और अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे।

पिछले ग्यारह संस्करणों में, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस स्वास्थ्य और कल्याण के लिए सबसे बड़े वैश्विक आंदोलनों में से एक के रूप में उभरा है, जिसमें हर वर्ष अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी बढ़ रही है। आगामी 12वें संस्करण में गैर-संक्रामक रोगों से निपटने, वृद्धावस्था स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित उभरती प्रौद्योगिकियों को योग के साथ एकीकृत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

आयुष मंत्रालय ने जन भागीदारी के माध्यम से योग को एक जन आंदोलन के रूप में बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की और वर्ष 2026 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पहले देश भर में और विश्व स्तर पर व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित किया।

आईओएस सागर के तहत यात्रा पर निकला भारतीय नौसैनिक पोत आईएनएस सुनयना माले पहुंचा, मालदीव के साथ समुद्री संबंध और सुदृढ़

नई दिल्ली। हिंद महासागर में सागर पोत मिशन पहल के तहत तैनात भारतीय नौसैनिक पोत आईएनएस सुनयना 6 अप्रैल, 2026 को मालदीव की राजधानी माले तट पहुंचा। परिचालन तैनाती में यह उसका पहला पड़ाव है। जहाज का मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल ने गर्मजोशी से स्वागत किया। यह दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ और स्थायी समुद्री साझेदारी और घनिष्ठ क्षेत्रीय संबंधों को दर्शाता है।

इस जहाज के बहुराष्ट्रीय नाविक दल में मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल के दो कर्मी भी शामिल हैं।

माले में ठहराव के दौरान, अंतर्राष्ट्रीय नाविक दल ने समुद्री कौशल, छोटे हथियारों से फायरिंग और क्षति नियंत्रण अभ्यासों का गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया – जो सामूहिक तत्परता, परिचालन अंतर-संचालनीयता और समुद्री सहयोग पर विशेष ध्यान देना दर्शाता है। आईएनएस सुनयना की तैनाती हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीय नौसेना की समुद्री साझेदारी सुदृढ़ बनाने और क्षमता वर्धन की निरंतर प्रतिबद्धता दर्शाती है। इससे आपसी विश्वास और क्षेत्रीय सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

आईएनएस सुनयना के माले पहुंचने पर, मालदीव में भारत के उच्चायुक्त जी. बालासुब्रमण्यम जहाज पर गये और उन्होंने विभिन्न देशों के नाविक दल के सदस्यों से बातचीत की। जहाज के बंदरगाह पर ठहराव के दौरान घनिष्ठ सहयोग और सौहार्द बढ़ाने हेतु कई पेशेवर और सामाजिक मेलजोल तथा खेल गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। जहाज के प्रस्थान के समय, मालदीव राष्ट्रीय तटरक्षक बल के साथ एक पैसेज एक्सरसाइज (पाससेक्स) भी निर्धारित है। पैसेज एक्सरसाइज मित्र नौसेनाओं के बीच समुद्र में किया जाने वाला संयुक्त अभ्यास है, जो आपसी सहयोग, संचार और रणनीतिक साझेदारी मजबूत बनाता है।

वित्तीय सेवा विभाग सचिव ने बैंक ऑफ बड़ौदा के एआई-संचालित बहुभाषी संवाद मंच 'बॉब संवाद' का शुभारंभ किया, शाखाओं में ग्राहकों के साथ संवाद बेहतर होगा

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग सचिव एम. नागराजू ने 28 मार्च, 2026 को मुंबई में औपचारिक तौर पर बैंक ऑफ बड़ौदा का बॉब संवाद आरंभ किया। यह प्लेटफॉर्म एआई-संचालित बहुभाषी विशिष्ट संवाद मंच है, जिसका उद्देश्य शाखाओं में ग्राहकों के साथ संवाद बेहतर बनाना है। पहली बार किसी बैंक ने इस तरह का प्लेटफॉर्म स्थापित किया है। भाषा संबंधी परेशानियां दूर करने के लिए तैयार किये गये इस प्लेटफॉर्म से ग्राहकों और बैंक शाखा के कर्मचारियों को पसंदीदा भाषा में एक-दूसरे के साथ सहजता से संवाद करने में सुगमता होगी।

एम. नागराजू ने यह पहल आरंभ करने पर बैंक ऑफ बड़ौदा को बधाई दी। उन्होंने बैंक के कार्यों में भाषाई बाधा दूर करने और ग्राहकों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा के अभिनव प्रौद्योगिकी प्रयोग की सराहना की।

वित्तीय सेवा विभाग सचिव ने कहा कि बॉब संवाद अधिक समावेशी और सुलभ सेवा को बढ़ावा देगा और बैंक शाखाओं में ग्राहक सेवा में सुधार में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि बैंक ऑफ बड़ौदा की इस पहल ने इस क्षेत्र में नया मानदंड स्थापित किया है।

नागराजू ने बैंक की एक और हरित पहल बॉब फॉरेस्ट का भी दौरा किया, जो बॉब अर्थ, ग्रीन डिपॉजिट्स और ग्रीन बॉन्ड्स के बाद स्थापित किया गया है और संधारणीयता और पर्यावरण, सामाजिक और शासन संबंधी समग्र लक्ष्य के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता दर्शाता है। बॉब फॉरेस्ट मुंबई में बैंक ऑफ बड़ौदा के बीकेसी कार्यालय में बनाया गया 6,000 वर्ग फुट का हरित उद्यान है जो जैव विविधता और स्वच्छ हवा प्रदान करता है।

तमिलनाडु के कलपक्कम में स्थित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने पहली बार क्रिटिकल अवस्था प्राप्त कर ली है

नई दिल्ली। भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि में 500 मेगावाट के प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने 6 अप्रैल, 2026 को रात 8:25 बजे सफलतापूर्वक प्रथम क्रिटिकैलिटी (नियंत्रित विखंडन श्रृंखला प्रतिक्रिया की शुरुआत) प्राप्त कर ली है, जो दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करने और स्वदेशी परमाणु प्रौद्योगिकी क्षमताओं को आगे बढ़ाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

यह महत्वपूर्ण उपलब्धि परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) द्वारा संयंत्र प्रणालियों की सुरक्षा की गहन समीक्षा के बाद जारी की गई मंजूरी के बाद प्राप्त की गई, जिसमें डीएई के सचिव और एईसी के अध्यक्ष डॉ. अजीत कुमार मोहंती, आईजीसीएआर के निदेशक श्रीकुमार जी. पिल्लई, भाविनी के प्रभारी सीएमडी अल्लू अनंत और भाविनी के पूर्व सीएमडी और होमी सेथना अध्यक्ष के.वी. सुरेश कुमार उपस्थित थे।

पीएफबीआर की प्रौद्योगिकी का विकास और डिजाइन स्वदेशी रूप से इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (आईजीसीएआर) द्वारा किया गया था, जो परमाणु ऊर्जा विभाग का एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र है और इसका निर्माण और संचालन भारतीय परमाणु विद्युत निगम लिमिटेड (भविनी) द्वारा किया गया था, जो परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है।

फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) भारत की दीर्घकालिक परमाणु रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। पारंपरिक थर्मल रिएक्टरों के विपरीत, पीएफबीआर यूरेनियम-प्लूटोनियम मिक्स्ड ऑक्साइड (एमओएक्स) ईंधन का उपयोग करता है। पीएफबीआर का कोर यूरेनियम-238 की परत से घिरा होता है। तीव्र न्यूट्रॉन उपजाऊ यूरेनियम-238 को विखंडनीय प्लूटोनियम-239 में परिवर्तित करते हैं, जिससे रिएक्टर अपनी खपत से अधिक ईंधन का उत्पादन कर पाता है। रिएक्टर को अंततः परत में मौजूद थोरियम-232 का उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। रूपांतरण के माध्यम से थोरियम-232 यूरेनियम-233 में परिवर्तित हो जाएगा, जो भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के तीसरे चरण के लिए ईंधन का काम करेगा।

यह अनूठी क्षमता परमाणु ईंधन संसाधनों के उपयोग को काफी हद तक बढ़ाती है और देश को अपने सीमित यूरेनियम भंडार से कहीं अधिक ऊर्जा निकालने में सक्षम बनाती है, साथ ही भविष्य में थोरियम के बड़े पैमाने पर उपयोग के लिए भी तैयारी करती है।

प्रथम चरण की महत्वपूर्णता प्राप्त करने के साथ भारत अपने तीन-चरणीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम की पूर्ण क्षमता को साकार करने के करीब पहुंच गया है। फास्ट ब्रीडर तकनीक वर्तमान में मौजूद भारी जल रिएक्टरों और भविष्य में स्थापित होने वाले थोरियम-आधारित रिएक्टरों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी का काम करती है, जिससे देश के प्रचुर थोरियम संसाधनों का लाभ उठाकर दीर्घकालिक स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन किया जा सकेगा।

इस उपलब्धि से भारत के स्वदेशी डिजाइन, इंजीनियरिंग और विनिर्माण तंत्र की मजबूती का पता चलता है। इस रिएक्टर में उन्नत सुरक्षा प्रणालियां, उच्च तापमान वाले तरल सोडियम शीतलक की तकनीक और एक बंद ईंधन चक्र दृष्टिकोण शामिल है, जो परमाणु सामग्रियों के पुनर्चक्रण को सक्षम बनाता है, जिससे स्थिरता में सुधार होता है और अपशिष्ट कम होता है।

यह परियोजना उन असंख्य वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, तकनीशियनों और उद्योग भागीदारों के समर्पण को भी दर्शाती है, जिन्होंने मुख्यतः स्वदेशी तकनीकों और घटकों का उपयोग करते हुए रिएक्टर के डिजाइन, निर्माण और संरचना में योगदान दिया है। उनके प्रयासों से उन्नत परमाणु अभियांत्रिकी में राष्ट्र की बढ़ती क्षमता उजागर होती है और आत्मनिर्भर भारत के अनुरूप तकनीकी आत्मनिर्भरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को बल मिलता है।

ऊर्जा उत्पादन के अलावा, फास्ट ब्रीडर कार्यक्रम परमाणु ईंधन चक्र प्रौद्योगिकियों, उन्नत सामग्रियों, रिएक्टर भौतिकी और बड़े पैमाने की इंजीनियरिंग में रणनीतिक क्षमताओं को मजबूत करता है।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार 8 अप्रैल 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

कृषि मंत्री नेताम ने की विभागीय योजनाओं एवं खरीफ तैयारियों की गहन समीक्षा

रासायनिक खाद की कालाबाजारी करने वाले जेल जाएंगे : कृषि मंत्री नेताम

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में रासायनिक उर्वरकों की कालाबाजारी करने वालों पर अब सख्त कार्रवाई तय है। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि, खाद की जमाखोरी या अधिक मूल्य पर बिक्री करने वालों पर सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं गड़बड़ी पाए जाने पर सीधे जेल भी भेजे जाएंगे।

उन्होंने कहा कि पश्चिमी एशिया संकट के कारण रासायनिक उर्वरकों की कमी की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार पूरी तरह सजग है। खाद की कमी नहीं होगी। इसके साथ ही किसानों को जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में आपूर्ति और बेहतर होगी, इसलिए किसानों को किसी भी प्रकार से घबराहट या पैनिक होने की आवश्यकता नहीं है। कृषि मंत्री नेताम ने आज मंगलवार को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित समेति कक्ष में रायपुर और दुर्ग संभाग के अधिकारियों की आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान इस आशय के वक्तव्य दिए।

मंत्री श्री नेताम ने बताया कि, राज्य सरकार खरीफ 2026 की तैयारियों को लेकर पूरी तरह सक्रिय है और उर्वरक उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। जिलों के संबंधित विभागीय अमले को नियमित एवं आकस्मिक निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी स्तर पर अनियमितता सामने आते ही तत्काल कार्रवाई की जा सके।

नेताम ने बैठक में आगामी 5 मई से 20 मई तक पूरे प्रदेश में विकसित भारत संकल्प अभियान की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत कृषि वैज्ञानिकों, विभागीय अधिकारियों और मैदानी अमले की टीम गांव–गांव जाकर किसानों, किसान समूहों और संगठनों से सीधे संवाद करेगी।

फेडरेशन आफआटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस ने जारी किए वित्तीय वर्ष 2025-26 के वार्षिक आंकड़े

छत्तीसगढ़ में बढ़ा यात्री कारों और ट्रैक्टरों के प्रति आकर्षण, तेज हुई बिक्री

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में आटोमोबाइल बाजार का मिजाज बिल्कुल अलग हो गया है। यहां यात्री कारों और ट्रैक्टरों के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ा है। बीता वित्तीय वर्ष के आंकड़े यही बता रहे हैं। यहां दोनों सेगमेंट यानि यात्री कारों और ट्रैक्टरों की बिक्री काफी अच्छी रही है।

फेडरेशन आफ आटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस ने वित्तीय वर्ष 2025–26 के वार्षिक आंकड़े जारी कर दिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में वाहन बाजार में बढ़त तो दर्ज की गई है, लेकिन इसकी रफ्तार राष्ट्रीय औसत की तुलना में काफी धीमी रही। प्रदेश में बीते एक साल में कुल 7,44,242 वाहनों की बिक्री हुई, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 3.43 प्रतिशत अधिक है।

फाडा छत्तीसगढ़ के चेयरपर्सन विवेक गर्ग ने बताया कि राज्य का वाहन बाजार अब तेज वृद्धि के दौर से निकलकर स्थिर लेकिन धीमी बढ़त के चरण में पहुंच गया है। आंकड़ों का विश्लेषण करें तो पैसेंजर कारों और ट्रैक्टरों की बिक्री में अच्छी बढ़ोतरी हुई है। यह दर्शाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में मांग बढ़ी है और व्यक्तिगत उपयोग के लिए वाहनों की जरूरत महसूस की जा रही है।

दोपहिया वाहनों की बिक्री में मामूली सुधार हुआ है, जबकि वाणिज्यिक (कमर्शियल) वाहनों का ग्राफ लगभग स्थिर बना रहा। सबसे चिंताजनक गिरावट कंस्ट्रक्शन से जुड़े उपकरणों की बिक्री में देखी गई है।

मार्च में थमी रफ्तार, ग्रामीण आय से उम्मीद

महीनेवार रुझानों के अनुसार, साल की शुरुआत (जनवरी और फरवरी) काफी उत्साहजनक रही, लेकिन मार्च आते–आते बाजार की गति मंद पड़ गई। फाडा के अनुसार, आने वाले समय में यदि ग्रामीण आय में सुधार होता है और सरकारी विकास कार्यों में तेजी आती है, तो बाजार फिर से रफ्तार पकड़ सकता है।

देशभर में इलेक्ट्रिक कारों का पावर शो

जहां राज्य में धीमी बढ़त है, वहीं राष्ट्रीय स्तर पर इलेक्ट्रिक वाहनों ने नया कीर्तिमान रचा है। वित्त वर्ष 2025–26 में देश में इलेक्ट्रिक पैसेंजर वाहनों की बिक्री में 83.63 प्रतिशत का भारी उछाल देखा गया। कुल बिक्री 1,99,923 इकाई तक पहुंच गई, जो पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरूकता और ईवी तकनीक की स्वीकार्यता को दर्शाती है।

महाराष्ट्र के नागपुर में विस्फोटक बरामद, इलाके में हड़कंप

एजेंसी, नागपुर

महाराष्ट्र के नागपुर शहर के सेंट्रल ऐवन्यू (सीए रोज) इलाके में मंगलवार को बड़ी मात्रा में जिंदा विस्फोटक मिलने से हड़कंप मच गया। गणेशपेठ पुलिस थाना क्षेत्र के दोसर भवन चौराहे पर स्थित मेट्रो स्टेशन के ठीक समीप यह घटना सामने आई है।

गणेशपेठ पुलिस को मंगलवार सुबह एक घर के पास संदिग्ध बैग मिलने की सूचना को मिली, जिसके बाद जांच शुरू की गई। जांच के दौरान बैग में 15 जिलेटिन की छड़ें, 58 डेटोनेटर और 8 कनेक्टर बरामद किए गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह बैग पिछले एक से डेढ़ महीने से वहां पड़ा हुआ था। सुबह बैग से जिलेटिन की छड़ें बाहर दिखाई देने लगीं, जिसके बाद मकान मालिक ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। इस सूचना पर पुलिस के साथ बम खोजी दस्ता (बीडीडीएस) मौके पर पहुंचा। उन्होंने इलाके को तुरंत इलाके को सील कर तलाशी अभियान चलाया और

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर एम्पेरिया सैफायर ग्रीन में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

सुधा सोसाइटी फाउंडेशन, होप क्लिनिक सैफायर ग्रीन रायपुर के सहयोग से, एम्पेरिया सैफायर ग्रीन में विश्व स्वास्थ्य दिवस शिविर आयोजित किया।

डॉ. सुप्रिया सिंह और टीम ने 25 से अधिक निवासियों और सहायकों की जांच की, ब्लड शुगर अन्य बीमारियों का आदि के बारे में जागरूकता फैलाई और प्रिस्क्रिप्शन दी। चेयरमैन जी के भटनागर ने टीम को धन्यवाद दिया और गमले भेंट किए। स्वास्थ्य और शिक्षा फाउंडेशन के प्राथमिक क्षेत्र हैं, भीमसेरिया अस्पताल में निःशुल्क होमियोपैथी क्लिनिक और अमासेओनी गांव में गरीब बच्चों के लिए खुला विद्यालय चलाया जाता है।

मीरजापुर में चार बांग्लादेशी घुसपैठिए गिरफ्तार

- आरोपितों ने दलालों के जरिए पहले बनवाए फर्जी दस्तावेज, फिर लांघी सीमा
- पश्चिम बंगाल से ट्रेन के जरिए पहुंचे आगरा फिर मीरजापुर में बनाया ठिकाना

एजेंसी, मीरजापुर

उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में फर्जी दस्तावेजों के सहारे अवैध रूप से रह रहे चार बांग्लादेशी नागरिकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चार मोबाइल फोन के साथ आधार कार्ड, पैन कार्ड, बांग्लादेशी वोटर आईडी और पासपोर्ट समेत अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं। घुसपैठियों की गिरफ्तारी देश की आंतरिक सुरक्षा, पहचान प्रणाली और सीमा प्रबंधन पर

गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दरअसल, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के दौरान 6 अप्रैल की रात यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक ने मंगलवार को मीडिया से बताया कि रेलवे स्टेशन के पास पकड़े गए एक संदिग्ध युवक से पूछताछ में पूरे गिरोह का खुलासा हुआ। उसकी निशानदेही पर डगमगपुर क्षेत्र स्थित एक क्रेशर प्लांट से उसके तीन अन्य साथियों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए घुसपैठियों में सब्बीर हुसैन (26) पुत्र मो. समसुलहक व मो. सबूज हुसैन (24) पुत्र मो. समसुलहक निवासी दनाजपुर थाना पीरगंज जिला ठाकुरगंज प्रदेश विभाग रंगपुर बांग्लादेश, नरेश दास (28) पुत्र सुनील दास निवासी ग्राम बाराबंदर योगेंद्र बाबू मठ थाना कोतवाली दनाजपुर विभाग रंगपुर बांग्लादेश, जय दास (28) पुत्र नमोचंद्र दास ग्राम नरेशदादा का गांव बांग्लादेश शामिल हैं।

कोलकाता पर हमले की पाकिस्तानी धमकी पर राजनाथ बोले- टुकड़े-टुकड़े कर देंगे

एजेंसी, कोलकाता

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ द्वारा कोलकाता पर हमले की धमकी देने वाले बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि पाकिस्तान को इस तरह की भड़काऊ और गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी से बचना चाहिए, अन्यथा उसे इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में चुनाव प्रचार के दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि उस युद्ध के बाद पाकिस्तान दो हिस्सों में बंट गया था और बांग्लादेश का गठन हुआ था। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान इस बार पश्चिम बंगाल की ओर बुरी नजर डालने की कोशिश करेगा तो इस बार उसके कितने टुकड़े होंगे, यह केवल भगवान ही जानते हैं।

क्या कहा था पाकिस्तान के रक्षा मंत्री नेपाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने 04 अप्रैल को सियालकोट में पत्रकारों से बातचीत करते हुए भारत को धमकी दी थी।

पटना-चर्लपल्ली-पटना के मध्य 15-15 फेरों के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन

- यात्रियों को मिलेगी कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

ग्रीष्मकालीन के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु पटना–चर्लपल्ली–पटना के मध्य 15–15 फेरों के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है ।

गाड़ी संख्या 03253 पटना–चर्लपल्ली स्पेशल ट्रेन, पटना से 08 अप्रैल 2026 से 27 मई 2026 तक (15 फेरा) प्रत्येक सोमवार एवं बुधवार को चलेगी 7 इसी प्रकार गाड़ी संख्या 03254 चर्लपल्ली–पटना स्पेशल ट्रेन, चर्लपल्ली से 15 अप्रैल

2026 से 27 मई 2026 तक (07 फेरा) प्रत्येक बुधवार को तथा गाड़ी संख्या 03255 चर्लपल्ली–पटना स्पेशल ट्रेन, चर्लपल्ली से 10 अप्रैल 2026 से 29 मई 2026 तक (08 फेरा) प्रत्येक शुक्रवार को चलेगी।

गाड़ियों की समय सारिणी

गाड़ी संख्या 03253 पटना–चर्लपल्ली स्पेशल ट्रेन, पटना से 08 अप्रैल 2026 से 27 मई 2026 तक (15 फेरा) प्रत्येक सोमवार एवं बुधवार को दोपहर 15.00 बजे रवाना होगी तथा मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन अर्थात प्रत्येक मंगलवार और गुरुवार को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के ठहराव वाली स्टेशन बिलासपुर में आगमन 07.40 बजे, प्रस्थान 07.45 बजे, रायपुर आगमन 09.43 बजे, प्रस्थान 09.45 बजे, दुर्ग आगमन 10.10 बजे, प्रस्थान 10.20 बजे, गोंदिया आगमन 12.50 बजे, प्रस्थान 12.55 बजे होते हुये प्रत्येक बुधवार और शुक्रवार को 03.30 बजे चर्लपल्ली स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 03254 चर्लपल्ली–पटना स्पेशल ट्रेन, चर्लपल्ली से 15 अप्रैल 2026 से 27 मई 2026 तक (07 फेरा) प्रत्येक बुधवार को 23.00 बजे रवाना होगी तथा मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन अर्थात प्रत्येक गुरुवार को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के ठहराव वाली गोंदिया स्टेशन आगमन 11.40 बजे, प्रस्थान 11.45 बजे, दुर्ग आगमन 13.50 बजे, प्रस्थान 14.00 बजे, रायपुर आगमन 14.33 बजे, प्रस्थान 14.35 बजे, बिलासपुर में आगमन 16.45 बजे, प्रस्थान 16.50 बजे होते हुये प्रत्येक शुक्रवार को 11.30 बजे पटना स्टेशन पहुंचेगी ।

गाड़ी संख्या 03255 चर्लपल्ली–पटना स्पेशल ट्रेन, चर्लपल्ली से 10 अप्रैल 2026 से 29 मई 2026 तक (08 फेरा) प्रत्येक शुक्रवार को 21.00 बजे रवाना होगी तथा मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन अर्थात प्रत्येक शनिवार को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के ठहराव वाली गोंदिया स्टेशन आगमन 09.40 बजे, प्रस्थान 09.45 बजे, दुर्ग आगमन 11.50 बजे, प्रस्थान 12.00 बजे, रायपुर आगमन 12.33 बजे, प्रस्थान 12.35 बजे, बिलासपुर में आगमन 14.45 बजे, प्रस्थान 14.50 बजे होते हुये प्रत्येक रविवार को 09.30 बजे पटना स्टेशन पहुंचेगी।

इन स्पेशल ट्रेनों में 01 एसएलआरडी, 02 जनरल, 04 स्लीपर, 07 एसी–III, 07 एसी–III इकॉनमी तथा 01 जनरेटर कार सहित कुल 22 कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी ।

इन गाड़ियों के वाणिज्यिक ठहराव -

रास्ते में ये गाडियाँ दोनों दिशाओं में तारेगना, जहानाबाद, गया, कोडरमा, पारसनाथ, नेताजी सुभाषचंद्र बोस गोमो, बोकारो, रांची, हटिया, राऊरकेला, झारसुगुड़ा, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया, नागपुर, बल्लारशाह, सिरपुर कागजनगर, बेल्लमपल्ली, पेद्दपल्ली तथा काजीपेट स्टेशनों पर रुकेगी।

यात्रियों से आग्रह है कि उक्त स्पेशल ट्रेनों की समय–सारिणी और ठहराव संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in पर अवश्य देखें 7 इसके अतिरिक्त, यात्री ह्वअश्वस् ऐप डाउनलोड कर ट्रेन की वास्तविक समय (रियल टाइम) स्थिति की जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान संरक्षा, क्षमता और समयबद्धता में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

ऑटोमेटिक सिग्नलिंग एवं इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के विस्तार से संरक्षित, तीव्र और निर्बाध रेल परिचालन को मिला नया आयाम

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

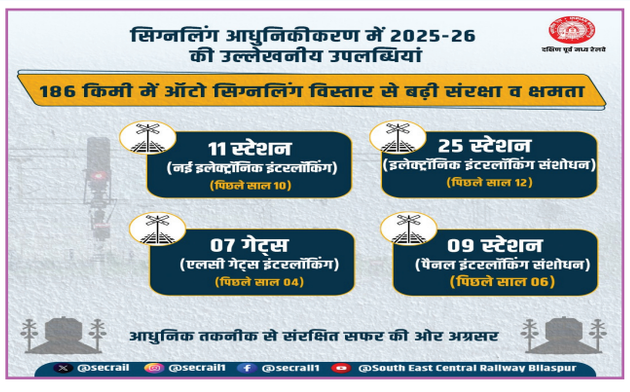

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग वित्तीय वर्ष 2025–26 में संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आधुनिक सिग्नलिंग प्रणालियों के व्यापक विस्तार के माध्यम से रेल परिचालन को और अधिक संरक्षित, तीव्र एवं समयबद्ध बनाने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है।

रेलवे संरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से परंपरागत सिग्नलिंग प्रणाली के स्थान पर अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) एवं ऑटोमेटिक सिग्नलिंग जैसी उन्नत तकनीकों का तीव्र गति से विस्तार किया गया है, जिससे मानवीय त्रुटियों की संभावना न्यूनतम हुई है तथा ट्रेनों का संचालन अधिक सुरक्षित एवं विश्वसनीय बना है।

इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (नई स्थापना) - 11 स्टेशन

वर्ष 2025–26 में 11 स्टेशनों पर अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली स्थापित की गई, जिससे जटिल यार्ड संरचनाओं में भी सुरक्षित एवं निर्बाध ट्रेन संचालन सुनिश्चित हुआ। प्रमुख स्टेशन हैं ङ्क गोंदिया (506 रूट), उरगा (46 रूट), किरोड़ीमल नगर (223 रूट), कोथारी रोड (41 रूट), रायगढ़ (286 रूट), सारागांव देवरी (117 रूट), चक्रधर नगर (174 रूट), कुरुद (32 रूट), बाराद्वार (198 रूट), पेंड्रा रोड (226 रूट) एवं बालपुर रोड (26 रूट)।

इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (संशोधन) - 25 स्टेशन

25 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में उन्नयन/संशोधन कार्य कर संरक्षा मानकों को और अधिक सुदृढ़ किया गया। इससे सिग्नलिंग सिस्टम की विश्वसनीयता में वृद्धि हुई तथा निर्बाध परिचालन सुनिश्चित हुआ है।

पैनल इंटरलॉकिंग (संशोधन) - 09 स्टेशन

9 स्टेशनों पर पैनल इंटरलॉकिंग प्रणाली में संशोधन कर उसे अधिक संरक्षित एवं कुशल बनाया गया, जिससे ट्रेन परिचालन में सुगमता एवं संरक्षा सुनिश्चित हुई।

ऑटोमेटिक सिग्नलिंग - 186 किलोमीटर

वर्ष 2025–26 में कुल 186 किलोमीटर में ऑटोमेटिक सिग्नलिंग प्रणाली का विस्तार किया गया, जो संरक्षा एवं क्षमता वृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रमुख सेक्शन निम्नलिखित हैं –

दगोरी–निपनिया (18 कि.मी.),
गुदमा–गंगाझरी (26 कि.मी.),
उरकुरा–सरोना (11 कि.मी.),
कोतरलिया–जामगा (27 कि.मी.),
चांपा–सारागांव (20 कि.मी.),
रायगढ़–चक्रधर नगर–कोतरलिया (30 कि.मी.),
निपनिया–भाटापारा (30 कि.मी.),
रायगढ़–जेएसपीएल–किरोड़ीमल नगर (24 रूट किमी) ।

असम पुलिस ने पवन खेड़ा के दिल्ली आवास की तलाशी ली

एजेंसी, नई दिल्ली/गुवाहाटी

असम पुलिस की टीम मंगलवार को कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा के दिल्ली स्थित आवास पर पहुंची। दिल्ली पुलिस की मौजूदगी में असम पुलिस ने खेड़ा के घर पर छानबीन की। इस दौरान खेड़ा घर में मौजूद नहीं थे।

असम पुलिस के अपर पुलिस आयुक्त देबोजीत नाथ के मुताबिक मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी की ओर से पवन खेड़ा के खिलाफ गुवाहाटी स्थित क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गयी प्राथमिकी के सिलसिले में पूछताछ के लिए हम यहां आए। हमें इस केस के सिलसिले में पवन खेड़ा की तलाश थी, लेकिन वह नहीं मिले और उनके घर की तलाशी ली गई। हमें कुछ आपत्तिजनक सामान मिला है। इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ज़ब्त कर लिए गए हैं। वह कहां हैं, यह अभी पता नहीं है, लेकिन उन्हें ढूंढ लिया जाएगा।

दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि असम पुलिस की टीम पवन खेड़ा के निजामुद्दीन पूर्व स्थित आवास पर पूर्वाह्न 11 बजे पहुंची थी और दोपहर 01 बजे के बाद यहां से लौट गयी।

सूत्रों के मुताबिक असम पुलिस के यहां पहुंचने से पहले ही पवन खेड़ा दिल्ली से हैदराबाद के लिए रवाना हो चुके थे। हालांकि उनकी इस यात्रा का उद्देश्य स्पष्ट नहीं हो सका।

उधर, मुख्यमंत्री डॉ. सरमा ने असम के जोरहाट में पत्रकारों से कहा कि पुलिस 'पाताल' से भी लोगों को ढूंढकर ला सकती है। मुझे शक है कि राहुल गांधी ने उन्हें ये डॉक्यूमेंट्स दिए हैं। इसलिए यह केस राहुल गांधी तक जाएगा।

उल्लेखनीय है कि खेड़ा ने हाल ही में पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री डॉ. सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां के पास तीन विदेशी पासपोर्ट और अमेरिका एवं संयुक्त अरब अमीरात में अघोषित संपत्तियां हैं, जिसकी जानकारी डॉ. सरमा ने चुनाव आयोग को नहीं दी है। खेड़ा के इस आरोप पर रिनिकि भुइंया ने उनके विरुद्ध गुवाहाटी में प्राथमिकी दर्ज करायी थी।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक–शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक–हरीश नचरानी, मो.–9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771–2223399, मो.–6262904444